खबरें जो सोच बदल दे
# शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 10 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-40

## ट्रंप के आदेश के बाद दुनियाभर में यूएसएड के दफ्तर बंद

# आतंकवाद और यौन-विकृतियां फैलाने के लिए दे रहा था धन

**वाशिंगटन, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन की करतूतों का हर दिन नया नया खुलासा हो रहा है। बाइडेन ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) के जरिए दुनियाभर में गंदगी फैलाने की हरकतें कीं। यूएसएड ने एक तरफ आतंकवादी संगठनों को धन दिया तो दूसरी तरफ यौन विकृतियां फैलाने के लिए सरकारी धन खर्च किया। यहां तक कि महिलाओं को भोग का सामान मानने वाले इस्लामिक कट्टरपंथी तालिबान को कंडोम देने पर लाखों डॉलर खर्च किए। नेपाल की हिंदू राष्ट्र की पहचान खत्म कर उस भोले-भाले पर्वतीय देश में नास्तिकता फैलाने के लिए भी अमेरिका ने लाखों डॉलर खर्च किए।

महिला उत्पीड़क तालीबान को कंडोम के लिए दे रहे थे धन

नेपाल में हिंदुओं के खिलाफ यूएसएड ने दिए थे लाखों डॉलर

इन सनसनीखेज खुलासों के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प ने यूएसएड का ढक्कन बंद कर दिया है। यूएसएड का दफ्तर अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। यूएसएड की गतिविधियों की जांच एलन मस्क की अगुवाई वाला डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) विभाग कर रहा है। अमेरिका की एक संसदीय कमेटी ने भी यूएसएड की अनियमितताओं को लेकर कई खुलासे किए हैं। यूएसएड बंद करने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले से अमेरिकी रिपब्लिकन खुश हैं। लेकिन पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के लिए यह बड़ी चिंता की बात हो गई है। यूएसएड आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा को फंडिंग दे रहा था, जिसके खिलाफ एलन मस्क उठा रहे थे, लेकिन बाइडेन प्रशासन सुन नहीं रहा था।यूएसएड ने तालिबान को कंडोम के लिए 15 मिलियन (120 करोड़ से अधिक) डॉलर दिए। अमेरिकी सांसद ब्रायन मास्ट ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि तालिबान लगातार महिलाओं का उत्पीड़न करता है और उसने अमेरिका को अफगानिस्तान में बड़े नुकसान पहुंचाए हैं। ऐसे में बाइडेन प्रशासन के निर्देश पर यूएसएड द्वारा तालिबान को कंडोम-खर्चा दिया जाना बेहद आश्चर्यजनक है।

▶10 पर

### नेपाल में हिंदुओं को ईसाई बना रहे थे 17 अमेरिकी

**काठमांडू, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** नेपाल में हिंदुओं को ईसाई बना रहे 17 अमेरिकी और एक भारतीय सहयोगी को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद इन्हें छोड़ा गया। ये सभी टूरिस्ट वीसा पर नेपाल आए थे और सामाजिक कार्यकर्ता बनकर स्थानीय लोगों को ईसाई धर्म में धर्मांतरित करा रहे थे। जांच अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी नागरिक 15 दिन के वीजा पर नेपाल आए थे। आव्रजन विभाग के अनुसार, अपराध की गंभीरता निर्धारित करने और आगे की कार्रवाई के लिए जांच चल रही है। आव्रजन अधिनियम 1992 के तहत, उन्हें नेपाल से निर्वासित किया जा सकता है और एक निश्चित अवधि के लिए नेपाल में घुसने से रोका जा सकता है।

## छत्तीसगढ़ में हुआ इस साल का सबसे बड़ा मुठभेड़

# 31 नक्सली मारे गए दो जवान भी शहीद

**बीजापुर, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से ठीक पहले बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई बड़ी मुठभेड़ में कम से कम 31 नक्सली मारे गए। दो जवान शहीद हो गए और दो जवान गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। जगदलपुर से भेजे गए एमआई-17 हेलीकॉप्टर से घायल जवानों को निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक सभी नक्सलियों का खात्मा हो जाएगा। तब किसी भी भारतीय नागरिकों की जान नहीं जाएगी।

हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट किए गए दो घायल जवान

2026 तक नक्सलियों का सफाया तय : अमित शाह

गृह मंत्री ने कहा कि भारत को नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में सुरक्षाबलों को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में 31 नक्सली मारे गए और भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने मानव विरोधी नक्सलवाद को खत्म करने के प्रयास में अपने दो बहादुर जवानों को भी खो दिया है। देश हमेशा इन वीरों का ऋणी रहेगा।

उधर, बस्तर संभाग के आईजी सुंदर राज पी ने एनकाउंटर का ब्यौरा देते हुए कहा कि मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। अभी भी अन्य नक्सलियों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। बीजापुर डीआरजी, एसटीएफ और बस्तर फाइटर के जवानों ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। आईजी ने बताया कि नक्सलियों के बड़ी संख्या में जमा होने की सूचना मिली थी, इसके बाद मौके पर फोर्स रवाना की गई है।

▶10 पर

## दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने दिया इस्तीफा

# उपराज्यपाल ने भंग की दिल्ली विधानसभा

**नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** आम आदमी पार्टी की पराजय के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना ने आज सवेरे दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना से मिल कर अपना इस्तीफा सौंप दिया। एलजी ने आतिशी का इस्तीफा स्वीकृत करने के साथ ही दिल्ली विधानसभा भंग करने का आदेश जारी कर दिया। विधानसभा भंग होने की अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। दिल्ली के नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने आज दिल्ली के एलजी से मुलाकात की और सरकार निर्माण और शपथ ग्रहण को लेकर बातचीत की। भारतीय जनता पार्टी ने औपचारिक तौर पर रविवार को उपराज्यपाल से मिलने का समय मांग लिया था। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एलजी वीके सक्सेना से अपने नए 48 विधायकों और सात सांसदों संग मिलने के लिए पत्र लिखकर वक्त मांगा था।

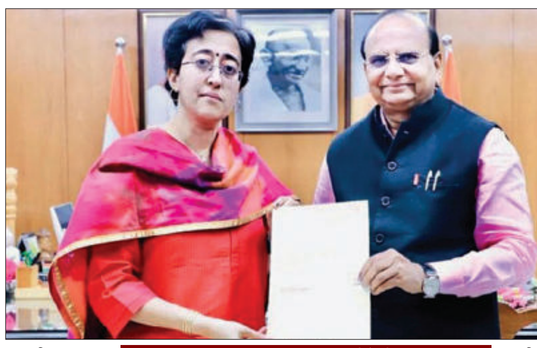

भाजपा विधायकों ने भी उपराज्यपाल से मुलाकात की

प्रधानमंत्री के अमेरिका से लौटने पर होगा शपथ ग्रहण

विधानसभा भंग होने की औपचारिक अधिसूचना से राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा के नेतृत्व में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। एलजी के आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 की धारा 6 की उपधारा (2) (बी) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, मैं, विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली के उपराज्यपाल, 8 फरवरी, 2025 से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सातवीं विधानसभा को भंग करता हूं। आतिशी मार-लेना पिछले साल सितंबर से दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत थीं। सीएम पद पर उनकी पदोन्नति ऐसे समय हुई जब केजरीवाल ने कुछ दिनों पहले अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी।

▶10 पर

## लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे की सुप्रीम कोर्ट से मांग

# न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालते हैं सांसद विधायक

**नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** पूर्व और मौजूदा सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित करीब 5,000 आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए सुप्रीम कोर्ट से दिशा निर्देश देने की मांग की गई है। वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने कहा कि सांसद और विधायक अपने शक्ति सामर्थ्य के बूते कार्रवाई में बाधा डालते हैं, जिससे सुनवाई में देरी हो रही है।

पूर्व और मौजूदा सांसदों-विधायकों के खिलाफ करीब 5,000 मामले लंबित है, जिनके शीघ्र निपटारे के लिए सुप्रीम कोर्ट से दिशा निर्देश जारी करने की मांग की गई है। शीर्ष कोर्ट की ओर से एमिकस क्यूरी नियुक्त किए गए वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने दलील दी कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई में देरी हो रही है, क्योंकि उनके पास जांच और कोर्ट में प्रभाव डालने की शक्ति है। इसके कारण लंबित मामलों का निपटान नहीं हो रहा है, जिससे हमारे लोकतांत्रिक ढांचे पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। हंसारिया ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ एक जनवरी 2025 तक 4,732 ▶10 पर

# मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने दिया इस्तीफा

**इंफाल, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने रविवार को इंफाल में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। खबरों के मुताबिक, बीरेन सिंह के इस्तीफ़े के पीछे की वजह कांग्रेस द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाने की धमकी बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि सिंह के नेतृत्व से नाखुश बीजेपी विधायक अविश्वास प्रस्ताव में कांग्रेस का साथ देने वाले थे।

सिंह के इस्तीफे से पहले, मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंजूरी के बिना पहाड़ी जिलों में प्रमुख प्रशासनिक बदलाव किए गए। सुबह सिंह ने नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, सिंह पार्टी के अंदर और बाहर से दबाव का सामना कर रहे थे। ▶10 पर

## एयरो इंडिया की हुई शानदार शुरूआत

# वायुसेना और थलसेना प्रमुख ने तेजस में भरी उड़ान

**बेंगलुरु, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** बेंगलुरु में आज से एयरोस्पेस कार्यक्रम की शुरुआत हुई। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने तेजस से उड़ान भरकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर जनरल द्विवेदी ने इसे अपने जीवन का सबसे अच्छा पल बताया। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को येलहंका वायुसेना स्टेशन पर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस में उड़ान भरकर एयरो इंडिया-2025 की शुरुआत की। एयरोस्-पेस कार्यक्रम 14 फरवरी तक चलेगा। हवा में जब एयर चीफ मार्शल और सेना प्रमुख तेजस विमान में उड़ान भर रहे थे, तब सभी लोगों की नजरें आसमान की ओर लगी थीं। सफल उड़ान के बाद, जनरल द्विवेदी ने इसे अपने जीवन का सबसे बेहतरीन अनुभव बताया। सेना प्रमुख इतने खुश हुए कि उन्होंने एयर चीफ मार्शल को अपना गुरु मानते हुए कहा कि उन्हें अफसोस है कि उन्होंने भारतीय वायुसेना को क्यों नहीं चुना। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उड़ान के बाद पत्रकारों से बताया कि यह उनका जीवन का सबसे अच्छा पल था। उन्होंने बताया कि एयर चीफ मार्शल एपी सिंह उनके साथी हैं और वे दोनों राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में एक साथ पढ़े थे। ▶10 पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $33^{0}$
न्यूनतम : $18^{0}$

## हैदराबाद में हुआ सनसनीखेज हत्याकांड

# वेलजन ग्रुप के मालिक को पोते ने मार डाला

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हैदराबाद में एक 86 वर्षीय उद्योगपति की उनके ही पोते ने चाकू से अनगिनत वार कर हत्या कर दी। पीड़ित पर चाकू से कई बार किए गए थे। यह घटना 6 फरवरी की रात को हुई जब आरोपी कीर्ति तेजा (उम्र करीब 28) ने अपने दादा वीसी जनार्दन राव पर चाकू से हमला किया। राव वेलजन समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) थे। पंजागुट्टा पुलिस ने बताया कि जब आरोपी की मां ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उसने उन्हें भी चाकू मार दिया। आरोपी की मां भी घायल हो गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर के दूसरे इलाके में रहने वाले तेजा और उसकी मां बृहस्पतिवार को सोमाजीगुडा में ▶10 पर

जनार्दन राव

70 से अधिक बार शरीर में चाकू घोंपा

## रेवंत सरकार पर भड़के केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार

# पिछड़ा वर्ग में मुस्लिमों को शामिल करना अन्यायपूर्ण

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण में मुस्लिम वर्ग को पिछड़े वर्गों के साथ पिछड़ा वर्ग श्रेणी में शामिल करने पर केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने आपत्ति जाहिर की है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आरोप लगाया कि इस कदम से पिछड़े वर्गों के साथ अन्याय होगा। बंडी संजय कुमार ने शनिवार को तेलंगाना में एमएलसी चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में हैदराबाद के करीमनगर में एक रोड शो में हिस्सा लिया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि पूर्व में वाईएस राजशेखर रेड्डी की कांग्रेस सरकार ने भी अविभाजित आंध्र प्रदेश में पिछड़े मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग श्रेणी में चार प्रतिशत आरक्षण दिया था।

पिछड़ा वर्ग की कई जातियों के प्रतिनिधियों ने भी तेलंगाना सरकार के इस कदम की आलोचना की है। भाजपा नेता ने दावा किया कि पूर्व में तेलंगाना की बीआरएस सरकार में राज्य में पिछड़ वर्ग की कुल आबादी राज्य की कुल जनसंख्या की 51 फीसदी थी, ▶10 पर

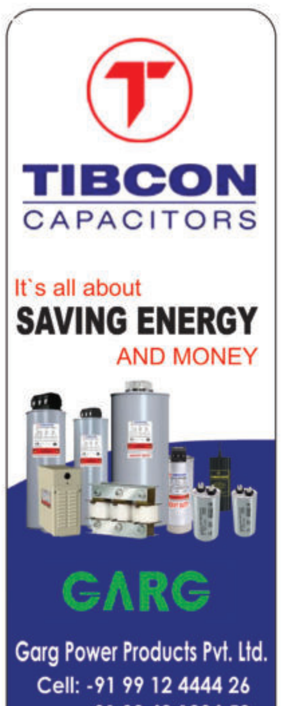

# नेपाल : धर्मपरिवर्तन के लिए ईसाई धर्म का प्रचार करने के आरोप में गिरफ्तार 17 अमेरिकी नागरिक डिपोर्ट किए गए

**काठमांडू, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

धर्म परिवर्तन के लिए ईसाई धर्म का प्रचार करने के आरोप में शुक्रवार को धरान से गिरफ्तार किए गए 17 अमेरिकी नागरिकों को नेपाल से डिपोर्ट कर दिया गया है। अध्यागमन विभाग द्वारा इन सभी का वीजा रद्द करने के बाद शनिवार देर रात इन सभी को विमान में बिठाकर वापस अमेरिका भेज दिया गया।

नेपाल के पूर्वी क्षेत्र धरान उप महानगरपालिका में एक चर्च बनाने के लिए श्रमदान करने और उसकी आड़ में ईसाई धर्म के प्रचार के आरोप में 17 अमेरिकी और 1 भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया था। इन पर टूरिस्ट वीजा पर नेपाल आकर धर्म प्रचार करने के आरोप था। धरान में गिरफ्त सभी अमेरिकी नागरिकों को काठमांडू के अध्यागमन विभाग के हवाले कर दिया गया था।

अध्यागमन विभाग के प्रवक्ता धर्मराज जोशी ने बताया कि जांच में वीजा नियमों के उल्लंघन का आरोप साबित होने के बाद गिरफ्तार अमेरिकी नागरिकों का वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। सभी को विमानस्थल पहुंचा कर उन्हें कतर एयरवेज से अमेरिका डिपोर्ट कर दिया गया।

प्रवक्ता जोशी ने बताया कि नेपाल के संविधान की धारा 26 के उपधारा 3 में ही धर्म परिवर्तन के लिए प्रचार करने को गैर कानूनी माना गया है। टूरिस्ट वीजा पर आए इन अमेरिकी नागरिकों को चर्च का भवन बनाने के लिए श्रमदान करने और उसकी आड़ में धर्म परिवर्तन के लिए घूम-घूम कर प्रचार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

इन अमेरिकी नागरिकों में रायन मैथ्यू कार्टर, सिलास डैनियल फॉक्स, रसेल थॉमस हॉवेल्स, रोज़ ब्रायन हॉवेल्स, मार्क एलन मैथ्यू, ब्रायन केनेडी, प्याट्रिक इरविन समर्स, डुआन माइकल गोडलिड, बैनमिन वार्ड कौफ मैन, ब्रायन वार्ड कौफ, डिलन जैक्सन बोन्जो, कैथलिन सु मूर, डासन एन्ड्रु कार्टर, जेम्स नाथन अस्टिन, विलियम रेमन्ड बीवीयानो जूनियर, केनेथ डेविड ग्रे और जेम्स रे मर्फी थर्ड शामिल हैं। इनके साथ गिरफ्तार भारतीय नागरिक पश्चिम बंगाल सिलीगुड़ी निवासी पास्टर वसंत लामा को लेकर अब तक कोई जानकारी नहीं दी गई है।

## न्यूज ब्रीफ

### प्लेन क्रैश कैसे हुआ पता नहीं चला पर दस शव बर्फ में दबे जरुर मिले

**अलास्का।** 'बेरिंग एयर' के विमान ने गुरुवार दोपहर को उनालाक्लीट से उड़ान भरी थी और यह नोम जा रहा था। विमान का मलबा शुक्रवार को बर्फ से ढके समुद्र में मिला था। 'बेरिंग एयर' के संचालन निदेशक डेविड ओल्सन ने बताया था कि 'सेसना कारवां' ने अपराह्न दो बजकर 37 मिनट पर उनालाक्लीट से उड़ान भरी थी और एक घंटे से भी कम समय बाद उसका संपर्क टूट गया था। 'नेशनल वेदर सर्विस' के अनुसार उस समय हल्का हिमपात हो रहा था और कोहरा छाया हुआ था, साथ ही तापमान शून्य से नीचे 8.3 डिग्री सेल्सियस था। अमेरिका के अलास्का में विमान दुर्घटना में मारे गए सभी 10 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो कर बेरिंग सागर में गिर गया था। नोम वालंटियर दमकल विभाग ने शनिवार दोपहर अपने फेसबुक पेज पर यह जानकारी दी। क्षेत्र में बर्फीली आंधी आने से पहले ही बचाव दलों ने शवों को निकालने के प्रयास शुरू कर दिए थे।अमेरिकी कोस्ट गार्ड के मुताबिक इस विमान में कुल 10 लोग ही सवार हो सकते थे। रडार के फरेंसिक डेटा से पता चला कि विमान की रफ्तार अचानक बढ़ गई थी और यह ऊपर की ओर जाने लगा था। विमान दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया।

### बांग्लादेश में ऑपरेशन डेविल हंट लॉन्च, तोड़फोड़ और लूटपाट करने वालों पर शिकंजा

**ढाका।** अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पूरी दुनिया के निशाने पर है। यूनुस सरकार पर लगे दाग धोने के लिए लिए ऑपरेशन डेविल हंट लांच किया गया है। इस ऑपरेशन के तहत घरों में तोड़फोड़ करने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा। ढाका के बाहरी इलाके में अवामी लीग के नेता के घर पर प्रदर्शनकारियों के तोड़फोड़ करने और कार्यकर्ताओं पर हमला करने वाले दोषियों का पता लगाने के लिए यह कदम उठाया गया। इससे पहले 24 घंटे का अल्टीमेटम भी दिया गया था। भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं का दावा है कि उनके कार्यकर्ता लूटपाट रोकने के लिए पूर्व मंत्री के घर गए थे, लेकिन बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने ऑपरेशन डेविल हंट का आदेश दिया। उन्होंने सेना को भी बुलाया, क्योंकि गाजीपुर में उस जगह छात्र संगठन का विरोध प्रदर्शन चल रहा था जहां शुक्रवार को उनके कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह अभियान गाजीपुर से शुरू हुआ है और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसे पूरे देश में चलाया जाएगा। इसमें कहा गया कि सेना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से सुरक्षा अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी रविवार को दी जाएगी।

### यमन : सुरक्षा बलों ने हूती विद्रोहियों के हमलों को किया नाकाम, दो की मौत

**अदन।** यमन के सरकारी बलों ने देश के तेल समृद्ध प्रांत मारिब को निशाना बनाकर किए गए हूती समूह के कई हमलों को विफल कर दिया। इसमें दो हूती विद्रोही मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी एक एजेंसी को दी। स्थानीय सैन्य अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि पिछले 48 घंटों के दौरान हूती विद्रोहियों ने तेल समृद्ध मारिब प्रांत पर हमले तेज कर दिए थे, जिसके जवाब में सरकारी बलों ने मारिब के कई युद्ध क्षेत्रों में अभियान चलाया। समाचार एजेंसी के अनुसार अधिकारी ने कहा कि सरकारी बलों ने उत्तरी मारिब में राघवान मोर्चे पर हूती आक्रमणों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। इससे हूती विद्रोहियों को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि हूतियों को तगड़ा नुकसान हुआ है। सरकारी अधिकारी ने हूती विद्रोहियों पर भारी तोपखाने, कत्यूषा रॉकेट, ड्रोन और स्नाइपर्स सहित कई हथियार प्रणालियों का उपयोग करके आक्रामक कार्रवाई जारी रखने का आरोप लगाया।

# अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स ने तोड़ी चुप्पी- राष्ट्रपति ट्रंप को सुना दी खरी-खरी

**वॉशिंगटन, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

अंतरिक्ष में कई महीनों से फंसी सुनीता विलियम्स और विल्मोर बुच का सब्र टूटता दिखाई दे रहा है। उनकी नाराजगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक पुराने बयान के बहाने उन्हे खरी खरी सुना दी है। दरअसल जब अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव चल रहा था तभी डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि बाइडन प्रशासन ने सुनीता और बुच को उनके हाल पर अंतरिक्ष में छोड़ दिया है। इस पर कई महीनों के बाद अब सुनीता ने जवाब देते हुए कहा है कि हम यहां ऐसे हालत में हैं, जहां हमारे पास स्पेस स्टेशन पूरी तरह से मानवयुक्त है और विश्व स्तर के विज्ञान पर काम कर रहे।

उन्होंने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि है कि उन्हें और विल्मोर को अंतरिक्ष में छोड़ा नहीं गया है। उन्होंने कहा, हम यहां ऐसे हालत में हैं, जहां हमारे पास स्पेस स्टेशन पूरी तरह से मानवयुक्त है और विश्व स्तर के विज्ञान पर काम कर रहे। सुनीता विलियम्स ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मुझे यहां छोड़ दिया गया है। मुझे यह भी नहीं लगता कि मैं यहां फंस गई हूं। उन्होंने इंटरव्यू में आगे कहा कि हमारे पास खाना है। हमारे पास कपड़े हैं। हमारे पास घर जाने के लिए सवारी है, ताकि अगर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कुछ बुरा हो जाए तो हम उसका सामना कर सकें। सुनीता ने कहा, हम ऐसी स्थिति में हैं, जहां हमारे पास अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पूरी तरह से मानवयुक्त है और हम करदाताओं की इच्छा के अनुसार काम कर रहे हैं, विश्व स्तरीय विज्ञान पर काम रहे हैं और इसलिए मैं यहां आकर और टीम का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। सुनीता विलियम्स और विल्मोर बुच अंतरिक्ष में कई महीनों से हैं। अब अगले महीने दोनों की वापसी के कयास लग रहे हैं। मार्च या अप्रैल में सुनीता और विल्मोर की धरती पर वापसी हो सकती है।

सुनीता और विल्मोर पिछले साल जून महीने की शुरुआत में स्पेस स्टेशन गए थे। दोनों का मिशन महज हफ्तेभर के लिए था, लेकिन स्पेसक्राफ्ट बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी दिक्कत आने की वजह से दोनों की वापसी के लिए देर होती रही। बाद में बोइंग स्टारलाइनर बिना किसी यात्री के ही धरती पर बुला लिया गया और सुनीता और विल्मोर वहीं रह गए। इसके बाद दोनों की वापसी की जिम्मेदारी एलन मस्क के स्पेसएक्स को मिली। फिर फरवरी में दोनों को वापस लाने का फैसला लिया गया, लेकिन बाद में अप्रैल तक टल गया। हालांकि, अब 19 मार्च के आसपास दोनों की पृथ्वी पर वापसी हो सकती है।

## अमेरिका ने हमास को दी चेतावनी कहा तत्काल सभी बंधकों को रिहा करें

**वॉशिंगटन।** अमेरिका ने हमास को साफ शब्दों में कह दिया है कि जितने भी बंधक हैं उन्हे तत्काल प्रभाव से रिहा किया जाए। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख को दोहराते कहा कि हमास सभी बंधकों को तुरंत रिहा कर दे। रुबियो ने एक्स पर व्हाइट हाउस की पोस्ट का जिक्र करते हुए कहा, राष्ट्रपति एकदम स्पष्ट थे। हमास को अब सभी बंधकों को रिहा करना होगा! अमेरिकी विदेश मंत्री की यह टिप्पणी बंधकों की रिहाई को लेकर काफी अहम मानी जा रही है। जानकारों का कहना है कि यूएस अब इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है। इजरायल रिहा किए गए बंधकों के बदले में 183 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। रेड क्रॉस को सौंपने से पहले हमास के लड़ाके तीनों बंधकों को सैकड़ों लोगों की भीड़ के सामने ले गए और एक-एक करके तीनों को बोलने के लिए माइक दिया गया। तीनों ने सार्वजनिक रूप से अपना बयान दिया। बंधकों को सार्वजनिक रूप से बयान दिलवाने के संबंध में इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, 'हम शनिवार को हुए चौंकाने वाले दृश्यों को स्वीकार नहीं करेंगे।' हालांकि, बयान में किसी दंडात्मक उपाय की बात नहीं की गई है। यह पहली बार है, जब युद्ध विराम के इस चरण के दौरान मुक्त किये गए बंधकों को उनकी रिहाई के दौरान सार्वजनिक रूप से बयान देने के लिए कहा गया। इजरायल और हमास के बीच 19 जनवरी को संघर्षविराम शुरू होने के बाद से यह बंधकों के बदले कैदियों की 5वीं अदला-बदली है। इससे पहले, इजरायल ने पुष्टि कर दी कि गाजा पट्टी में संघर्षविराम के तहत हमास की ओर से रिहा किए गए 3 इजरायली बंधक उनकी सेना को मिल गए हैं। अब इजरायल को भी दर्जनों फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना है। हमास ने तीनों बंधकों को शनिवार को गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिया। रिहा हुए बंधकों को मेडिकल के लिए ले जाया जाएगा और 16 महीने की कैद के बाद उनके परिवार से मिलाया जाएगा। जिन बंधकों को हमास की ओर से रिहा किया गया उनके नाम एली शरबी, ओहद बेन अमी और ओर लेवी हैं। इन सभी को 7 अक्टूबर 2023 को हमास की ओर से किए गए हमले में बंधक बना लिया गया था।

# संतोरीनी द्वीप के भूकंप से ग्रीस में आपातकाल की घोषणा

**एथेंस, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

**ग्रीस सरकार ने संतोरीनी द्वीप में लगातार आ रहे भूकंपों के कारण आपातकाल की घोषणा कर दी है। एजियन सागर के आसपास के द्वीप में भूकंपों के झटके महसूसू किए गए हैं। ये भूकंप जनवरी के आखिर में हल्के (तीव्रता 3 से कम) और ज्यादातर महसूस न किए जाने वाले झटकों के साथ शुरू हुआ था। हालांकि, फरवरी के शुरू होते ही इन भूकंपों की संख्या और तीव्रता बढ़ने लगी। 1 फरवरी से अब तक संतोरीनी, एमोर्गोस, अनाफी और आयोस द्वीपों पर 800 से अधिक भूकंप (तीव्रता 3 और उससे अधिक) दर्ज किए गए हैं। इन भूकंपों के कारण संतोरीनी द्वीप में रहने वाले 16,000 से ज्यादा लोगों और पर्यटकों ने डर से यह द्वीप छोड़ दिया है।**

हालांकि, शनिवार को झटकों की तीव्रता कुछ कम हुई, लेकिन फिर भी कम से कम 11 झटकों की तीव्रता 4 या उससे अधिक रही। यहां 6 फरवरी को 5.1 तीव्रता का सबसे बड़ा भूकंप आया था, जो एथेंस, क्रीट के अलावा 240 किलोमीटर दूर तुर्की तक महसूस किया गया।

### स्कूलों को 14 फरवरी तक बंद रखने का फैसला

इसके अलावा शनिवार को सुबह 11 बजे 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि अब तक किसी बड़े नुकसान या हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन तटीय चट्टानों से पत्थर गिरने और कमजोर इमारतों में दरारें आने की घटनाएं सामने आई हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि और भी बड़े भूकंप आ सकते हैं। ग्रीस प्रशासन ने एहतियातन संतोरीनी, एमोर्गोस, अनाफी और आयोस द्वीपों के सभी स्कूलों को 14 फरवरी तक बंद रखने का फैसला किया है। गौरतलब है कि ग्रीस में 20वीं सदी का सबसे शक्तिशाली भूकंप जुलाई 1956 में आया था, जिसकी तीव्रता 7.7 थी। एमोर्गोस के पास आए इस भूकंप में 53 लोगों की मौत हुई थी। वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि हालिया भूकंपों का संतोरीनी के ज्वालामुखी से कोई संबंध नहीं है। संतोरीनी का ज्वालामुखी 1600 ईसा पूर्व में एक विनाशकारी विस्फोट कर चुका है, जबकि इसके पास स्थित दूसरा ज्वालामुखी करीब 375 साल पहले फूटा था। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है, और प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क है।

# जो, यू आर फायर्ड, बाइडेन के बाद ट्रंप ने ब्लिंकन व सुलिवन की सुरक्षा मंजूरी रद्द की

**वॉशिंगटन, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन के बाद पूर्व विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी है। इससे पहले ट्रम्प ने जैसे को तैसा नीति अपनाते हुए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सुरक्षा मंजूरी और दैनिक खुफिया ब्रीफिंग तक पहुंच रद्द कर दी थी। अपने इन फैसलों की जानकारी देते हुए ट्रम्प ने सोशल प्लेफॉर्म ट्रूथ पर लिखा- जो यू आर फायर्ड।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने जो बाइडेन के बाद उनकी टीम के अहम सहयोगी रहे पूर्व विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की सुरक्षा मंजूरी भी रद्द कर दी है। बाइडेन की सुरक्षा मंजूरी और दैनिक खुफिया ब्रीफिंग तक उनकी पहुंच रद्द करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि चार साल पहले उनके पूर्ववर्ती ने भी उनके साथ ऐसा ही किया था। उन्होंने लिखा- बाइडेन ने 2021 में यह मिसाल कायम की, जब उन्होंने इंटेलिजेंस कम्युनिटी (आईसी) को अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति (मुझे) को राष्ट्रीय सुरक्षा के विवरण तक पहुंचने से रोकने का निर्देश दिया, जो कि पूर्व राष्ट्रपतियों को दिया जाने वाला शिष्टाचार है। ट्रम्प ने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पोस्ट में लिखा, जो बाइडेन को क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन तक पहुंच जारी रखने की कोई आवश्यकता नहीं है। जो, यू आर फायर्ड।

### चार दर्जन से ज्यादा पूर्व अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी पहले ही रद्द

उल्लेखनीय है कि ट्रम्प पहले ही चार दर्जन से ज्यादा पूर्व खुफिया अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर चुके हैं, जिन पर उन्होंने 2020 के चुनाव में बाइडेन के पक्ष में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था।

### बाइडेन ने ट्रम्प के साथ भी किया था ऐसा

साल 2021 में बाइडेन ने ट्रम्प को क्लासिफाइड इंटेलिजेंस ब्रीफिंग प्राप्त करने से रोक दिया था। यह पहली बार था जब किसी पूर्व राष्ट्रपति को ऐसी जानकारी से वंचित किया गया था, जिसे पारंपरिक रूप से शिष्टाचार के रूप में दिया जाता है। बाइडेन ने अपने कदम को जायज ठहराते हुए कहा था कि ट्रम्प पर भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि उनका व्यवहार अस्थिर है।

## अफ्रीकी देशों में हुए संघर्ष में 18 सैनिकों की मौत, युगांडा से शवों का पोस्टमार्टम और वापसी का आयोजन

**कांगो ।** डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में हुए संघर्ष के दौरान विभिन्न अफ्रीकी देशों के 18 सैनिक मारे गए हैं। यह दुखद घटना विश्व भर में आफत और दु:ख भरी भावनाएं उत्पन्न कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए सैनिकों के शवों का पोस्टमार्टम करने के लिए युगांडा भेजा गया है। विदेश राज्य मंत्री हेनरी ओकेलो ओरीम ने इस दुखद गतिविधि की सूचना एक समाचार एजेंसी को दी। ओरीम ने बताया कि मृतक सैनिक कांगो में दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय मिशन के हिस्सा थे। उनके शवों को पोस्टमार्टम करने के बाद उन्हें संबंधित देशों को वापस भेजा जाएगा। ओरीम ने इस प्रक्रिया को संबंधित देशों के साथ मिलकर संभाला जा रहा है ताकि सैनिकों को उनकी अंतिम यात्रा को सम्मानपूर्वक संपन्न किया जा सके। इस दुखद घटना के दौरान गोमा क्षेत्रीय हवाई अड्डे को हुआ नुकसान भी समाचार है। शवों को लेकर यात्रा के लिए आने वाली राह को खोलने के लिए अधिकारियों ने युगांडा तक सड़क मार्ग की व्यवस्था की है। यह दुखद समाचार अफ्रीकी महाद्वीप में आईतिहासिक दुख और आफत को दर्शाता है। हम सभी इस दुखद समय में उनके परिवारों और प्रियजनों के साथ साझा दु:ख शेयर करते हैं।

# कश्मीर में बड़े हमले की साजिश : देश की समस्याओं से ध्यान भटकाना चाहती है शहबाज सरकार

**इस्लामाबाद, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

**पाकिस्तानी मौलाना और धार्मिक गुरुओं की एक सभा में लश्कर सरगना रिजवान हनीफ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त 2019 को कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर गंभीर गलती की है। अब उन्हें लग रहा है कि कश्मीर उनका हो गया है। लेकिन अगर भारत ने कश्मीर खाली नहीं किया तो जम्मू कश्मीर में कभी भी शांति नहीं हो सकेगी वहां के लोगों को उसका अंजाम भुगतना पड़ेगा।**

आतंकवाद के इस बड़ी सरगना का यह वीडियो वायरल हो रहा है। भारतीय खुफिया एजेंसी का मानना है कि इस मुद्दे को गर्म करने के लिए इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में किसी बड़ी आतंकवादी घटना को अंजाम देने के लिए साजिश रच रहा हो। जानकारों का मानना है कि एक के बाद एक बड़े आतंकी सरगनाओ द्वारा इस तरह के दिए बयानों के बाद यदि एक घटना भी जम्मू कश्मीर में हो गई तो भारत उसका मुंह तोड़ जवाब देगा। जिसके बाद पाकिस्तान अपने देश में प्रचार कर सकेगा कि भारत पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत ज्यादा है। बताया जा रहा है कि अपने देश की समस्याओं से आम जनता का ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान सरकार एक बार फिर किसी न किसी तरह कश्मीर मुद्दे को गर्म करना चाहती है। जिससे कि पाकिस्तान की आम जनता कोई लगे भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत ज्यादा है। पाकिस्तान सरकार हर बार यह खेल इसलिए खेलती है जिससे उसके देश में चल रही है अशांति काफी हद तक रूक सके। यही कारण है कि एक के बाद एक बड़े आतंकवादी सरगना भारत के खिलाफ जमकर बयान बाजी कर रहे हैं।

उठावना
श्री परमेश्वरलाल शर्मा (पारीक)
(सुपुत्र : स्व. श्री रामचंदर जी पारीक)
जन्म : 17-03-1930 स्वर्गवास : शुक्रवार, 7-2-2025

आँखों में आँसू है, दिल में हो आप। यादों के उपवन में महकते रहोगे आप।
प्रभु के चरणों में जगह मिले आपको। भूले से भी ना हम भूला पायेंगे आपको
उठावना : आज सोमवार दि.10 फ़रवरी 2025 को
समय : दोपहर 1:00 से 1:30 तक
स्थान : मुरलीधर मंदिर हाईकोर्ट , हैदराबाद
बैठक : दोपहर 4 से 5 हमारे निवास स्थान सरस्वती सदन, कोकरवाड़ी, घांसी बाजार पर रहेगी।
शोकाकुल:
राधाकिशन (भाई) महावीर प्रसाद (भतीजा) श्याम सुन्दर, जगदीशप्रसाद, गोपाल (पुत्र)
निलेश, हेमंत, हरीश, महेश, शैलेश, आनंद, किशन, यश (पौत्र) जय, विराट (पड़पौत्र)
एवं समस्त पारीक परिवार
फर्म : परमेश्वरलाल श्यामसुन्दर (शर्मा) पारीक
सरस्वती सदन, 21-7-556, कोकरवाडी, घाँसी बाज़ार, हैदराबाद
फोन : 9885555151, 9848089098, 9000005855
GOPAL COLLECTIONS
Jagdish Complex, Serilingampally, Hyd.
Ph.040-23033289
HARISH TEXTILE
Ghansi Bazar, Hyd.
Ph.9912554545
Hala HALA MOBILITY INDIA PVT. LTD

राष्ट्र प्रथम
बटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

# दोबारा मेरे रेड हेट दौर : अवनीत

अवनीत कौर अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं जो वायरल हो रही हैं।एक्ट्रेस अवनीत कौर ने टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय कर लिया है। एक्ट्रेस अपने बेबाक अंदाज से फैंस का दिल जीत लेती हैं। उनके गॉर्जियस अवतार से लोगों का नजरें हटाना मुश्किल हो जाता है।अवनीत कौर ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया है जिसकी फोटोज वायरल हो रही हैं। मरून कलर के ऑफ शोल्डर क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग स्कर्ट पहने एक्ट्रेस बेहद स्टनिंग दिख रही हैं।इसे उन्होंने मैचिंग हाफ ब्लेजर के साथ पेयर किया है। वहीं उनकी स्कर्ट में बना गुलाब के फूलों वाला डिजाइन उनके आउटफिट को और भी खूबसूरत बना रहा है।इस ग्लैमरस ड्रेस के साथ अवनीत ने ब्लैक हील्स कैरी किए हैं। खुले बालों के साथ वे काफी हसीन लग रही हैं।अवनीत ने अपना हेयरस्टाइल कर्ली रखा और डार्क लिप्स्टिक के साथ अपने लुक को फाइनल किया।उन्होंने कभी बैठकर पोज दिए तो कभी खड़े होकर फोटोशूट कराया। फोटोज शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- दोबारा मेरे रेड हेट दौर में।अवनीत की इन तस्वीरों ने फैं स के दिलों की धड़कन तेज कर दी है। एक फैन ने कमेंट किया- सुंदरी। दूसरे ने लिखा- गॉर्जियस। इसके अलावा एक शख्स ने लिखा- इस सुपर स्माइल को किसी की नजर ना लगे।बता दें कि अवनीत कौर ने फिल्म टीकू वेड्स शेरू से बॉलीवुड डेब्यू किया था। वे फिल्म लव की अरेंज मैरिज में भी नजर आ चुकी हैं। इन दिनों अवनीत लव इन वियतनाम की शूटिंग कर रही हैं।

# फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी का पहला गीत गोरी है कलाइयां जारी, रैपर बादशाह ने दी आवाज

मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बन रही फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें पहली बार अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह की तिकड़ी नजर आएगी। यह फिल्म 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अब इससे पहले निर्माताओं ने मेरे हस्बैंड की बीवी का पहला गाना गोरी है कलाइयां जारी कर दिया है।गोरी है कलाइयां गाने को रैपर बादशाह, कनिका कपूर, शरवी यादव और आईपी सिंह ने मिलकर गाया है। इसमें अर्जुन, भूमि और रकुल साथ में डांस करते नजर आ रहे हैं। वाशु भगनानी और जैकी भगनानी इस फिल्म के निर्माता हैं।फिल्म में भूमि और रकुल के बीच नोक झोक होती हुई नजर आती है, जो वीडियो में एक-दूसरे को परेशान करती नजर आ रही हैं। अर्जुन का प्यारा अवतार लोगों को काफी पसंद है, लेकिन दो महिलाओं द्वारा उसे परेशान किए जाने के बाद भी वह बहुत मिलनसार दिखाई देते है। यह गाना बीवी नंबर 1, नो एंट्री, साजन चले ससुराल की भावना को दर्शाता है।हर्ष गुजराल इस फिल्म में अर्जुन के दोस्त का किरदार निभा रहे हैं। खास बात यह है कि यह उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म है।मेरे हसबैंड की बीवी की कहानी प्रेम त्रिकोण पर आधारित होगी।मेरे हसबैंड की बीवी इस सीजन की एक बेहतरीन कॉमेडी फिल्म है, जो आपको दिल खोलकर हंसाने के लिए तैयार है। जहां अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत और भूमि पेडनेकर दर्शकों को प्रेम चक्र की सैर कराने के लिए तैयार हैं, वहीं उनके साथ हर्ष गुजराल, शक्ति कपूर और डिनो मोरिया भी हैं।

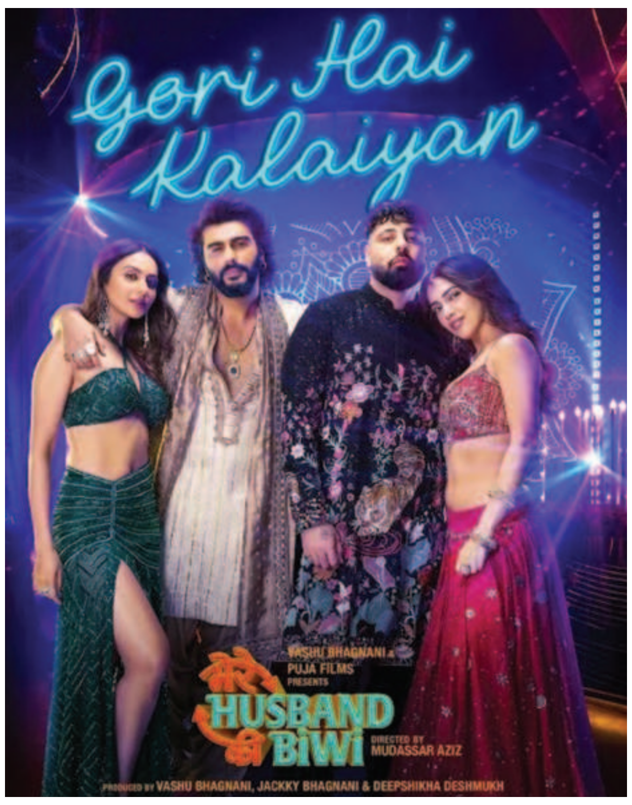


# वर्धन पुरी और कावेरी कपूर स्टारर बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का ट्रेलर आउट

दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी के पोते वर्धन पुरी और शेखर कपूर की बेटी कावेरी कपूर की अपकमिंग मूवी बॉबी और ऋषि की लव स्टोरीळ के ट्रेलर को निर्माताओं ने शनिवार को जारी कर दिया है। वर्धन और कावेरी स्टारर यह फिल्म जुनून, रोमांस के साथ खूबसूरत कहानी को पेश करती है।बॉबी और ऋषि की लव स्टोरीळ फिल्म कैम्ब्रिज की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बॉबी (कावेरी कपूर) और ऋषि (वर्धन पुरी) की खूबसूरत कहानी को दिखाती है, जिसमें कई मुश्किलें, संयोग, प्रेम और कई विचार भी हैं।फिल्म के बारे में बात करते हुए वर्धन पुरी ने कहा, मैं हमेशा से कुणाल सर की फिल्मों का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हू और हमेशा से उनके साथ काम करने की इच्छा रखता था। मुझे खुशी है कि बॉबी और ऋषि की लव स्टोरीळ में यह इच्छा पूरी हुई।उन्होंने आगे बताया, मुझे याद है कि मैंने हम तुम को इसके रिलीज के दौरान छह बार देखा था और यह फिल्म मुझे आज भी आकर्षित करती है, जो दिखाता है कि उनका निर्देशन और विजन कितना प्रासंगिक और शानदार है। मैं इस तरह की मजेदार फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को

सौभाग्यशाली मानता हूं, जिसने मुझे प्यार की ताकत के बारे में बहुत कुछ सिखाया।अभिनेता ने फिल्म में अपनी को-स्टार कावेरी के साथ काम करने पर भी बात की। उन्होंने कहा, कावेरी के साथ स्क्रीन शेयर करने का मेरा अनुभव शानदार रहा। वह अपने काम के प्रति ईमानदार हैं और उसमें अतिरिक्त प्रयास करने के लिए तैयार रहती हैं। मुझे उम्मीद है कि हमारी फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी और डिज्नी प्लस हॉटस्टार के जरिए आपके घरों तक पहुंचेगी।बॉबी और ऋषि की लव स्टोरीळ फिल्म का निर्देशन कुणाल कोहली ने किया है। कोहली मुझसे दोस्ती करोगे, हम तुम और हिचकी एंड हुकअप्स जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।कुणाल ने कहा, मैं बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी दर्शकों के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हूं। मैं हमेशा से एक ऐसी प्रेम कहानी बनाना चाहता था जो आज की पीढ़ी के साथ जुड़ सके और उनकी दुविधाओं पर रोशनी डाल सके। एक ऐसा व्यक्ति होने के नाते जो सच्चे प्यार को अपना रास्ता खोजने में विश्वास करता है, हम एक टीम के रूप में कला का एक ऐसा टुकड़ा लाने के लिए एक साथ आए हैं, जिससे दर्शक जुड़ सकेंगे।फिल्म के मुख्य कलाकारों वर्धन और कावेरी पर उन्होंने कहा, दोनों में कमाल की एनर्जी है और उन्होंने अपने अभिनय से हमारी कहानी में जान डाल दी।फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियोज के तहत ज्योति देशपांडे और प्रोडक्शन हेड क्वार्टर के मोहन नादर ने किया है।बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी 11 फरवरी को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

# विश्वकसेन और आकांक्षा शर्मा स्टारर लैला का दूसरा एकल इचुकुंडम बेबी हुआ रिलीज़

विश्वकसेन और आकांक्षा शर्मा अभिनीत लैला के निर्माताओं ने प्रतिभाशाली लियोन जेम्स द्वारा रचित अपना दूसरा सिंगल, इच्छाकुंधम बेबी रिलीज़ किया है। यह युवा और ऊर्जावान ट्रैक आधुनिक स्वभाव के साथ उत्साहित लय को पूरी तरह से जोड़ता है, जो शुरू से अंत तक एक गतिशील सुनने का अनुभव सुनिश्चित करता है। यह गीत आदित्य आरके और एमएम मानसी की जीवंत आवाज़ों से प्रेरित है, जिनकी ऊर्जावान डिलीवरी ने ट्रैक को जीवन और चंचलता से भर दिया है। अभी हाल ही में फिल्म ट्रेलर रिलीज किया गया था। पूर्णाचारी द्वारा प्रदान किए गए गीत, मुख्य जोड़ी के बीच चुलबुली और उग्र केमिस्ट्री को पकड़ते हैं, जो रोमांस में एक अंतरंग लेकिन चंचल आयाम जोड़ते हैं। गीत युवा ऊर्जा की भावना व्यक्त करता है, जिसमें पात्रों का संबंध एक संक्रामक तरीके से सामने आता है। साथ में दिए गए दृश्यों में, विश्वकसेन और आकांक्षा शर्मा के बीच की शानदार केमिस्ट्री केंद्र में है, जो गाने के भावुक वाइब को बढ़ाती है।इचुकुंधम बेबी में बेफिक्र, युवा प्रेम का सार है, इसलिए यह स्पष्ट है कि यह गीत युवा दर्शकों को पसंद आएगा, खासकर उन लोगों को जो संगीत और दृश्यों में व्याप्त उत्साहपूर्ण ऊर्जा से आकर्षित हैं। पहले सिंगल सोनू मॉडल की तरह, इचुकुंधम बेबी के भी सुपरहिट होने की उम्मीद है। राम नारायण द्वारा निर्देशित और शाइन स्क्रीन के तहत साहू गरपति द्वारा निर्मित फिल्म लैला 14 फरवरी को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार

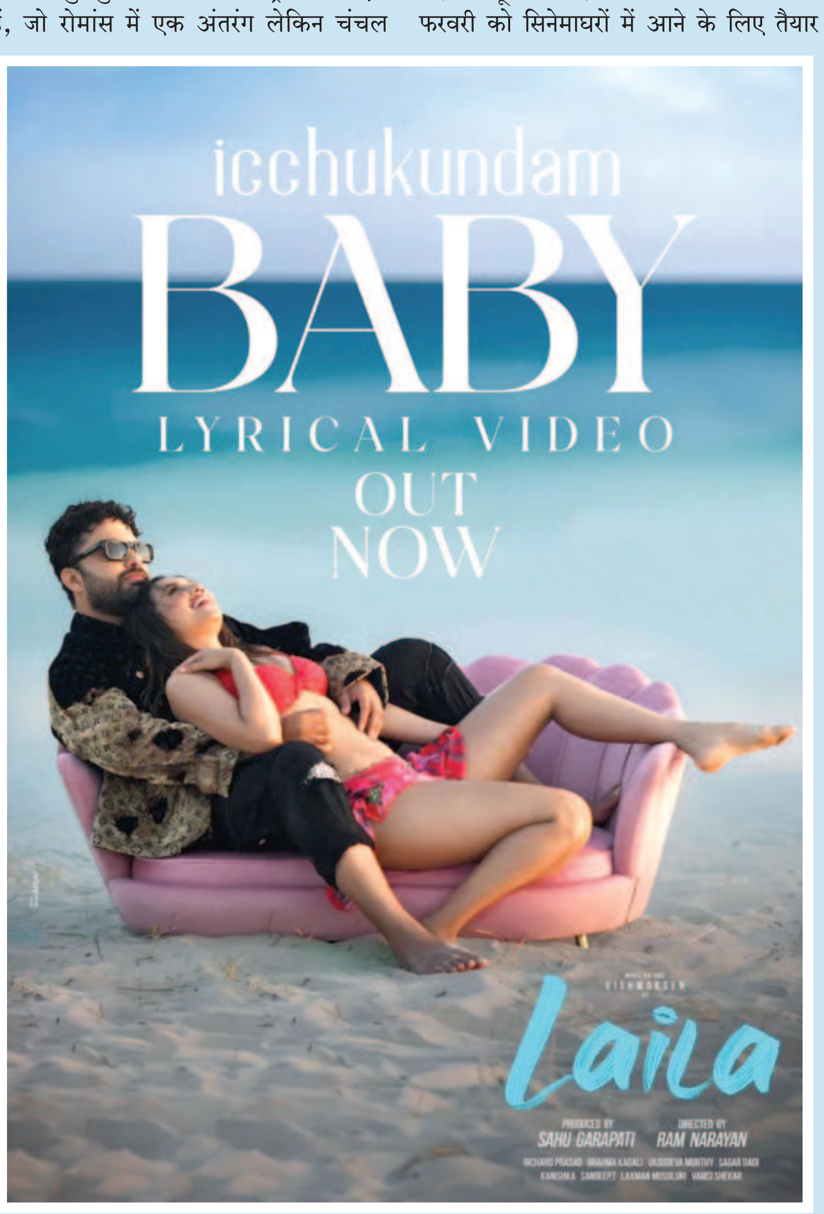


# हिमेश की बैडएस रविकुमार ने की लवयापा की हालत खराब

बीते शुक्रवार को 2 हिंदी फिल्में सिनेमाघरों में साथ रिलीज हुईं। एक जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म लवयापा और दूसरी गायक और संगीतकार हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रविकुमार।दोनों ही फिल्मों को दर्शकों व समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर कमाई करने के मामले में पहले दिन बैडएस रविकुमार आगे निकल गई है या ये कहें कि इसने टिकट खिड़की पर लवयापा को धो डाला है।सैकनिल्क के मुताबिक बैडएस रविकुमार ने पहले दिन 2.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म वीकेंड पर धमाल मचा सकती है। इस फिल्म की शुरुआत अच्छी हुई है।फिल्म का बजट 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। ऐसे में बैडएस रविकुमार ने रिलीज के पहले दिन 2 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर अपनी लागत का 10 फीसदी से ज्यादा वसूल कर लिया है और पहले दिन की कमाई के मामले में इसने लवयापा को पछाड़ दिया है।उधर लवयापा ने पहले दिन उम्मीद से काफी काम कमाई की है। इस फिल्म ने 1.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।बॉलीवुड की जगमगाती दुनिया में 2 स्टार किड्स ने इसके जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा।आमिर खान के बेटे जुनैद और बोनी कपूर-श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर।फिल्म के प्रचार में आमिर ने भी अपना खूब जोर लगाया, लेकिन 50 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म के पहले दिन के कारोबार ने निराश किया है।साल 2022 में एक छोटी सी तमिल फिल्म आई थी लव टुडे, जिसमें एक आधुनिक प्रेम कहानी दिखाई गई थी। फिल्म का लेखक ही फिल्म का हीरो था और इसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से अधिक कमाई की थी। अब उसी फिल्म को हिंदी में रीमेक किया गया है, जिसका नाम रखा गया लवयापा।फिल्म में बेशक जुनैद और

खुशी दोनों की केमिस्ट्री और उनके अभिनय की तारीफ हुई, लेकिन कमाई में यह फिल्म पीछे रह गई है।दूसरी ओर बैडएस रविकुमार की कहानी एक पुलिसवाले की है, जो कानून के दायरे से अलग होकर काम करता है। देश से जुड़े रहस्यों की रक्षा करने के लिए वो एक मिशन पर है।रवि कुमार (हिमेश) इस फिल्म का हीरो है, जो भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए और बदमाशों पर अपनी गोलियों से ही नहीं, बल्कि डायलॉग्स से भी वार करता है। प्रभु देवा, जॉनी लीवर और कीर्ति कुल्हारी जैसे कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

# मोनालिसा का अंदाज देखाकर फैंस हुए मंत्रमुग्ध

भोजपुरी से टीवी इंडस्ट्री तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिल अवतार इंटरनेट पर आते ही कहर बरपाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छाने लगता है। साथ ही फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने दो डोरी पर टिका बैकलेस गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट एंड ग्लैमरस नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।ग्रीन कलर का रिवीलिंग गाउन पहने हुए एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनकी इस हॉटनेस को देखकर लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को फॉलो करते हैं। साथ ही उनके स्टाइलिश अवतार को देखकर फैशन सेंस की चर्चा भी करते हैं।

# 12 को शनि की राशि कुंभ में प्रवेश करेंगे सूर्य देव

सूर्य देव ऊर्जा के स्तोत्र है। सूरज को नियमित अर्घ्य देने से सेहत और सुख की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य देव को ग्रहों का राजा माना गया है। सूर्य देव का किसी राशि में गोचर करना काफी अहम माना गया है। सूर्य का प्रभाव राशि में मौजूद अन्य ग्रह की शक्तियों को कम कर देता है। अब सूर्य देव राशि परिवर्तन करने वाले हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 12 फरवरी को रात 10:03 मिनट पर अपने पुत्र शनि की राशि कुंभ में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष में सूर्य और शनि को एक-दूसरे का शत्रु माना जाता है। जब भी ऐसे योग बनते हैं तब देश-दुनिया में अनचाहे बदलाव और दुर्घटनाएं होती हैं। तनाव, अशांति और डर का माहौल भी बनता है। जिससे ज्यादातर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कई लोग मानसिक और शारीरिक तौर से तो परेशान रहेंगे ही साथ ही सेहत संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। शनि-सूर्य का अशुभ योग बनने से राजनीतिक नजरिये से समय अनुकूल नहीं रहेगा। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है।

### सूर्य का गोचर

सूर्य एक राशि में लगभग 30 दिनों तक रहता है। फिर सूर्य दूसरी राशि में गोचर करता है। 30 दिनों के बाद 12 राशियां बदलने का मतलब है कि सूर्य का पारगमन एक कैलेंडर वर्ष में 12 बार होता है। सूर्य के गोचर का प्रभाव आपकी चंद्र राशि पर निर्भर करता है। मूल रूप से जन्म के चंद्रमा से तीसरे, छठे, दसवें और ग्यारहवें भाव में स्थित सूर्य जातक को अच्छे परिणाम देता है।

लेकिन अन्य भावों में सूर्य जातक को प्रतिकूल परिणाम दे सकता है। सूर्य अधिकार, शक्ति, पिता और सम्मान का ग्रह होने के कारण करियर और वैवाहिक जीवन पर एक अलग प्रभाव डालता है जहां जातक को करीबी लोगों के साथ बातचीत करनी होती है। सूर्य का सकारात्मक गोचर सभी रिश्तों और कार्यस्थलों में दूसरों पर बढ़त हासिल करने में असाधारण परिणाम दे सकता है। उसी प्रकार सूर्य का प्रतिकूल गोचर जातक को कमजोर और दूसरों के दबाव के आगे झुक सकता है।

### खाद्य वस्तुओं और वस्त्रों का करें दान

कुंभ संक्रांति के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए। जल्दी उठकर सूर्य देव की पूजा करते हुए उन्हें अर्घ्य देनी चाहिए। कुंभ संक्रांति के दिन आदित्य हृदय स्रोत का पाठ करना चाहिए। यह पाठ करने से जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की प्राप्ति होगी और सुख बना रहेगा। कुंभ संक्रांति के शुभ दिन सूर्य कवच, सूर्य चालीसा, सूर्य आरती, सूर्य स्तोत्र, आदित्य हृदय स्तोत्र, सूर्य मंत्र, सूर्य नामावली वादि का विधि विधान से जाप करना चाहिए। कुंभ संक्रांति के दिन दान करने से बहुत शुभ फल प्राप्त होता है। खाद्य वस्तुओं, वस्त्रों और गरीबों को दान अत्यंत ही फलदायी माना जाता है। इस दिन घी का दान सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इसके अलावा संतरा फल गरीब बच्चों में बांटने चाहिए। स्वर्ण, स्टील, पीतल, तांबे, कांसे या चांदी के छोटे कलश मंदिर में दान करना चाहिए। कुंभ संक्रांति के दिन गंगा स्नान का बहुत महत्व होता है। गंगा नदी में पवित्र स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन सुख-समृद्धि पाने के लिए मां गंगा का ध्यान करें। अगर आप कुंभ संक्रांति के अवसर पर गंगा नदी में स्नान नहीं कर सकते हैं तो आप यमुना, गोदावरी या अन्य किसी भी पवित्र नदी में स्नान कर पुण्य की प्राप्ति कर सकते हैं। अगर नदी स्नान संभव नहीं तो नदियों के मंत्र के साथ घर में ही स्नान पुण्य अर्जित किया जा सकता है।

### देश-दुनिया पर असर

ज्योतिष में सूर्य और शनि को एक-दूसरे का शत्रु माना जाता है। जब भी ऐसे योग बनते हैं तब देश-दुनिया में अनचाहे बदलाव और दुर्घटनाएं होती हैं। तनाव, अशांति और डर का माहौल भी बनता है। ज्यादातर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कई लोग मानसिक और शारीरिक तौर से तो परेशान रहेंगे ही साथ ही सेहत संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है।

शनि-सूर्य का अशुभ योग बनने से राजनीतिक नजरिये से समय अनुकूल नहीं रहेगा। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में सुधार के भी योग बनेंगे। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। रेल दुर्घटना होने की संभावना। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

### उपाय

भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें । पीपल के पेड़ मे जल चढ़ाएं और घी का दीपक लगाकर उसकी परिक्रमा करें। हनुमानजी और शनि देव के मंदिर में तेल का दीपक लगाएं। शनि देव को तिल या सरसों का तेल चढ़ाएं। जरुरतमंद लोगों को भोजन और गर्म कपड़ों का दान करें।

### सूर्य के कुंभ राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

**मेष राशि**

इस दौरान आप अपने अंदर छुपे हुए गुणों को दूसरों के सामने भी लेकर आएंगे। पेशेवर रूप से आपको अपने व्यवसाय और नौकरी के प्रति ईमानदार प्रयासों के लिए पदोन्नति मिलने की भी संभावना है।

**वृषभ राशि**

इस समय अवधि के दौरान आपको जीवन के कई क्षेत्रों में सुधार करने और चमकने का मौका हासिल होगा। इस दौरान आपको अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण अधिकार हासिल होगा।

**मिथुन राशि**

इस अवधि में आपके व्यवसाय में आप अच्छा प्रदर्शन और उससे अच्छा मुनाफा कमाने में कामयाब रहेंगे। नई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक संभालने में सक्षम रहेंगे।

**कर्क राशि**

कुछ वित्तीय परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही प्रबल आशंका है कि इस दौरान आपसे आपका कोई कीमती सामान खो जाए। किसी भी तरह की अनावश्यक चीजों से बचें।

**सिंह राशि**

आपको अपने व्यवसाय और करियर में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़े। आपका व्यवसाय उतना लाभदायक ना साबित हो जितनी आप उम्मीद कर रहे हों।

**कन्या राशि**

इस दौरान शत्रु आप से लड़ने का विचार भी नहीं करेंगे। जो जातक सरकारी नौकरी के क्षेत्र से जुड़े हैं उन्हें इस अवधि में लाभ मिलेगा।

**तुला राशि**

आपने कोई निवेश किया है तो उससे आपको शुभ परिणाम प्राप्त होगा। करियर की दृष्टि से आपके करियर में इस दौरान अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

**वृश्चिक राशि**

कुछ घरेलू समस्याएं होने की आशंका है। इस दौरान आपको भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़े।

**धनु राशि**

भाग्य किस्मत और आध्यात्मिकता के नवम भाव पर सूर्य की दृष्टि आपके भाग्य को मजबूत बनाएगी आपके करियर में वृद्धि करेगी।

**मकर राशि**

आर्थिक पक्ष बहुत ज्यादा अनुकूल नहीं रहने वाला है। आपका वाद विवाद या गलतफहमी होने की प्रबल आशंका है।

**कुंभ राशि**

सूय के इस गोचर के बाद कुंभ राशि के जातकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है। आप कोई भी बड़ा और गलत निर्णय ले सकते हैं। आने वाले समय में आपको परेशान कर सकता है।

**मीन राशि**

आर्थिक रूप से समय अनुकूल रहेगा। आपको कुछ अनियोजित खर्चों का सामना करना पड़ सकता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

# सूर्य-शनि से बनेंगे ये शक्तिशाली राजयोग गरीब व्यक्ति भी बन जाता है अमीर

### क्या होते हैं योग

दो या दो से अधिक ग्रहों के संयोग को योग कहते हैं। किसी ग्रह का किसी ग्रह या राशि से विशेष संबंध होने को भी योग कहते हैं। कुछ योग व्यक्ति को जीवन में अपार सफलता, धन, यश दिलाते हैं।

कुछ योगों से व्यक्ति को धन का अभाव या समस्याएं झेलती पड़ती हैं इन्हें दुर्योग या दरिद्र योग कहते हैं। आपकी कुंडली में अगर राजयोग के समय का सही प्रयोग ना हो तो ये निष्फल हो जाते हैं। दुर्योग का ठीक निदान किया जाए तो इसका दुष्प्रभाव कम हो जाता है।

### कौन से हैं राजयोग

सूर्य-चंद्र से बनने वाले राजयोग अनफा, सुनफा, दुरधरा, वेशी, वाशी, उभयचारी हैं। और पंच महापुरुष योग हैं- हंस, भद्र, मालव्य, रूचक, शश योग। चंद्र-बृहस्पति का योग- गजकेसरी योग और चंद्र मंगल योग- महालक्ष्मी योग।

### कौन से हैं दुर्योग या दरिद्र योग

चंद्रमा से बनने वाले योग- केमद्रुम योग, ग्रहण योग है। वहीं, सूर्य से बनने वाले योग हैं- ग्रहण योग और अपयश योग। बृहस्पति से बनने वाले योग- चांडाल योग, दरिद्र योग। शनि से बनने वाले योग- नंदी योग, दरिद्र योग वहीं, राहु-केतु से बनने वाले योग- ग्रहण योग, अंगारक योग, शाप बाधा। काल सर्प योग जो राहुकेतु से बनता है, लेकिन वास्तव में ऐसा कोई योग होता ही नहीं है।

### दुर्योगों से बचने के उपाय

घर से मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाएं या लगाएं। और माता पिता या जीवनसाथी का सम्मान करें। इसके अलावा तीन धातु का छल्ला मध्यमा उंगली में या तीन धातु का कड़ा हाथ में धारण करें। किसी भी दुर्योग के लिए गजेंद्र मोक्ष का पाठ करें।

# मन चंगा, तो कठौती में गंगा
## जानें इस कहावत की दिलचस्प कहानी

12 फरवरी 2025 को माघ पूर्णिमा पर रविदास जयंती मनाई जाएगी। रविदास जी की रचनाएं आज भी लोगों को प्रेरित करती हैं। इन्हीं में से एक है 'मन चंगा, तो कठौती में गंगा' अर्थ – मन शुद्ध है, नीयत अच्छी है तो वह कार्य गंगा के समान पवित्र है। रविदास जी की इस कहावत में कठौती की तुलना गंगा से क्यों कई गई। इसके पीछे एक बेहद दिलचस्प कहानी है।

**'मन चंगा, तो कठौती में गंगा'**

एक दिन संत रविदास अपनी झोपड़ी में बैठे प्रभु का स्मरण कर रहे थे तभी एक राहगीर ब्राह्मण उनके पास अपना जूता ठीक कराने आया। रविदास ने पूछा कहां जा रहे हैं, ब्राह्मण बोला गंगा स्नान करने जा रहा हूं।

जूता ठीक करने के बाद ब्राह्मण ने रविदास जी को मुद्रा दी लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। कहा कि यह मुद्रा मेरी तरफ से मां गंगा को चढ़ा देना ब्राह्मण जब गंगा पहुंचा और गंगा स्नान के बाद जैसे ही ब्राह्मण ने कहा- हे गंगे रविदास की मुद्रा स्वीकार करो, तभी गंगा जी से एक हाथ आया और उस मुद्रा को लेकर बदले में ब्राह्मण को एक सोने का कंगन दे दिया।

ब्राह्मण जब गंगा का दिया कंगन लेकर वापस लौट रहा था, तब उन्हें विचार आया कि रैदास को कैसे पता चलेगा कि गंगा ने बदले में कंगन दिया है, मैं इस कंगन को राजा को दे देता हूं, जिसके बदले मुझे उपहार मिलेंगे। उसने राजा को कंगन दिया, बदले में उपहार लेकर घर चला गया।जब राजा ने वो कंगन रानी को दिया तो रानी खुश हो गई और बोली मुझे ऐसा ही एक और कंगन दूसरे हाथ के लिए चाहिए।

राजा ने ब्राह्मण को बुलाकर कहा वैसा ही कंगन एक और चाहिए, अन्यथा तुम्हें दंड मिलेगा। ब्राह्मण संकट में आ गया, सोचना लगा किदूसरा कंगन कहां से लाऊं? डरा हुआ ब्राह्मण संत रविदास के पास पहुंचा और सारी बात बताई। रविदास जी बोले कि तुमने मुझे बिना बताए राजा को कंगन भेंट कर दिया, इससे परेशान न हो।

तुम्हारे प्राण बचाने के लिए मैं गंगा से दूसरे कंगन के लिए प्रार्थना करता हूं। ऐसा कहते ही रैदासजी ने अपनी वह कठौती उठाई, जिसमें वो चमड़ा गलाते थे, उसमें पानी भरा था। रविदास जी ने मां गंगा का आह्वान कर अपनी कठौती से जल छिड़का, जल छिड़कते ही कठौती में एक वैसा ही कंगन प्रकट हो गया।

रविदास जी ने वो कंगन ब्राह्मण को दे दिया। ब्राह्मण खुश हो गया और कंगन राजा को भेंट कर दिया। तभी से यह कहावत प्रचलित हुई कि 'मन चंगा, तो कठौती में गंगा'। इसका एक अर्थ ये भी है कि नीयत साफ होगी तो स्वंय ईश्वर भी आपकी मदद के लिए आपके दर पर आ जाएंगे।

# क्यों रखते हैं साधु-संत लंबी जटाएं? वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

हर बीतते दिन के साथ महाकुंभ की रौनक बढ़ती जा रही है। इस महापर्व में दुनियाभर से लोग शामिल होने के लिए जा रहे हैं और प्रयागराज की धरती ढोल, नगाड़ों और शंखनाद से गूंज रही है। दुनिया के इस सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में साधु-संतों की टोली लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है, जिन्हें देखने के बाद हर किसी के मन में उनकी जीवन शैली के बारे में जानने की इच्छा होती है। उन्हीं में से एक उनकी जटाएं भी हैं, तो आइए जानते हैं कि साधु-संत लंबे बाल क्यों रखते हैं।

### साधु-संत लंबे केश क्यों रखते हैं?

ऐसा कहा जाता है कि साधुओं के लंबे केश केवल बाल नहीं बल्कि भगवान शिव की साधना का प्रतीक हैं, जिसे वे कभी भी नहीं काटते हैं। इन विशाल जटाओं की लंबाई उनके शरीर से भी ज्यादा होती है। ये केश नहीं बल्कि शिव की साधना है, जो संतों के संकल्प, उनके हठ को भी दिखाती है।

वहीं, हिंदू धर्म में लंबे बालों को आध्यात्मिक ऊर्जा और तपस्या का प्रतीक माना गया है। भगवान शिव की तरह साधु भी अपने बालों को जटाओं में रखते हैं। जो उनकी तपस्या और त्याग को भी दशार्ता (दिखाता) है।

### लंबी जटाओं का महत्व

इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि संन्यासी तपस्या में हमेशा लीन होते हैं, जिसकी वजह से वे सांसारिक चीजों का त्याग कर देते हैं। और लंबे बाल रखने का रहस्य उनके ध्यान, तपस्या, और आध्यात्मिकता में गहराई से जुड़ा हुआ है। यह उनकी पहचान और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। साथ ही साधु प्राकृतिक जीवन जीने में विश्वास रखते हैं, इसलिए वे अपने बालों को बिना काटे छोड़ देते हैं। जानकारी के लिए बता दें, ऐसे संत भी हैं जिन्होंने अपनी जटाओं में सालों से साबुन या शैंपू तक नहीं लगाया। बल्कि इनकी सफाई वे भभूत से करते हैं।

# अघोरी साधु श्मशान में क्यों करते हैं शव साधना?

सनातन धर्म में अघोरी साधु का विशेष महत्व है। अघोरी भगवान शिव के साधक होते हैं। इस बात का उल्लेख श्वेताश्वतरोपनिषद में किया गया है। इनका जीवन आम व्यक्ति के जीवन से बेहद अलग होता है। अघोरी साधु बाबा भैरवनाथ को अपना आराध्य मानते हैं। अघोरी साधु अपने जीवनकाल के दौरान तंत्र साधना भी अधिक करते हैं। अघोरी साधु को बनने के लिए कई कठिन प्रक्रिया का सामना करना पड़ता है, जिसके बाद एक पूर्ण अघोरी साधु बनता है।

अगर कोई साधु परीक्षा में सफलता हासिल नहीं कर पता है, तो वह अघोरी साधु बनने से रह जाता है। इसी वजह से अघोरी साधु बनने की प्रक्रिया को कठिन माना जाता है। अघोरी साधु श्मशान शव साधना करते हैं।

क्या आप जानते हैं कि आखिर किस वजह से श्मशान में बैठकर शव साधना की जाती है? अगर नहीं पता, तो ऐसे में चलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि इसकी वजह के बारे में। कुछ लोगों का कहना है कि श्मशान में अघोरी साधु काला जादू करते हैं, लेकिन इस बात को सच नहीं कहा जा सकता।

अघोरी साधुओं के द्वारा श्मशान में साधना करना अघोरी साधुओं के जीवन का एक हिस्सा है। ऐसा बताया जाता है कि श्मशान भूमि में साधान के दौरान अघोरी साधु अधजले शव का सेवन करते हैं, जिसे साधना का एक हिस्सा माना जाता है। अघोरी साधु शव साधना के दौरान मुर्दे को मांस और मदिरा अर्पित करते हैं। साथ ही शव साधना को बेहद गुप्त तरीके से की जाती है। अघोरी साधु शव साधना इस वजह से करते हैं, क्योंकि अघोरी साधु मृत्यु के अटल सत्य को नमन करते हैं।

### श्मशान में करते हैं अघोरी साधु वास

अघोरी साधु सिर्फ वो ही बन सकता है, जो जीवन में मोह-माया का त्याग कर सके। अघोरी साधु श्मशान भूमि में रहना बेहद पसंद करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि श्मशान में की गई साधना का शुभ फल जीवन में जल्द ही प्राप्त होता है। एक खास बात बता दें कि अघोरी पंथ उसी साधु को अपनाता है, जिसे मोह-माया का लालच और मृत्यु का डर नहीं होता।

संपादकीय

# राहतभरा कदम

कुछ ही समय पहले संसद में पेश सालाना बजट में सरकार ने आयकर को लेकर राहत की घोषणा की थी। अब एक हफ्ते बाद रिजर्व बैंक ने रेपो रेट कम करके आम आदमी को राहत देने की एक और कोशिश की है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की घोषणा की है। इस तरह अब रेपो रेट 6.5 प्रतिशत से घटकर 6.25 रह गया है। सही मायनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ने आखिरकार बहुप्रतीक्षित दर में कमी की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह पिछले पांच वर्षों में कटौती की दिशा में उठाया गया पहला कदम है। जो आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति को संतुलित करने की दिशा में केंद्रीय बैंक के दृष्टिकोण में आए बदलाव का संकेत भी देता है। निश्चित रूप से यह निर्णय ऐसे समय में सामने आया है जब देश की आर्थिक गति धीमी नजर आ रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। निश्चय ही यह वर्ष 2023-24 में हासिल की गई 8.2 प्रतिशत दर से काफी कम है। अब तक केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के मकसद से रेपो दर में कटौती से बचता रहा है। दरअसल, राजनीतिक नफा-नुकसान की दृष्टि से महंगाई का मुद्दा बेहद संवेदनशील होता है। विपक्ष महंगाई बढ़ने को सतारूढ़ दल की विफलता के रूप में दर्शाने की ताक में रहता है। हालांकि, अभी भी मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक के चार फीसदी के लक्षित मानक स्तर से ऊपर बनी हुई है। लेकिन धीमी पड़ती विकास दर की चुनौती को देखते हुए विकास व मुद्रास्फीति में संतुलन बनाने की कवायद की गई है। हालांकि, आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपनी पहली नीतिगत समीक्षा में लंबे समय तक दर कटौती चक्र की अटकलों को खारिज किया है। बहरहाल, देश के उद्योग जगत की हस्तियों ने रेपो दर में कटौती का स्वागत किया है। इसके बावजूद ऋण लेने की लागत पर इसके प्रभाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। हालांकि, कुछ आर्थिक मामलों के जानकार मानते हैं कि रेपो दर में कटौती बेहद कम है और इसका लाभ देर से मिलेगा। इसकी मूल वजह यह भी है कि बैंक, पहले से ही नकदी तरलता की कमी का सामना कर रहे हैं। संभव है कि बैंक लोन लेने वालों को तुरंत लाभ न दें। वैसे रेपो दर में कटौती के बाद उपभोक्ताओं के ऋण की ईएमआई कम होने की उम्मीद तो जगी है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति से परे वित्तीय लेनदेन में साइबर सुरक्षा बढ़ाने के उपाय भी किए हैं। जिसमें बैंकों व गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के लिये अलग डोमेन की जरूरत को महसूस किया गया है। दरअसल, इसका मकसद डिजिटल धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और ऑनलाइन बैंकिंग में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाना है। निश्चित ही लगातार बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए यह अतिरिक्त सुरक्षा उपाय स्वागत योग्य ही है। इसके अलावा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक अप्रैल से लागू होने वाले प्रस्तावित कड़े बैंकिंग मानदंडों को स्थगित करने की बात कही है। जो उनके पूर्ववर्ती की तुलना में अधिक लचीले नियामक रुख का संकेत भी है। निश्चय ही यह कदम बैंकों के ऋण प्रवाह को बाधित किए बिना तरलता और पूंजी आवश्यकताओं के अनुकूलन के लिये अधिक समय प्रदान करता है। आज पूरी दुनिया आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। जिसके मूल में अस्थिर ऊर्जा कीमतें और ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका की आक्रामक मौद्रिक नीतियां हैं, जो नये जोखिम पैदा करती हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की घोषणा की है। इस तरह अब रेपो रेट 6.5 प्रतिशत से घटकर 6.25 रह गया है। सही मायनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ने आखिरकार बहुप्रतीक्षित दर में कमी की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह पिछले पांच वर्षों में कटौती की दिशा में उठाया गया पहला कदम है। जो आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति को संतुलित करने की दिशा में केंद्रीय बैंक के दृष्टिकोण में आए बदलाव का संकेत भी देता है। निश्चित रूप से यह निर्णय ऐसे समय में सामने आया है जब देश की आर्थिक गति धीमी नजर आ रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। निश्चय ही यह वर्ष 2023-24 में हासिल की गई 8.2 प्रतिशत दर से काफी कम है। अब तक केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के मकसद से रेपो दर में कटौती से बचता रहा है।

## हिंदू राज्य पर आक्रमण किया तो वहां उसने बड़े-बड़े नरसंहार उत्सव के रूप में किये

# हर बुजदिल हिंदू मुसलमान है : कहना कितना सही ?

डॉ राकेश कुमार आर्य

हिंदू युवा को मुसलमानों या इस्लामिक आतंकवाद पर या मुस्लिम फंडामेंटलिज्म पर बोलना होता है तो यह बात सुनने को अक्सर मिलती है कि जो आज मुसलमान हैं ,वह कभी हिंदू थे। परंतु उनके पूर्वज कायर थे, जिन्होंने सनातन को छोड़ दिया और इस्लाम स्वीकार कर लिया। वे मुस्लिम अत्याचारों को सहन नहीं कर पाए, जबकि हमारे पूर्वज बहुत ही शूरवीर थे, जिन्होंने मुस्लिम अत्याचारों को सहन करने के उपरांत भी सनातन को नहीं छोड़ा।

सामान्यतया जब भी किसी हिंदू युवा को मुसलमानों या इस्लामिक आतंकवाद पर या मुस्लिम फंडामेंटलिज्म पर बोलना होता है तो यह बात सुनने को अक्सर मिलती है कि जो आज मुसलमान हैं ,वह कभी हिंदू थे। परंतु उनके पूर्वज कायर थे, जिन्होंने सनातन को छोड़ दिया और इस्लाम स्वीकार कर लिया। वे मुस्लिम अत्याचारों को सहन नहीं कर पाए, जबकि हमारे पूर्वज बहुत ही शूरवीर थे, जिन्होंने मुस्लिम अत्याचारों को सहन करने के उपरांत भी सनातन को नहीं छोड़ा। हमारा मानना है कि इस प्रकार की बातें तात्कालिक आधार पर ताली बजवाने के लिए उचित कहीं जा सकती हैं, कई बार तर्क का सामना करने के लिए अथवा दूसरे को शांत करने के दृष्टिकोण से भी ऐसा बोला जा सकता है। यद्यपि इतिहास के तथ्य कुछ और कहते हैं। जिन लोगों को इतिहास बोध नहीं है, उनके मुंह से ऐसी बातें सुनना अच्छा लग सकता है, परंतु जिनको इतिहास बोध है, वे ऐसा नहीं कह सकते। इतिहास के अध्ययन से हमको पता चलता है कि जिन लोगों ने इस्लाम को स्वीकार किया, उन्हें इस्लाम स्वीकार करने से पहले कितने ही प्रकार के अत्याचारों से गुजरना पड़ा था। 95% मामले ऐसे थे, जिनमें इस्लाम स्वीकार करने के अतिरिक्त उनके सामने अन्य कोई विकल्प नहीं रह गया था। कुछ लोगों के सामने इस्लाम स्वीकार करना तात्कालिक बाध्यता बन गई थी। एक समय ऐसा था जब तात्कालिक बाध्यता के आधार पर इस्लाम को स्वीकार करने वाले लोगों को हमारे समाज के लोग सहजता से 'घर वापसी' करवाकर उन्हें अपना लेते थे। यद्यपि इस्लाम स्वीकार करने के उपरांत भी अनेक लोगों ने 'घर वापसी' की। हम सभी जानते हैं कि जब भी कोई मुस्लिम आक्रांता यहां आया या यहां आने पर उसने अपना राज्य स्थापित करने के पश्चात किसी अन्य हिंदू राज्य पर आक्रमण किया तो वहां उसने बड़े-बड़े नरसंहार उत्सव के रूप में किये। 'शांतिदूतों' के उत्पात के कारण बार-बार हिंदुओं को बड़ी-बड़ी विपत्तियों का सामना करना पड़ा। लोगों ने अपनी प्राणरक्षा और धर्म रक्षा के लिए घर बार छोड़कर भागना स्वीकार किया, मरना स्वीकार किया, परंतु इस्लाम स्वीकार नहीं किया। हिंदू जनसंख्या का विस्थापन होना उस समय एक साधारण सी बात हो गई थी। मुस्लिम अत्याचारों से बचने के लिए बड़ी संख्या में एक क्षेत्र के लोग दूसरे प्रांत की ओर पलायन कर जाते थे। कभी उत्तर प्रदेश ,मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग राजस्थान

की ओर भागे तो कभी राजस्थान के लोग उत्तर प्रदेश, हरियाणा ,पंजाब या दूसरे प्रान्तों की ओर भागे। उनकी परिस्थितियों में अपने आप को खड़ा करके देखने की आवश्यकता है कि जब चारों ओर डकैतों, बलात्कारियों , अपराधियों, अत्याचारियों के झुण्ड के झुण्ड गिद्धों के रूप में घूम रहे थे और भारत की निरपराध और निशस्त्र जनता को ( जिसने अबसे पहले ऐसे अत्याचारियों को देखा ही नहीं था ) उनका सामना करना पड़ रहा था । तब वह कैसी विकट परिस्थितियों से गुजर रहे थे और किस प्रकार अपने धर्म की रक्षा कर रहे होंगे ? इस पर विचार करने की आवश्यकता है । उन्हें केवल कायर कह देने से काम नहीं चलेगा। उनकी परिस्थितियों को भी समझना और समझाना पड़ेगा। इन परिस्थितियों में उन लोगों के घर बार ही नहीं उजड़े, उनका अपना प्रदेश भी उनसे छिन गया। कितने ही हिंदू परिवार ऐसे रहे , जिनके मूल गांव उनसे सदा- सदा के लिए छिन गए। इसकी थोड़ी-थोड़ी सी झलक आपको वर्तमान में कश्मीर से पलायन कर देश के अन्य क्षेत्रों में रहने वाले कश्मीरी पंडितों की स्थिति को देखकर मिल सकती है। क्या इन कश्मीरी विस्थापितों को केवल कायर मान लिया जाए ? परिस्थिति के दूसरे पक्ष पर विचार करने से पता चलता है कि ये लोग कायर नहीं हैं ,ये धर्म रक्षक लोग हैं। जिन्होंने सनातन को बचाने के लिए अपने आप को उजाड़ दिया। विश्व के दूसरे देशों का इतिहास उठाकर देखिए। लोगों ने अपने आप को बचाने के लिए अपना धर्म छोड़ दिया, सांस्कृतिक परंपराएं छोड़ दीं। उन लोगों को प्राण प्यारे थे, धर्म- संस्कृति और परंपराओं से उन्हें कोई अधिक मोह नहीं था। इसके विपरीत भारत के लोगों ने धर्म – संस्कृति और अपनी परंपराओं को बचाए रखने के लिए अनेक प्रकार के कष्ट सहन किये। जितने भर भी आज के पिछड़े, दलित , शोषित लोग दिखाई देते हैं, इन सबके इतिहास को उठाकर देखिए। ये किसी काल विशेष में किसी न किसी रियासत के राजाओं के वंशज हैं। जिन पर जब मुसलमानों का दबाव पड़ा तो ये लोग किसी क्षेत्र विशेष से पलायन कर अन्यत्र विस्थापन कर गए । सैकड़ों वर्षों तक घने जंगलों के बीच रहकर छापामार युद्ध के माध्यम से विदेशियों को लूटना और उन्हें भगाने के लिए स्वतंत्रता आंदोलन जारी रखना , उनकी परंपरा और स्वभाव में सम्मिलित हो गया। कितने दुख की बात है कि आज हम इन लोगों को हेय दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके इतिहास को नहीं देखते। उनके संघर्ष को नहीं देखते। इनके भारत प्रेम को नहीं देखते। इनके सनातन प्रेम को नहीं देखते। इन्होंने अपनी पीढ़ियां भारत की उन्नति के लिए खपा दीं । भारत को बचाने के लिए खपा दीं और हमने इनको क्या पुरस्कार दिया ? दलित, शोषित , पिछड़े आदि कहकर इनकी अवमानना के अतिरिक्त। हम उन लोगों को भी वीर मानते हैं जिन्होंने निःशस्त्र होकर अपने धर्म की रक्षा की। दिनकर जी की " संस्कृति के चार अध्याय " नामक पुस्तक का अध्ययन कीजिए। पृष्ठ संख्या २ ९ पर विद्वान लेखक हमको बताते हैं कि मुस्लिम काल में हिंदुओं को अस्त्र-शस्त्र लेकर घुड़सवारी करने की आज्ञा नहीं थी । किसी भी मुसलमान के आगमन पर उन्हें अपने घोड़े तक पर चढ़ने की अनुमति नहीं थी। अपने घरों में किसी की मृत्यु हो जाने के उपरांत महिलाओं को रोने की भी अनुमति नहीं थी। ऐसी परिस्थितियों में भी धर्म की रक्षा करना धर्म के प्रति समर्पित समाज के वीर लोगों के द्वारा ही संभव है। ऐसी विषम परिस्थितियों में रहकर हमारे पूर्वजों ने किस प्रकार अपना समय व्यतीत किया होगा ? थोड़ा इस पर भी विचार करना चाहिए। ऐसे अपने वीर पूर्वजों को कायर कह देना, मूर्खता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। अस्त्र शस्त्र विहीनकर जन समुदाय को मारना या उन्हें गुलाम बनाना या उनसे बेगार लेना या उन पर अमानवीय अत्याचार करना उन लोगों की कायरता है, जिन्होंने ऐसे अत्याचार पूर्ण कार्य किये। अतः दंड उनको देना चाहिए जिन्होंने दंड का कार्य किया है। दंड सहन करने वाले को या निरपराध को दंडित करना न्यायाधीश की मूर्खता के अतिरिक्त अन्य कुछ भी नहीं। अपराधी को छोड़ने और निरपराध को फांसी चढ़ाना किसी भी न्यायाधीश को शोभा नहीं देता।

दृष्टि कोण

# आसन्न चुनौतियों के अनुरूप हो वित्तीय संबल

इस 'अदृश्यता' के बावजूद, इस राशि को विभिन्न अन्य पैमानों के संदर्भ में देखे जाने की जरूरत है और कुल मिलाकर निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय सशस्त्र बलों की युद्धक क्षमता को मौजूदा जरूरतों के अनुरूप सुनिश्चित बनाने के लिए जितना धन चाहिए, यह आवंटन उससे कम है। वैश्विक स्तर पर, 2024 में, अमेरिका का सैन्य खर्च 916 बिलियन डॉलर था और 296 बिलियन डॉलर के साथ चीन दूसरे स्थान पर था। यहां यह याद रखना ज़रूरी है कि 2018 में रक्षा संबंधी स्थायी समिति (एससीओडी) ने रक्षा मंत्रालय के लिए आवंटन का मापदंड जीडीपी का 3 प्रतिशत रखने की सिफारिश की थी ताकि सशस्त्र बलों की उपयुक्त स्तर की तैयारी सुनिश्चित करने वाले राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र को निरंतर खाद-पानी और पोषण मिलता रहे। हालांकि, यह तीन प्रतिशत आवंटन एक मायावी आंकड़ा बना हुआ है और पिछले चार वर्षों में यानी 2020-21 से मौजूदा वित्तीय वर्ष तक– इस मद में गिरावट आई है। 2020-21 के लिए रक्षा आवंटन जीडीपी का 2.4 प्रतिशत था, जो 2025-26 के लिए घटाकर 1.91 फीसदी कर दिया गया है। पिछले कुछ सालों में इस अंतर की तरफ ध्यानाकर्षण तो बना है, लेकिन यह स्पष्ट है कि टीम मोदी द्वारा यह राजनीतिक निर्णय लिया गया है कि क्षेत्रीय भू-राजनीतिक माहौल और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां जटिल और चुनौतीपूर्ण बनी रहने के बावजूद रक्षा आवंटन कम रहेगा। वर्ष 2018 में, एससीओडी ने यह सिफारिश भी की थी कि थल सेना के मामले में– जो कि फौज की प्रमुख शाखा है और मूलतः मानव बल आधारित है– उसमें उपकरणों/साजो-सामान का मिश्रण आदर्शक रूप से ऐसा हो कि 30 प्रतिशत धन नए उपकरणों के लिए, 40 प्रतिशत मौजूदा साजो-सामान के वास्ते और 30 प्रतिशत पुरानी पीढ़ी के शस्त्रागार पर लगाया जाए। लेकिन हकीकत गंभीर है। मार्च 2023 में, सेना ने एक स्पष्ट खुलासे में, स्थायी समिति को अवगत कराया कि सेना के केवल 15 प्रतिशत उपकरणों को ही नए उपकरण श्रेणी में रखा जा सकता है, जबकि लगभग 45 प्रतिशत अस्त्र-शस्त्र-उपकरण पुराने पड़ चुके हैं। सेना के प्रतिनिधि ने संसदीय समिति को यह भी बताया कि '30:40:30' वाली आदर्शक स्थिति पाने को हमें कुछ वक्त लगेगा'। अपर्याप्त राजकोषीय आवंटन और रणनीतिक योजना की विसंगति के कारण पिछले एक दशक में भारतीय सेना की समग्र लड़ाकू क्षमता घटती चलती गई है। 'आत्मनिर्भरता' पाने का शोर मचाने पर ज्यादा जोर देने से इसमें और जटिलता आई है। भारत द्वारा रक्षा मामले में आत्मनिर्भरता की कोशिशें वैश्विक लिहाज से वास्तव में जरूरी हैं, लेकिन युद्धक क्षमता बनाम स्वदेशीकरण एवं आत्मनिर्भरता के मामले में हकीकत उत्साहजनक नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के रक्षा और सैन्य क्षेत्र में सुधार के सराहनीय संकल्प के साथ पदभार संभाला था और 'आत्मनिर्भरता' बनाने को एक मुख्य मिशन के रूप में चिह्नित किया था। लेकिन एक दशक बाद भी, समग्र दृश्यावली मिश्रित और अपारदर्शी है। एक व्यापक समीक्षा बताती है कि भले ही इस उद्देश्य की प्राप्ति में कुछ सफलता गाथाएं हैं और कुछ बड़ी परियोजनाएं पूरी होने की प्रक्रिया में हैं, लेकिन भारतीय सेना में महत्वपूर्ण साजो-सामान की कमी बनी हुई है। इससे हो यह रहा है कि आज हमारी थल सेना तोपों, टैंकों और व्यक्तिगत हथियारों की कमी झेल रही है। एक नौसेना है, जो विमान वाहक जहाज से संलग्न लड़ाकू विमान और पानी के नीचे उपयुक्त युद्धक क्षमता पाने की प्रतीक्षा कर रही है, एक वायु सेना है जो लड़ाकू विमानों की बेहद कमी से जूझ रही है और एक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन है, जो अपने किए गए वादे तयशुदा समय-सीमा में पूरे करने में असमर्थ है। लड़ाकू क्षमता और स्वदेशीकरण के दोहरे उद्देश्यों को साकार करने के वास्ते, रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय एक महत्वपूर्ण संकेतक है।

कुछ अलग

# जिंदगी का गणित

लंबे समय से देश में इस बात को लेकर गंभीर विमर्श होता रहा है कि स्कूल-कालेजों में शिक्षा का स्वरूप जीवन के व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित होना चाहिए। अकसर देखने में आता है कि हम शैक्षिक पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों में जिन गूढ़ सिद्धांतों को रटते रहते हैं उसका हमारे जीवन व रोजगार से कोई व्यावहारिक सरोकार नहीं दिखता। यही वजह है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शिक्षा पद्धति रटने वाली होने के बजाय संवादात्मक शिक्षण पर आधरित हो। जो वास्तविक ज्ञान सीखने पर बल दे। जिससे पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र स्कूल-कालेजों में अर्जित ज्ञान को वास्तविक जीवन स्थितियों में उपयोग कर सकें। जिससे छात्र अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ दुनिया का सामना करने के लिये तैयार हो सकें। नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो द्वारा तैयार किए गए और हाल ही में चर्चा में आए एक अध्ययन का निष्कर्ष बताता है कि छात्रों को दैनिक जीवन में काम आने वाले व्यावहारिक गणित के ज्ञान में पारंगत होना चाहिए। जैसा गुण बाजार में काम करने वाले भारतीय बच्चों में देखने में आता है। अकसर महसूस किया जाता है कि कक्षाओं में पढ़ाया जाने वाला गणित जीवन व्यवहार में काम नहीं आता। दूसरे शब्दों में कहें तो सीखने की सहज और औपचारिक शैलियों के बीच एक बड़ा अंतर पाया जाता है। जो इस बात पर बल देता है कि पाठ्यक्रम में सुधार करके इस खाई को पाटने का अविलंब प्रयास किया जाए। यह निर्विवाद सत्य है कि दुनिया भर में कम आय वर्ग वाली पृष्ठभूमि वाले स्कूली बच्चों के लिये गणित जैसे विषय में महारत हासिल करना एक चुनौती होती है। बल्कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो उनमें गणित को लेकर एक फोबिया जैसा होता है। कमोबेश भारतीय बच्चे भी इसका अपवाद नहीं हैं। यही क्रम पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहता है। लेकिन इस विसंगति की तह तक जाने के लिये कोई गंभीर पहल नहीं हो पायी। वहीं दूसरी ओर देश में लाखों बच्चे ऐसे हैं जो गरीबी और विषम पारिवारिक परिस्थितियों के कारण स्कूलों का मुंह नहीं देख पाए। जिसके चलते पारिवारिक मजबूरियों के कारण उन्हें छोटे-मोटे काम करने के लिये बाध्य होना पड़ता है। मसलन फेरी लगाना या सड़कों के किनारे छोटा-मोटा सामान बेचने का कार्य उन्हें करना पड़ता है। अध्ययन बताता है कि वे बिना किसी सहायता के पलभर में जटिल गणितीय गणनाएं कर सकते हैं। दरअसल, स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले अमूर्त गणित को समझना छात्रों के लिये खासा कठिन होता है। वहीं दूसरी ओर विरोधाभास यह है कि इन छात्रों के स्कूल जाने वाले, जो साथी गणित में उत्कृष्ट होते हैं, वे व्यावहारिक जीवन में बुनियादी गणनाओं को करने में अकसर विफल ही साबित होते हैं। वहीं दूसरी ओर देश में शिक्षा की वार्षिक स्थिति वाली रिपोर्ट यानी एएसईआर-2024 से पता चलता है कि सरकारी और निजी स्कूलों में छह से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों में अंकगणित के स्तर में सुधार हुआ है। निस्संदेह, इसे एक अच्छा संकेत माना जाना चाहिए। लेकिन वास्तव में जरूरत इस बात की है कि छात्रों को पाठ्य पुस्तकों से आगे बढ़ने और जीवन की गणनाओं में उनके व्यावहारिक कौशल को निखारने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से ऐसा कोई भी प्रयास नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में मददगार हो सकता है, जो व्यावहारिक शिक्षा दिए जाने की जरूरत पर बल देती है। वास्तव में ऐसा कोई भी प्रयास छात्रों को किताबी कीड़ा या परीक्षा योद्धा बनाने के बजाय स्ट्रीट-स्मार्ट बनाकर उनकी रोजगार पाने की क्षमता और योग्यता में सुधार करने में मददगार साबित हो सकता है।

देश दुनिया से

# हर घर नल जल योजनाः लक्ष्य तक पहुंचने की चुनौती

केंद्र सरकार की हर घर नल जल योजना ने शहरों से लेकर गांवों तक लोगों के जीवन को सरल बना दिया है। इस योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जिससे लोगों का जीवन सुगम हो और जल जनित बीमारियों में कमी आए। देश के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शत-प्रतिशत घरों को नल के माध्यम से जल आपूर्ति की सुविधा मिल रही है, लेकिन बिहार सहित कुछ राज्यों में इस परियोजना के क्रियान्वयन में चुनौतियां बनी हुई हैं। इसके कारण यह योजना अब तक अपने उद्देश्यों को पूरी तरह सफल नहीं कर पाई है। राजधानी पटना स्थित अदालतगंज का स्लम इलाका भी ऐसा ही क्षेत्र है, जहां लोगों को समय पर स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं हो रहा। हालांकि प्रशासन और संबंधित विभाग इन चुनौतियों के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। पानी की समस्या का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। अदालतगंज के ईंख मोहल्ले की निवासी मेहर देवी कहती हैं कि "मोहल्ले में सुबह छह बजे पानी आता है और दस बजे बंद हो जाता है, फिर शाम को तीन बजे से रात दस बजे तक जल आपूर्ति होती है। कई बार पानी समय पर नहीं आता, जिससे हमें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।" वहीं, करुणा देवी बताती हैं कि "अक्सर निर्माण कार्य के चलते नालियां जाम हो जाती हैं, जिससे गंदा पानी पाइपलाइन में मिलकर नलों से निकलने लगता है।" कुसुम देवी के अनुसार, "नल जल योजना के तहत जो पानी आता है, वह कई बार बहुत गंदा और बदबूदार होता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति इस पानी को पीकर बीमार पड़ सकता है, इसलिए हम कहीं और से साफ पानी लाकर पीते हैं। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने पर दस से पंद्रह दिनों तक जलापूर्ति ठप हो जाती है, जिससे हमें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।" गायत्री देवी कहती हैं कि "नल जल योजना के क्रियान्वयन के बावजूद कई स्थानों पर खुली नालियों का दूषित पानी पेयजल पाइपलाइन में चला जाता है, जिससे अक्सर शाम को गंदा और बदबूदार पानी आता है।" पटना सचिवालय और पटना जंक्शन के निकट स्थित इस स्लम बस्ती की आबादी लगभग 1,000 है, जिसमें 60% ओबीसी और 20% अल्पसंख्यक समुदाय के लोग निवास करते हैं। अदालतगंज, ईंख कॉलोनी और ड्राइवर कॉलोनी नामक तीन मोहल्लों में विभाजित इस क्षेत्र के निवासी आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीने को मजबूर हैं। ड्राइवर कॉलोनी की पुष्पा कुमारी कहती हैं, "नल जल योजना के बाद भी यहां स्वच्छ पानी की भारी कमी है। कई बार शाम को भी गंदा पानी आता है।" आशा देवी के अनुसार, "नल से दूषित पानी आने के कारण हम पीने के लिए हैंडपंप के पानी का इस्तेमाल करते हैं।" वहीं, इंदु कुमारी बताती हैं कि "यहां हर पखवाड़े पानी की पाइपलाइन फट जाती है, जिससे नालियों का गंदा पानी उसमें मिल जाता है। अक्सर इस पानी को पीने से बच्चे बीमार हो जाते हैं।" स्थानीय समाजसेवी सिद्धनाथ के अनुसार, "हर घर नल जल योजना बिहार में जल संकट को दूर करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, ताकि जल जनित बीमारियों को कम किया जा सके और लोगों को सुरक्षित जल उपलब्ध हो। लेकिन योजना के क्रियान्वयन में गंभीरता की कमी के कारण यह अपनी पूरी क्षमता से सफल नहीं हो पा रही है। हालांकि, नगर निगम और संबंधित विभाग कई बार नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हैं, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए सुनियोजित रखरखाव की आवश्यकता है। इसके लिए एक निगरानी तंत्र बनाना जरूरी है, जो समस्या उत्पन्न होने से पहले ही उसका समाधान निकाल सके।" जल जीवन मिशन की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 तक बिहार के 95.71% घरों में स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। खगड़िया, मधेपुरा और शेखपुरा जिलों में 100% लक्ष्य प्राप्त हो चुका है, जबकि राजधानी पटना में 96.61% लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा भी स्वच्छ जल योजना के तहत गांवों से लेकर शहरों तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जा रहा है। राज्य सरकार 1.63 करोड़ परिवारों को नल के माध्यम से जलापूर्ति कर रही है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को लाभ मिल रहा है। कई जिलों में प्रतिदिन छह घंटे जलापूर्ति की जा रही है, जिससे जल संकट की समस्या काफी हद तक हल हुई है। फिर भी, कई घरों को नियमित रूप से स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इसके पीछे रखरखाव की कमी एक बड़ी समस्या मानी जा सकती है। इसके समाधान के लिए कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। जैसे पाइपलाइन और जलाशयों की नियमित निगरानी एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, मोबाइल जल परीक्षण प्रयोगशालाएं शुरू की जाए, ताकि मौके पर पानी की गुणवत्ता की जांच और सुधार किया जा सके। इसके अलावा प्रशासन और विभागों के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी जल संरक्षण, स्वच्छता और जल उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। वहीं इस अभियान में स्थानीय स्तर पर संचालित स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को भी जोड़ा कर बहुत हद तक समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। बहरहाल, चुनौतियों के बावजूद हर घर नल जल योजना बिहार के ग्रामीण और अदालतगंज जैसी स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह सच है कि अभी भी कुछ क्षेत्रों में जल आपूर्ति और गुणवत्ता को लेकर समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन सरकार और स्थानीय एजेंसियां इनके समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं, जो सराहनीय है। यदि सुधारों को सही तरीके से लागू किया जाए, तो न केवल हर घर को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है, बल्कि स्वस्थ बिहार की परिकल्पना भी साकार हो सकती है।

आप का नजरिया

# अंततः आयकर कटौती

लंबे अर्से से बढ़ती कीमतों, स्थिर वेतन और करों के बोझ से मध्यम वर्ग वित्तीय दबाव में था। केंद्रीय बजट 2025 में मोदी सरकार ने आयकर छूट सीमा बढ़ाकर व कर दरों में कमी से राहत देने की कोशिश की है। किंतु-परंतु न हो तो अब बारह लाख तक की आय वाले व्यक्ति को कोई कर नहीं देना होगा। धारणा है कि इससे लोगों की आय बढ़ने से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। खपत में वृद्धि से मांग बढ़ेगी जो कालांतर उद्योगों- अर्थव्यवस्था को गति देगी। निस्संदेह आयकर व्यवस्था का सरलीकरण स्वागत योग्य कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की ब्याज आय पर कटौती की सीमा को दुगनी करके एक लाख रुपये सालाना करने से उन्हें लाभ मिलेगा। इसी तरह किराये की आय पर निर्भर सेवानिवृत्त लोगों को बढ़ी हुई टीडीएस सीमा का लाभ होगा, जिसे अब बढ़ाकर छह लाख सालाना कर दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर ईपीएफ,पीपीएफ, बीमा और होम लोन पर प्रमुख कटौतियों का लाभ हटाने से आम आदमी की वास्तविक बचत खत्म हो सकती है। जिससे दीर्घकालीन बचत में गिरावट संभवित है। नई व्यवस्था पीएफ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में निवेश को हतोत्साहित करती है। यह स्थिति उनकी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को कमजोर कर सकती है। कर राहत के साथ जरूरी है कि मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि हो और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण किया जाए। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त लोगों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी सोचना जरूरी है। लेकिन आयकर राहत से मध्यम वर्ग की बचत-खपत बढ़ने से क्या वास्तव में आर्थिकी को गति मिल सकेगी? एक अनुमान के अनुसार भारत में आबादी का चालीस फीसदी मध्यम वर्ग के दायरे में आता है। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था मांग की कमी से जूझ रही है। मध्य वर्ग ही वस्तुओं और सेवाओं का बड़ा उपभोक्ता वर्ग है। उसकी क्रय शक्ति कम होने व बचत नहीं होने से उसकी खरीद क्षमता बाधित हुई है। मांग कम होने से उत्पादन में गिरावट आई है और नया निवेश प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि बीते वर्ष में विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम 6.4 रही है जिसके आर्थिक सर्वे में इस साल 6.8 तक रहने का अनुमान है। जो विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार का मानना है कि आयकर में कटौती से बचत और खपत को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, मध्यम वर्ग उपभोक्ता, कर्मचारी और सहायक सेवा करने वाले लोगों का नियोक्ता होता है। सरकार मानती है कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। वहीं कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में अप्रत्यक्ष करों में कमी से मांग को ज्यादा बढ़ावा मिल सकता है। अप्रत्यक्ष कर मध्यमवर्ग के बजाय गरीब लोगों को भी देना पड़ता है। दरअसल, हमारी एक सौ चालीस करोड़ की आबादी में नौ करोड़ लोग आयकर रिटर्न भरते हैं और साढ़े तीन करोड़ लोग आयकर देते हैं। इनको राहत देने से सीमित वर्ग की क्रय शक्ति ही बढ़ेगी। कुछ लोग इसे दिल्ली के विधानसभा चुनाव की दृष्टि से उठाया गया कदम बताते हैं क्योंकि वहीं बड़ी संख्या में आयकर दाता सरकारी कर्मचारी रहते हैं।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। आप मोबाइल या टीवी पर आवश्यकता से अधिक समय जाया कर सकते हैं। लगता है कि आपका जी–वनसाथी आज बहुत ख़ुश है। आपको सिर्फ़ वैवाहिक जीवन से जुड़ी उसकी योजनाओं में मदद करने की ज़रूरत है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी। जिन दोस्तों से अरसे से मुलाक़ात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। आपके जीवनसाथी का आन्तरिक सौन्दर्य बाहर भी पूरी तरह महसूस होगा। किसी भी काम को करने से पहले यह जान लें कि इसका परिणाम आपके ऊपर कैसा पड़ेगा।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है। आज कोई उलझन आपको दिन भर तंग कर सकती है। इस उलझन को दूर करने के लिए आपको अपने घर वालों से बात करनी चाहिए।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं ।अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है। संयमपूर्वक अपनी योजना को अन्तिम रुप दें।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। आपकी निजी ज़िंदगी के बारे में दोस्तों से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है। किसी को काम देने से पहले उस काम के बारे में आपको खुद भी जानकारी एकत्रित कर देनी चाहिए।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है। कारोबारी में मुनाफ इस राशि के कारोबारियों के लिए आज सुनहरे सपने के सच होने जैसा होगा।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आपके किये गये कामों को आज आपके सीनियर्स के द्वारा सराहा जाएगा जिससे आपके चेहरे पर भी मुस्कान दौड़ जाएगी।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आपका रूखा बर्ताव आपके जीवनसाथी का मूड ख़राब कर सकता है। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपका प्रिय आपको तोहफ़े/उपहार दे सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज का दिन तनाव से मुक्त रहने की कोशिश करें, इसलिए आराम करने पर ज़ोर दें।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

बच्चों के साथ आप सुकून पाएंगे। बच्चों की यह क्षमता कुदरती है और न केवल आपके परिवार के बच्चों में, बल्कि हर बच्चे में यह गुण होता है। ये आपको सुकून और राहत दे सकते हैं। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

## सोमवार का पंचांग

दिनांक : 10 फरवरी 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 07:00 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु सायं 06:01 तक
योग : प्रीति प्रातः 10:26 तक
करण : कौलव प्रातः 07:11 तक
चन्द्रराशि : मिथुन प्रातः 11:57 तक
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:15 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:24 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:16 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 06:08 ( विजयवाडा

**शुभ चौघड़िया**
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सोम प्रदोष व्रत , विश्वकर्मा–गुरु गोरखनाथ जयंती , कल्पादि तिथि

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com


# देश का अन्नदाता किसान ही है विकास की सबसे बड़ी पूंजी : उपराष्ट्रपति

**चित्तौड़गढ़,09 फरवरी (एजेंसियां)।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को चित्तौड़गढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने मेवाड़ के हरिद्वार कहे जाने वाले चित्तौड़गढ़ स्थित मातृकुंडिया में भगवान शिव के मंदिर में दर्शन–पूजन किया। इसके बाद उन्होंने अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को संबोधित किया।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं यहां 25 साल बाद आया हूं। 25 साल पहले इसी जगह पर सामाजिक न्याय की लड़ाई की शुरुआत की थी। जाट और कुछ जातियों को आरक्षण मिला। आज उसके नतीजे देश और राज्य की प्रशासनिक सेवाओं में मिल रहे हैं। उसी सामाजिक न्याय पर, उसी आरक्षण पर जिनको लाभ मिला है, आज वो सरकार में प्रमुख पदों पर हैं। उनसे मेरा आग्रह रहेगा, पीछे मुड़कर जरूर देखें और कभी नहीं भूलें, इस समाज के सहयोग की वजह से, इस समाज के प्रयास की वजह से हमें सामाजिक न्याय मिला है।

उन्होंने किसानों को देश के विकास की आर्थिक रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है, भाग्य विधाता है। किसान के हाथ में विकास की कुंजी है और यही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। किसान के सबल हाथों में राजनीतिक ताकत है, आर्थिक योग्यता है। किसान को किसी की मदद का मोहताज नहीं होना चाहिए।

जगदीप धनखड़ ने कहा, सरकार ने आपके लिए खजाना खोल रखा है। किसान को मदद करने के लिए 730 से अधिक कृषक विज्ञान केंद्र हैं। उनको अकेला मत छोड़िए, वहां पर जाइए और उनसे कहिए आप हमारी क्या सेवा करेंगे? नई तकनीकों का ज्ञान लीजिए, सरकारी नीतियों की जानकारी लीजिए। सहकारिता क्या कर सकती है, आपको जानकारी नहीं है। उपराष्ट्रपति ने अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को संबोधित करते हुए कहा, मेरा आग्रह किसानों से है, किसान के बेटे–बेटी से है। दुनिया का सबसे बड़ा व्यापार, बेशकीमती व्यापार, कृषि उत्पादन का है। किसान अपने उत्पाद के व्यापार से क्यों नहीं जुड़ा हुआ है? किसान उसमें क्यों नहीं भागीदारी ले रहा है? अधिक से अधिक किसानों को सहकारिता का फायदा लेते हुए, कृषि उत्पादन के व्यवसाय में लगनशील रूप से कार्यरत करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसान अपने उत्पाद की मूल्य वृद्धि क्यों नहीं कर रहा? अनेक व्यापार किसान के उत्पाद पर चालू हैं। आटा मिल, तेल मिल, अनगिनत हैं। मुझे बड़ी खुशी होती है जब डेयरी बढ़ती है। हमें दूध तक सीमित नहीं रहना है, छाछ तक सीमित नहीं रहना है, दही तक सीमित नहीं रहना है। जितने उत्पाद दूध के बन सकते हैं, पनीर हो, आइसक्रीम हो, रसगुल्ला हो, किसान का योगदान होना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि मैं आपको आश्वासन देना चाहता हूं, कुछ भी हो जाए, कितनी बाधाएं आएं, कोई भी अवरोधक बने, आज के दिन विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता। आज की शासन व्यवस्था किसान के प्रति नतमस्तक है।

**फ्लाइट कैंसिलेशन से यात्री परेशान**

## जयपुर–बेंगलुरु उड़ान लगातार पांचवें दिन भी रद्द, 11 फरवरी से संचालन का दावा

**जयपुर,09 फरवरी (एजेंसियां)।** जयपुर एयरपोर्ट पर बेंगलुरु जाने वाले यात्रियों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट लगातार पांचवें दिन भी आखिरी समय पर रद्द कर दी गई, जिससे पैसेंजर्स को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि, एयरलाइंस ने टिकट बुक करने वाले यात्रियों को रिफंड जारी कर दिया है, लेकिन आखिरी वक्त पर उड़ान रद्द होने से कई लोग अपने निर्धारित समय पर गंतव्य नहीं पहुंच सके।

बेंगलुरु के लिए टिकट बुक कराने वाले रौशन सैनी ने नार–ाजगी जाहिर करते हुए कहा कि बार–बार फ्लाइट कैंसिल होने से यात्रियों को मानसिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से अपील की कि ऐसी स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए ठोस नियम बनाए जाएं, ताकि पैसेंजर्स को राहत मिल सके। इंडिगो एयरलाइंस के अधिकारियों ने बयान जारी कर कहा कि रोटेशनल ऑपरेशन के कारण फ्लाइट को रद्द किया गया। उन्होंने यात्रियों को

आश्वासन दिया कि 11 फरवरी से नियमित उड़ानें संचालित की जाएंगी और भविष्य में सेवाओं में सुधार किया जाएगा।

बता दें कि जयपुर से इंडिगो की फ्लाइट 6ए–839 हर दिन सुबह 5:40 बजे बेंगलुरु के लिए उड़ान भरती है और 2 घंटे 20 मिनट में गंतव्य तक पहुंचती है। लेकिन 5 फरवरी से यह सेवा बाधित है, जिससे नियमित यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एयरलाइंस कंपनियों के लिए कड़े नियम बनाए जाएं ताकि फ्लाइट कैंसिलेशन से होने वाली असुविधा को रोका जा सके।

11 फरवरी से सभी उड़ानें सामान्य होंगी और यात्रियों को बेहतर सेवा देने की कोशिश की जाएगी। अब देखना होगा कि 11 फरवरी से जयपुर–बेंगलुरु फ्लाइट अपने तय शेड्यूल के मुताबिक उड़ान भरती है या यात्रियों को फिर किसी नई परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

## नर्सिंग अधीक्षक पर हमला चिकित्सा कर्मियों में आक्रोश

**दौसा,09 फरवरी (एजेंसियां)।** अस्पताल से छुट्टी कर घर लौट रहे नर्सिंग अधीक्षक पर रविवार को बदमाशों ने हमला कर दिया। यह वारदात अस्पताल से कुछ ही दूरी पर हुई। नर्सिंग अधीक्षक धर्मीलाल मीणा अस्पताल से छुट्टी लेकर घर लौट रहे थे। इस बीच हमलावरों ने ताबड़ तोड़ हमला कर दिया। जिससे नर्सिंग अधीक्षक बुरी तरह घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस आरोपियों को तलाश करने में जुटी हुई है। इस घटना से चिकित्सा कर्मियों में रोष व्याप्त है।

## डिवाइडर से टकराकर ट्रेलर में लगी आग, चालक की जलकर मौत

**चित्तौड़गढ़,09 फरवरी (एजेंसियां)।** जिले के निम्बाहेड़ा क्षेत्र में रविवार सुबह एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में एक ट्रेलर डिवाइडर से टकरा गया। इस टक्कर से ट्रेलर में आग लग गई तथा चालक की जलकर मौके पर ही मौत हो गई।सदर थानाधिकारी राम सुमेर मीणा ने बताया कि तेलंगाना से ब्लैक ग्रेनाइट लेकर किशनगढ़ जा रहा ट्रेलर चित्तौड़गढ़ बाइपास पर निम्बाहेड़ा नगर के वंडर चौराहे के अंडर ब्रिज के पास रविवार सुबह करीब 11 बजें संभवतः किसी बाईक सवार को बचाने के चक्कर में डिवाईडर से टकरा गया। इस टक्कर से ट्रेलर में आग लग गई और देखते ही देखते आग के विकराल रूप धारण कर लेने से चालक को बचकर निकलने का मौका ही नही मिला तथा उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में अजमेर निवासी ट्रेलर चालक शराबुद्दीन (50) की मौके पर ही

जलकर मौत हो गई। सदर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से चालक को बाहर निकाला गया। मृतक के परिवार को अजमेर में सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा आग लगने का मुख्य कारण अभी सामने नहीं आया है।

## सिंधीकैंप बस स्टैंड पर जेबतराशी गैंग का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

**जयपुर,09 फरवरी (एजेंसियां)।** पुलिस उपायुक्त अमित कुमार (आईपीएस) के निर्देशानुसार संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने और संदिग्ध अपराधियों की धरपकड़ के लिए जयपुर पश्चिम पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इसी क्रम में बस स्टैंड क्षेत्र में यात्रियों के सामान और जेब काटने की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल और सहायक पुलिस आयुक्त धर्मवीर सिंह के सुपरविजन में थाना सिंधीकैंप पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई।

थाना प्रभारी श्याम सुंदर के नेतृत्व में इस टीम ने कड़ी मेहनत और आसूचना संकलन के आधार पर सक्रिय जेबतराश गिरोह के दो कुख्यात अपराधियों हारून उर्फ शाहरुख उर्फ पॉन्डा और राशिद को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से यात्रियों को डराने और धमकाने के लिए उपयोग किए जाने वाले तेजधार ब्लेड और कटर बरामद किए गए हैं।

## आम आदमी पार्टी की पोल सच और झूठ की लड़ाई में खुल गई : अनिल विज

**अम्बाला,09 फरवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के 68 उम्मीदवार जमानत नहीं बचा पाने व आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों के हारने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि पार्टियां और भी हारती हैं लेकिन लोग उन्हें वैसे ही जानते है, लेकिन आम आदमी पार्टी ने कैमोफलेगिंग (छलावरण) कर रखी है। यह अंदर से कट्टर बेईमान थे लेकिन ऊपर से कट्टर ईमानदार बने हुए थे। इनकी पोल सच और झूठ की लड़ाई में खुल गई। उन्होंने कहा यह प्रकृति का नियम है कि झूठ की ही हार होती है। विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। दिल्ली चुनाव आप के वोट बैंक पर कांग्रेस द्वारा सेंध लगाने तथा इंडी गठबंधन पर सवाल उठने के मामले में मंत्री अनिल विज ने कहा कि इंडी की भिंडी बन गई है। इंडी नाम की कोई चीज नहीं है। जो भी वहां आए सब हार गए।

उधर, पंजाब कांग्रेस नेता प्रताप बाजवा द्वारा पंजाब मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करने कि वो भाजपा में चले जाएंगे पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यही इंडी मॉडल है। एक पार्टनर दूसरे पार्टनर पर इस प्रकार की टिप्पणियां कर रहा है। अभी विधिवत गठबंधन टूटने की घोषणा तो नहीं हुई लेकिन टिप्पणियां शुरू हो गयी है।

## महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शों पर चलते हैं पीएम मोदी : आचार्य प्रमोद कृष्णम

**कुरुक्षेत्र,09 फरवरी (एजेंसियां)।** महर्षि दयानंद सरस्वती की दूसरी जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर कुरुक्षेत्र में चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का समापन हुआ। इस दौरान समारोह में यूपी के संभल में स्थित कल्कि धाम के आचार्य प्रमोद कृष्णम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी महर्षि दयानंद के आदर्शों के प्रति समर्पित हैं।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मीडिया को बताया, महर्षि दयानंद का दर्शन, चिंतन और उन्होंने अपने दौर में जो तपस्या की थी, वह उस दौर में भी प्रासंगिक थी और आज भी प्रासंगिक है। अगर भारत को विश्वगुरु बनाना है तो स्वामी विवेकानंद और महर्षि दयानंद के बताए गए रास्तों पर चलना पड़ेगा। पीएम मोदी महर्षि दयानंद जी का बहुत सम्मान करते हैं और उनके आदर्शों के प्रति समर्पित हैं। मुझे लगता है कि कुरुक्षेत्र की धरती से जो महायज्ञ का आयोजन हुआ है, इससे देश को एक नई दिशा मिलेगी। प्रयागराज महाकुंभ में फिल्मी कलाकारों के जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, महाकुंभ सबका है, इसमें कोई विवाद नहीं है। मेरे हिसाब से सनातन सभी का है और सभी सनातनी हैं। अगर ऐसे में एक्टर और एक्ट्रेस वहां जाना चाहते हैं तो जाना चाहिए। हमें सभी को समायोजित करना है। सनातन सभी को स्वीकार करने का नाम है।

शंकराचार्य को लेकर उठ रहे सवाल पर प्रमोद कृष्णम ने कहा कि कौन से शंकराचार्य असली हैं और कौन से शंकराचार्य नकली हैं, इसका फैसला हम नहीं बल्कि परमात्मा करेगा। संन्यास और साधु होने का वैराग्य का विषय है, ना कि किसी इम्तिहान का। यह आत्मसाक्षात्कार, आत्मचिंतन और आत्म मनन का विषय है।

कल्कि धाम की निर्माण स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए कृष्णम ने बताया, पुराणों के अनुसार भगवान कल्कि रूप में (कलयुग में) संभल की पवित्र धरती पर अवतार लेंगे। पीएम ने श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास किया था, जिसका निर्माण चल रहा है। मेरे हिसाब से अगले चार साल में कल्कि धाम अपने भव्य और पूर्ण स्वरूप में आ जाएगा।बता दें, श्री कल्कि धाम का निर्माण श्री कल्कि धाम निर्माण ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है, जिसके अध्यक्ष आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं।

## निकाय चुनाव में टिकट के लिए 11 फरवरी तक आवेदन दे सकते हैं कांग्रेसजन : उदयभान

**चंडीगढ़,09 फरवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने कहा है कि कांग्रेस नगर निगम (पार्षद और मेयर) व नगर परिषद चेयरमैन का चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ने जा रही है। इसलिए चुनाव लड़ने के इच्छुक कांग्रेसी 11 फरवरी तक अपना आवेदन फार्म जमा करवा सकते हैं। कोई कांग्रेसजन नगर परिषद के वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ना चाहता है तो वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव के लिए गठित की गई अपने जिले की समिति से संपर्क कर सकता है। ताकि उसके पार्टी चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने या ना लड़ने पर विचार किया जा सके। नगर पालिका का कोई भी चुनाव पार्टी चिन्ह पर नहीं लड़ा जाएगा। क्योंकि यह भाईचारे का चुनाव होता है।

चौधरी उदयभान ने बताया कि आवेदक प्रदेश कांग्रेस द्वारा गठित की गई स्थानीय निकाय चुनाव जिला समिति के इंचार्ज अथवा संयोजक को 11 फरवरी 2025 को सायं 5:00 बजे तक अपना–अपना आवेदनपत्र अवश्य जमा करवा दें। ताकि आगे की कार्यवाही अविलंब पूरी की जा सके।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने बैठक कर बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग उठाने का फैसला लिया है। इसके संबंध में सोमवार को पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग में जाकर गुहार लगाएगा।

# दिल्ली में खुलेगा पीएम मोदी की योजनाओं का पिटारा : नायब सैनी

**फरीदाबाद,09 फरवरी (एजेंसियां)।** दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को 27 साल बाद ऐतिहासिक जीत मिली है। प्रचंड बहुमत के साथ दिल्ली में अगली सरकार भाजपा की बनने वाली है। इस सरकार के बनने से पीएम मोदी की उन योजनाओं का लाभ भी दिल्ली के लोगों को मिलेगा जो पूर्व की सरकार में लागू नहीं की गई। पीएम मोदी द्वारा गरीबों के लिए चलाई जा रही आयुष्मान योजना जो अब तक दिल्ली में लागू नहीं की गई वह दिल्ली में लागू की जाएगी। इस बात के संकेत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिए।

नायब सैनी ने मीडिया से कहा, देशभर में पीएम मोदी द्वारा कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। आयुष्मान योजना दिल्ली में लागू नहीं की गई। लेकिन अब यहां पर भाजपा की सरकार में पीएम मोदी के नेतृत्व में सभी योजनाओं का पिटारा यहां के लोगों के लिए खुलेगा।

अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए नायब सैनी ने कहा, कुछ वक्त के लिए लोगों को आप बहका सकते हैं, झूठे सपने दिखा सकते हैं। लेकिन, एक न एक दिन जनता के सामने हकीकत आ जाती है। दिल्ली के लोगों ने इसलिए केजरीवाल की हकीकत पहचानते हुए भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत दिया है।

नायब सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को एक पोस्ट के जरिए लिखा, दिल्ली के दिलवालों ने मुझसे कहा था कि 5 फरवरी को केजरीवाल की जलेबी बना देंगे और मैंने उनसे कहा था कि 8 फरवरी के बाद हम जलेबी का भंडारा लगा देंगे। कथनानुसार जलेबियों का भंडारा शुरू कर दिया है। वहीं, 8 फरवरी को एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, केजरीवाल ने हरियाणा की मिट्टी को अपमानित करने का काम किया, वह जब हरियाणा के नहीं हुए तो दिल्ली के कैसे होते। आज के ऐतिहासिक दिन दिल्ली की महान जनता का अभिनंदन जिसने भाजपा को स्पष्ट जनादेश दिया तथा दिल्ली में कमल खिला कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, सामाजिक कल्याण की गारंटियों पर पक्की मुहर लगा दी। भाजपा दिल्ली को उसका गौरव और सम्मान वापस दिलाएगी। सभी कर्मठ और जुझारू कार्यकर्ताओं ने जिस निष्ठा और समर्पण भाव से इस विजय के लिए काम किया है, उसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं।

## दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गांरटी पर लगाई मोहर

**चंडीगढ़,09 फरवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गांरटी पर मोहर लगाई है। अब मोदी जी की नीतियां दिल्ली में लागू होंगी, लोगों को आयुष्मान योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा और पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में पत्रकारवार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजय वर्गीय, सामजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाईजर राजीव जेटली भी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि अब दिल्ली भी मजबूती से विकसित भारत के साथ कदमताल करेगी और चुनाव में भाजपा की इस बड़ी जीत के लिए मैं दिल्ली के लोगों को शुभकामनाएं देता हूँ। दिल्ली चुनाव में लगे सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं को भी उन्होंने बधाई दी और कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व ने एक कुशल संगठनकर्ता की तरह काम किया है। उन्होंने पार्टी की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आज दिल्ली की जनता ने झूठ बोलकर लोगों को बहकाने वाले नेता से छुटकारा पाया है। अरविंद केजरीवाल ने लोगों से झूठे वायदे कर विकास के सब्जबाग दिखाएं लेकिन उन्होंने जनता के लिए कोई काम नहीं किया।

## मायावती ने अखिलेश यादव से मांगा जवाब

# बसपा नहीं लड़ी तो मिल्कीपुर उपचुनाव कैसे हारी सपा?

**लखनऊ, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** बसपा प्रमुख मायावती ने मिल्कीपुर उपचुनाव के नतीजों को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सवाल किया है। मिल्कीपुर उपचुनाव परिणाम पर पहली प्रतिक्रिया देते हुए मायावती ने कहा कि इस सीट पर बसपा का कोई उम्मीदवार नहीं होने के बावजूद सपा की इतनी शर्मनाक हार कैसे हुई?

मायावती ने कहा कि इस पर सपा के जवाब का लोगों को इंतजार है, क्योंकि पिछली बार हुए उपचुनाव में सपा ने अपनी पार्टी की हार का ठीकरा बसपा के ऊपर डालने की राजनीतिक कोशिश की थी।

मायावती ने बताया कि क्यों बसपा आमतौर पर उपचुनाव से दूर रहती है और अपने उम्मीदवार नहीं उतारती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर सीट पर हुए उपचुनाव में सपा की अपनी सीट पर 61,710 वोटों से करारी हार भी जनता की नजर इस हकीकत को लेकर है कि बसपा द्वारा चुनावी गड़बड़ी संबंधी आवश्यक सुधार होने तक देश में कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले के चलते इस सीट पर पार्टी का कोई उम्मीदवार नहीं था।

बीएसपी चीफ मायावती ने कहा कि इसके बावजूद सपा की इतनी शर्मनाक हार कैसे हुई? सपा मिल्कीपुर उपचुनाव में अपनी करारी हार का जवाब जनता को दे, क्योंकि पिछली बार सपा ने अपनी हार के लिए बसपा को जिम्मेदार ठहराकर बचना चाहा था। मिल्कीपुर की हार से उसे (समाजवादी पार्टी) जमीनी हकीकत की जानकारी हो गई होगी। दिल्ली चुनाव पर बसपा प्रमुख ने कहा कि दिल्ली की जनता ने हवा चले जिधर की, चलो तुम उधर ही के तर्ज पर विधानसभा आम चुनाव में वोट देकर भाजपा की सरकार 27 साल के बाद दिल्ली में बना दी, ऐसे में केंद्र की भाजपा सरकार का उत्तरदायित्व बनता है कि वह दिल्ली की लगभग दो करोड़ जनता से किए गए जनहित और जनकल्याण के तमाम वादों और गारंटियों आदि को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से जल्दी पूरा करें।

मायावती ने कहा कि भाजपा द्वारा वादा और गारंटी निभाना जरूरी है, ताकि आम लोगों का जीवन बेहतर अर्थात अच्छे दिन वाला हो। दूसरे गरीब और मेहनतकश लोगों का जीवन थोड़ा बेहतर जरूर हो सके। भाजपा सरकार इस क्रम में सबसे पहले यमुना की सफाई तथा वायु प्रदूषण आदि से मुक्त करके दिल्ली को रहने योग्य स्वस्थ बनाए।

# कुशीनगर की मदनी मस्जिद पर चला बुलडोजर

### सरकारी जमीन पर हुआ था निर्माण

**कुशीनगर, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** कुशीनगर में मदनी मस्जिद को आज ध्वस्त कर दिया गया। यह मस्जिद 25 साल पुरानी है, जो नगर पालिका क्षेत्र में बनाई गई थी। यह क्षेत्र हाटा नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आता है। मामला सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का है और स्थिति को देखते हुए भारी संख्या में पुलिसबलों की तैनाती की गई थी। इस मस्जिद की जांच 18 दिसंबर 2024 को शुरू हुई थी। तीन बार मस्जिद प्रशासन को नोटिस भी जारी किया गया, लेकिन मुस्लिम पक्षकारों ने कोई संतुष्ट जवाब नहीं दिया। 8 फरवरी तक के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मस्जिद पर कार्रवाई को लेकर स्टे आर्डर दिया था। 9 फरवरी को जिला प्रशासन ने इस अवैध मस्जिद को ध्वस्त कर दिया।

मस्जिद को लेकर हिंदूवादी नेताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर शिकायत की थी। क्षेत्र के हिंदू नेता और शिकायतकर्ता रामबचन सिंह ने मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की थी और मस्जिद के सरकारी जमीन पर होने का दावा किया था।

उन्होंने कहा था कि मस्जिद पुलिस चौकी की जमीन, नगर पालिका की जमीन और नजूल की जमीन पर अवैध तरीके से बनाई गई है। इसके बाद इसके जांच का आदेश दिया गया। मदनी मस्जिद का निर्माण 1999 में शुरू हुआ था। उस समय सिर्फ दो मंजिल का नक्शा पास था। इसके बाद चार मंजिल का निर्माण किया गया और बेसमेंट का भी निर्माण किया गया। यहीं से विवाद शुरू हुआ है। हिंदू नेता राम बचन सिंह कई बार संबंधित विभागों से इसको लेकर शिकायत करते रहे लेकिन कोई असर नहीं हुआ। 2017 में भाजपा की सरकार बनी और फिर उन्होंने शिकायत की। तब प्रशासन हरकत में आया।

कुछ हफ्ते पहले संभल की जामा मस्जिद में सर्वे करने एक टीम गई थी और काफी हिंसा हुई थी। इस दौरान पत्थरबाजी की भी घटना सामने आई थी। वहीं फायरिंग में पांच लोगों की जान गई थी। पीड़ित आरोप लगा रहे थे की फायरिंग पुलिस की ओर से की गई है जबकि पुलिस ने इससे इनकार किया था। यह मामला सुर्खियों में छाया था।

# मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव : वामपंथी समाजवादी गढ़ को तीसरी बार तोड़ने में सफल रही भाजपा

**अयोध्या, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** मिल्कीपुर सीट पर तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी के सिर पर जीत का ताज सजा है। इसके पहले वर्ष 1991 और 2017 में पार्टी ने इस सीट को अपनी झोली में डाला था। अब 2025 में चंद्रभानु पासवान ने वामपंथी राजनीति और समाजवादियों का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर भगवा परचम लहराने में कामयाबी हासिल की है। मिल्कीपुर सीट का सृजन परिसीमन के बाद वर्ष 1967 में हुआ था। इसके बाद वर्ष 1969 में हुए विधानसभा चुनाव में जनसंघ (अब भाजपा) के हरिनाथ तिवारी विधायक चुने गए। इसके बाद 1974 से 1989 तक यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी का अभेद्य किला बन गया। लंबे वनवास के बाद वर्ष 1991 में राम लहर में मथुरा प्रसाद तिवारी ने भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की।

वर्ष 1991 के बाद के चुनाव से 2012 तक जितने भी चुनाव हुए भाजपा को हर बार निराशा का ही सामना करना पड़ा। इन चुनावों में अलग-अलग भाकपा, सपा और बहुजन समाज पार्टी जीत दर्ज करती रही। एक बार फिर भाजपा को यहां पर वनवास झेलना पड़ा। इसके बाद 2017 के चुनाव में पार्टी ने यहां पर युवा उम्मीदवार के रूप में गोरखनाथ बाबा पर दांव लगाया। वह पार्टी के भरोसे पर खरे साबित हुए।

यह अलग बात है कि इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा ने एक बार फिर इस सीट पर कब्जा कर लिया। अवधेश प्रसाद ने गोरखनाथ को पराजित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश को विधायक रहते उम्मीदवार बना दिया। सामान्य सीट पर एससी प्रत्याशी को उतारने की यह रणनीति कामयाब रही। सपा ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हुए चुनाव में भाजपा को हराने का कमाल कर दिखाया। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद अवधेश ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया तो उपचुनाव हुआ। इस बार भाजपा ने गोरखनाथ की बजाय बसपा से राजनीति में कदम रखने वाले बिल्कुल नए चेहरे चंद्रभानु पासवान को टिकट दिया। इस चुनाव में चंद्रभानु ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए सपा सांसद के बेटे अजीत प्रसाद को हरा दिया और जीत का सेहरा पार्टी के माथे पर सजा दिया।

# यूपी में वक्फ ने हड़पी सरकार की 11712 एकड़ जमीन

### कुल 57792 प्रॉपर्टी पर किया अवैध कब्जा

**लखनऊ, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश में वक्फ सम्पत्तियों पर विवाद गहराता ही जा रहा है। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को बताया गया है कि यूपी की 57792 सरकारी सम्पत्तियों पर वक्फ ने अपनी ओर से दावा किया हुआ है। यह सम्पत्ति 11712 एकड़ में फैली हुई है।

वक्फ के नाम शाहजहांपुर में 2589 सम्पत्तियां दर्ज हैं, जिनमें से 2371 सरकारी सम्पत्तियां हैं। रामपुर में 3365 वक्फ सम्पत्तियां हैं, जिनमें से 2363 सरकारी सम्पत्ति हैं। अयोध्या में 3652 सम्पत्तियों पर दावा किया जा रहा है, जिनमें से 2116 सार्वजनिक सम्पत्ति हैं। जौनपुर में 4167 में से 2096 और बरेली में 3499 वक्फ सम्पत्तियों में से 2000 सरकारी जमीनों पर स्थित हैं।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों जैसे लखीमपुर खीरी (1,792), बुलंदशहर (1,778), फतेहपुर (1,610) आदि में भी वक्फ के दावे देखने को मिले हैं। इन सभी सम्पत्तियों का राजस्व रिकॉर्ड सार्वजनिक उपयोग वाली श्रेणी में आता है। यूपी सरकार ने जेपीसी को बताया कि इनमें से अधिकांश भूमि वर्ग 5 और वर्ग 6 के तहत आती है जो सरकारी और ग्राम सभा की सम्पत्ति मानी जाती है।

जेपीसी की रिपोर्ट में वक्फ सम्पत्तियों की जांच और उनके निपटारे को लेकर कुछ सिफारिशें की गई हैं। इसमें एक सिफारिश है कि केंद्रीय वक्फ काउंसिल में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या बढ़ाने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा ट्रिब्यूनल के सदस्यों की संख्या और उनकी योग्यता को फिर से निर्धारित करने का सुझाव दिया गया है ताकि मामलों का निपटारा तेजी से हो सके।

वक्फ ने मजहब के नाम पर भारत में इतनी सम्पत्ति पर कब्जा किया हुआ है उसके बारे में सुनकर आपको शायद हैरानी होगी कि वक्फ का कॉन्सेप्ट इस्लामी देशों तक में नहीं है। फिर वो चाहे तुर्की, लिबिया, सीरिया या इराक हो। लेकिन भारत में मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते आज हालात ऐसे हैं कि इन्हें देश में तीसरा सबसे बड़ा जमींदार बताया जाता है। इनके पास अकूत सम्पत्ति है। अल्पसंख्यक मंत्रालय के अनुसार वक्फ बोर्ड के पास पूरे देश भर में 8,65,646 सम्पत्तियां पंजीकृत हैं। इनमें से 80 हजार से ज्यादा सम्पत्ति वक्फ के पास केवल बंगाल में हैं। इसके बाद पंजाब में वक्फ बोर्ड के पास 70,994, तमिलनाडु में 65,945 और कर्नाटक में 61,195 सम्पत्तियां हैं। देश के अन्य राज्यों में भी इस संस्थान के पास बड़ी संख्या में सम्पत्तियां हैं।

# लखनऊ में बाघ का खौफ, चप्पा चप्पा छान रहे जंगल विभाग के लोग

**लखनऊ, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** लखनऊ में 65 दिनों से बाघ का खौफ बरकरार है। राजधानी लखनऊ में काकोरी के रहमानखेड़ा में 65 दिनों से घूम रहे बाघ ने शनिवार को पहली बार पालतू जानवर पर हमला किया। गाय को घायल करने का पता लगते ही इलाके में दहशत फैल गई। बाघ अब तक 19 शिकार कर चुका है।

सहिलामऊ गांव के पीआरडी गार्ड नौमी लाल ने बताया कि दोपहर चार बजे उनका बेटा धीरू 15 गायों को चराकर लौट रहा था। रेलवे क्रॉसिंग गेट से करीब 200 मीटर पहले खड़ंजे पर सबसे आगे चल रही गाय पर आम के बाग से निकले बाघ ने हमला कर दिया। धीरू ने सांड समझकर भगाने के लिए डंडा फेंककर मारा तो बाघ गाय को छोड़कर बागों की ओर भाग निकला। उसे देखकर दहशत में आए धीरू पास की झाड़ियों में छिप गए। थोड़ी देर बाद वह गोवंशों को लेकर घर पहुंचे और पिता, ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना पर वन विभाग के कर्मचारी नौमी लाल के घर पहुंचे। टीम ने गाय की गर्दन व पीठ पर निशान देखकर बाघ के हमला करने की पुष्टि की। कर्मचारियों ने कहा, रविवार सुबह मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाएगा। ट्रेकिंग टीम को बाघ की मौजूदगी शनिवार सुबह मीठेनगर व रहमानखेड़ा में मिली। बाघ को घेरने के लिए केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान से रेलवे लाइन पार कर उलरापुर की ओर जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया गया है। संस्थान में इस ओर से आने वाले सिर्फ एक रास्ते को खुला रखा गया है। इसी रास्ते पर खुला पिंजरा भी लगाया गया है। हालांकि, यह तरकीब भी काम नहीं आई है।

# यूपी में बिजली विभाग को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी

### सरकार पर भारी पड़ने वाला है लाखों कर्मचारियों का आंदोलन

**लखनऊ, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** उदारीकरण-निजीकरण की नीतियों के लागू होने के ढाई दशक बाद इनका कहर देश की मेहनतकश जनता के ऊपर बरप रहा है। भाजपा सरकार इन नीतियों को लागू करने के मामले में हर दिन नया रिकॉर्ड बना रही है। अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश में बिजली का वितरण करने वाले दो निगमों के निजीकरण का फ़ैसला लिया गया है। बिजली विभाग के घाटे में होने का हवाला देकर सरकार इसे निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर चुकी है। पूर्वांचल और दक्षिणांचल के विद्युत वितरण निगमों से इसे लागू करने की योजना बनाई गई है। आगे इसी मॉडल को अन्य जगहों पर भी लागू किया जाएगा।

सत्ता में आने के बाद से ही योगी सरकार किसी-न-किसी बहाने से बिजली विभाग को निजी हाथों में सौंपने की पूरी कोशिश में जुटी हुई है। इसके पहले कर्मचारियों ने जुझारू आन्दोलन के दम पर सरकार को पीछे हटने के लिए बाध्य किया था। लेकिन सत्ताधारी योगी सरकार अपने द्वारा ही किये गए समझौते से मुकरते हुए कर्मचारियों के साथ धोखेबाजी पर उतर आई है।

निजीकरण करने के पीछे बिजली विभाग के घाटे में होने का हवाला दिया जा रहा है लेकिन सच यह है कि बिजली विभाग के घाटे में होने के लिए सरकार की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। उत्तर प्रदेश में निजी कंपनियों से ऊंची दरों पर बिजली खरीदी जा रही है, जिसकी वजह से बिजली विभाग लगातार घाटे में जा रहा है। जाहिर है कि योगी सरकार की मंशा पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाना है जिसके लिए वह उनकी कंपनियों से ऊंचे दामों पर बिजली खरीद रही है और अब बिजली के वितरण की जिम्मेदारी भी उन्हीं को सौंप कर जनता को लूटने की खुली छूट दे रही है। उत्तर प्रदेश में सबसे सस्ती बिजली राज्य सरकार की कम्पनियों से ख़रीदी जाती है जो

लगभग 1 रुपए प्रति यूनिट की दर से मिलती है और सबसे महंगी बिजली प्राइवेट कम्पनियों से जो लगभग 6 रुपए प्रति यूनिट की दर से मिलती है। साफ है कि अगर सरकारी बिजली कम्पनियों को बढ़ावा दिया जाए और सरकारी विभागों को दुरुस्त किया जाए तो बिजली की लागत को बहुत कम किया जा सकता है और बिजली विभाग के घाटे को कम या बिलकुल समाप्त किया जा सकता है।

इसके अलावा निजी कम्पनियों को बिजली देने से बिजली विभाग फ़ायदे में चला जाएगा, यह भी पूरी तरह से झूठ है। ओड़ीशा में भी बिजली विभाग के घाटे में होने का हवाला देकर विभाग का निजीकरण किया गया था, लेकिन निजी कम्पनी के कई गुना घाटे में चले जाने के कारण इसे वापस लेना पड़ा। वर्ष 2015 में ओड़ीशा विद्युत नियामक आयोग ने इसी वजह से रिलायंस के सभी लाइसेंस रद्द कर दिए थे।

इसके पहले भी बिजली विभाग के घाटे में होने का हवाला देकर वर्ष 2000 में विद्युत परिषद का विघटन कर दिया गया था। लेकिन उस समय 77 करोड़ प्रतिवर्ष का घाटा आज 24 साल बाद बढ़कर 1 लाख 10 हजार करोड़ पहुंच गया है। उस समय भी सरकार द्वारा इस फ़ैसले की समीक्षा करने और इसके कारगर न होने पर इसे वापस लेने की बात कही थी। लेकिन आज जब निजी कम्पनियों के कारण हालात और अधिक बिगड़ चुके हैं, इस फ़ैसले को वापस लेने के बजाय सरकार और आगे बढ़ते हुए पूरे विभाग को ही निजी हाथों में सौंपने जा रही है। जाहिर है कि विभागों को विघटित करने और अब उसे निजी हाथों में सौंपने की यह क़वायद बिजली विभाग को घाटे से फ़ायदे में पहुंचाने के लिए नहीं बल्कि पूंजीपतियों की जेब में पहुंचाने के लिए की जा रही है।

देश के जिन भी राज्यों में प्राइवेट कम्पनियों को बिजली सौंपी गई है, वहां जनता को अधिक दाम पर बिजली ख़रीदनी पड़ती है। इतना ही नहीं, बिजली की कीमतें बढ़ने से उन सभी चीजों की कीमतें भी बढ़ जाएंगी जिनको बनाने में बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। मतलब साफ है कि निजीकरण पूंजीपतियों की तिजोरी भरने के लिए आम जनता की जेब से पाई-पाई वसूलने की योजना है। यानि पब्लिक के पैसे से खड़े किये गए सरकारी विभागों को प्राइवेट कम्पनियों को बेचने और पब्लिक की जेब खाली करके पूंजीपतियों की तिजोरी भरने की स्कीम। इसी को सरकार पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल का नाम देती है।

दूसरी बात यह भी है कि आम घरों से आने वाले जिन लोगों को सरकारी विभागों में पक्की नौकरियां मिलती थीं, बिजली समेत तमाम विभागों के प्राइ-वेट हाथों में बेचे जाने से यह सारे अवसर समाप्त हो जाएंगे। पूर्वांचल और दक्षिणांचल के जिन वितरण निगमों को प्राइवेट हाथों में देने की योजना बनायी गई है, उनमें 27,000 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं। बिजली विभाग के निजीकरण के बाद इन कर्मचारियों की एक बड़ी संख्या को काम से बाहर और पदावनत कर दिया जाएगा। इसके अलावा इन विभागों में पहले ही एक बड़ी संख्या को परमानेण्ट नौकरी की बजाय ठेके या संविदा पर काम करना पड़ता है। बिजली के निजीकरण की बाद जो थोड़े-बहुत परमानेंट भर्तियों के अवसर बचे भी थे, वह भी समाप्त हो जाएंगे। छात्रों-युवाओं की एक बड़ी आबादी जो बनारस, इलाहाबाद, दिल्ली, पटना जैसी जगहों पर जाकर सरकारी नौकरियों की तैयारी करती है, उनके ऊपर यह एक भयंकर कुठाराघात होगा। इससे स्पष्ट है निजीकरण केवल कर्मचारियों के लिए ही नहीं बल्कि आम जनता के हर हिस्से के लिए बहुत घातक है। बिजली विभाग के निजीकरण से पहले भी सभी श्रम क़ानूनों को एक-एक करके समाप्त कर देने, आईटी सेक्टर में 14 घंटे तक काम करने का नियम लागू करने, पक्की नौकरियों को समाप्त करके हर विभाग में ठेका-संविदा की प्रथा लागू करने के मामले में भाजपा सरकार ने पिछली सभी सरकारों को पीछे छोड़ दिया है।

# अब दिल्ली में भी आयुष्मान योजना का रास्ता साफ

**नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** सत्ता परिवर्तन के बाद दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना का रास्ता साफ हुआ। इसका फायदा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित एक दर्जन से ज्यादा राज्यों के आयुष्मान भारत लाभार्थियों को भी मिलेगा, जिन्हें अभी तक दिल्ली के खासतौर पर प्राइवेट अस्पतालों में निःशुल्क इलाज की सुविधा नहीं है।

अगले कुछ माह में योजना के लाभार्थियों की सूची में इकलौते पश्चिम बंगाल के लोग योजना के लाभ से वंचित रहेंगे। वर्ष-2018 से लागू प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत देश के 34 राज्यों में 36.65 करोड़ से ज्यादा लोगों को ई-कार्ड जारी हुए हैं। यह सिलसिला जारी है। योजना के तहत देश के 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को लाभार्थी सूची में शामिल करना है। कुल 36.65 में से 8.59 करोड़ लाभार्थी अब तक निशुल्क उपचार का लाभ ले चुके हैं। इसके लिए सरकार ने करीब 1.20 लाख करोड़ रुपए खर्च किए। सत्ता परिवर्तन के बाद ओडिशा योजना का 34वां लाभार्थी राज्य बना। सूची में दिल्ली का स्थान 35वां होगा। स्वस्थ भारत के अध्यक्ष आशुतोष सिंह बताते हैं, सरकार चाहे किसी भी राजनीतिक दल की हो, जनहित योजनाओं का लाभ हर किसी को मिलना चाहिए। अभी तक दिल्ली ऐसी कई योजनाओं से वंचित रही है, जिसका लाभ यहां के लोगों को मिलना था। मौजूदा समय में ईडब्ल्यूएस यानी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को छोड़कर अन्य किसी भी योजना में प्राइवेट अस्पताल में निशुल्क उपचार सुविधा नहीं है। इसका लाभ भी उस तरह नहीं मिल रहा, जिस तरह सरकार को देना चाहिए जबकि 2007 में दिल्ली हाईकोर्ट का स्पष्ट आदेश भी है।

दिल्ली में करीब 66 बड़े अस्प-तालों में मरीजों को उपचार मिल रहा है, जिनमें दिल्ली सरकार के 30 और पांच अस्पताल केंद्र सरकार के अधीन हैं। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में इलाज मुफ्त है, लेकिन छह प्राइवेट अस्पताल सर गंगा राम, वीरांवाली अंतरराष्ट्रीय अस्पताल (दिल्ली अस्पताल सोसायटी), डॉ. विद्या सागर कौशल्या देवी मेमोरियल ट्रस्ट (विमहांस), मूलचंद खैराती राम अस्पताल, सेंट स्टीफन अस्पताल और आरबी सेठ जेसा राम अस्पताल (विस्तार के लिए अतिरिक्त भूमि पट्टी के साथ) के पास डीडीए से रियायती दरों पर प्राप्त भूमि है। इस तरह दिल्ली के सभी 11 जिलों में कुल 58 बड़े प्राइवेट अस्पताल हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के पात्र मरीजों को मुफ्त इलाज देने के लिए बाध्य हैं।

नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की रिपोर्ट बताती है कि आयुष्मान भारत योजना लागू होने के बाद दिल्ली के साथ करीब एक दर्जन से ज्यादा राज्यों के लाभार्थियों को फायदा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के अलावा सबसे ज्यादा मरीज उत्तर प्रदेश, हरियाणा और बिहार से यहां इलाज के लिए आ रहे हैं। वहीं, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम से भी मरीज दिल्ली आ रहे हैं। अभी दिल्ली में एम्स के अलावा सफदरजंग अस्पताल, डॉ. राम मनोहर लोहिया और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज सहित केंद्र सरकार के अधीन अस्पतालों में आयुष्मान के लाभार्थियों को उपचार मिल रहा है।

# सर्दी में सुधार के साथ ही प्रवासी पक्षी कश्मीर आने लगे

**जम्मू, 09 फरवरी (ब्यूरो)।** कश्मीर में सर्दी में सुधार के साथ ही प्रवासी पक्षियों की संख्या में वृद्धि होने लगी है। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है और बताया कि कश्मीर वादी में शून्य से नीचे के तापमान में कमी आने के साथ ही वेटलैंड्स में प्रवासी पक्षियों की संख्या में फिर से उछाल देखने को मिल रहा है और अधिकारी 15 से 20 फरवरी के बीच व्यापक पक्षी गणना की तैयारी कर रहे हैं।

वन्यजीव संरक्षण विभाग के वन्यजीव वार्डन (वेटलैंड्स) अल्ताफ हुसैन बताते हैं कि दिन और रात के तापमान में वृद्धि के साथ ही कश्मीर के वेटलैंड्स में प्रवासी पक्षियों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। विभाग प्रवासी पक्षियों की आबादी पर सटीक डेटा प्रदान करने के लिए अपनी वार्षिक पक्षी गणना की योजना भी बना रहा है। पिछले दो वर्षों में प्रवासी पक्षियों की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्तमान में, हमारे वेटलैंड्स में पक्षियों की अच्छी खासी संख्या है और पिछले साल के समान संख्या की उम्मीद है। पिछली गणनाओं में कश्मीर के वेटलैंड्स में 12 लाख से अधिक पक्षी दर्ज किए गए थे।

अल्ताफ हुसैन ने होकरसर वेटलैंड में जल स्तर को बनाए रखने में एक बड़ी सफलता पर प्रकाश डाला और कहा कि नवनिर्मित जल विनियमन द्वारों ने प्रभावी रूप से इष्टतम जल प्रतिधारण सुनिश्चित किया है। वे कहते थे कि ये गेट अनियंत्रित जल रिसाव को रोकते हैं, जिससे दशकों से सूखे पड़े क्षेत्रों को फिर से जलमग्न होने से बचाया जा सकता है, जिससे प्राकृतिक रूप से वेटलैंड के आवास को पुनः प्राप्त किया जा सकता है और अतिक्रमण को रोका जा सकता है। उनका यह भी कहना था कि अधिकारी हैगाम और शालबुग सहित अन्य प्रमुख वेटलैंडस पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जहां आवास की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे कहते थे कि गाद और अपशिष्ट संचय प्रमुख चुनौतियां बनी हुई हैं। इन मुद्दों को कम करने और वेटलैंड के पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने के लिए एक रणनीतिक योजना विकसित की जा रही है।

### उत्तराखंड के पूर्व सीएम निशंक की बेटी के साथ ठगी

# फिल्म का झांसा देकर लगाया 4 करोड़ का चूना

**देहरादून, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** उत्तराखंड के पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंक की बेटी आरुषि निशंक को फिल्म में अभिनय का झांसा देकर दो फर्जी प्रोड्यूसरों ने 4 करोड़ रुपए ठग लिए। पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंक की बेटी आरुषि निशंक उत्तराखंड की अभिनेत्री और फिल्म निर्माता हैं। वो कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम कर चुकी हैं। आरुषि को फिल्मों में काम और हिस्सेदारी का झांसा देकर उनके साथ चार करोड़ रुपए की ठगी कर ली गई। मामले की शिकायत दर्ज करा दी गई है और देहरादून पुलिस इसकी जांच में जुट चुकी है। इस धोखाधड़ी केस में देहरादून के कोतवाली शहर में मुंबई के दो फिल्म प्रोड्यूसर मानसी वरुण बागला और वरुण प्रमोद कुमार बागला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

आरुषि अपनी प्रोडक्शन कंपनी हिमश्री फिल्म्स के माध्यम से फिल्म निर्माण और अभिनय के क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। मानसी वरुण बागला और वरुण प्रमोद कुमार बागला ने उन्हें संपर्क करके खुद को मिनी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक बताया। इसके बाद दोनों ने उन्हें बताया कि वे आंखों की गुस्ताखियां फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें शनाया कपूर और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं। फर्जी प्रोड्यूसरों ने आरुषि से कहा कि इस फिल्म में एक और मुख्य भूमिका है, जिसे आरुषि को ऑफर किया। शर्त रखी गई कि उनको इसके लिए 5 करोड़ का इन्वेस्ट करना होगा। इसके बदले उनको मुनाफे का लालच दिया गया और कहा गया कि अगर मुनाफा होता है तो उन्हें इसका 20 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा।

यही नहीं, आरोपी प्रोड्यूसर ने आरुषि से ये भी वादा किया कि अगर आरुषि को स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई या फिर वो इससे संतुष्ट नहीं हुईं तो उनका जमा किया गया पैसा 15 फीसदी ब्याज के साथ लौटा दिया जाएगा। ऐसे में मानसी और वरुण दोनों ही आरोपियों पर आरुषि को भरोसा हो गया और 9 अक्टूबर 2024 को हिमश्री फिल्म्स और मिनी फिल्म्स के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर साइन किया गया। इसके बाद अगले दिन यानी कि 10 अक्टूबर को पहली किश्त 2 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। फिर बाद में किसी न किसी बहाने से उनसे पहले तो 25 लाख फिर 75 लाख और 19 नवंबर, 2024 को 1 करोड़ रुपए आरुषि से लिए। इस तरह से कुल मिलाकर 4 करोड़ की राशि एक्ट्रेस से ली गई। गौरतलब है कि आरुषि का विश्वास जीतने के लिए प्रोड्यूसर ने फिल्म के सेट पर एक भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन किया, जिसमें उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी हिस्सा लिया।

# दिल्ली विधानसभा चुनाव में पास हो गए सातों सांसद

### सांसद कमलजीत रहीं अव्वल, 10 में से नौ सीटें जितवाईं

### 123 बूथों में 115 पर हारे पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल

**नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** 27 साल बाद दिल्ली में सत्ता वापसी करने वाली भाजपा के सातों सांसद विधानसभा चुनाव की परीक्षा में पास हो गए। लेकिन सब अलग-अलग डिवीजन से पास हुए। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से सबसे ज्यादा भाजपा के विधायक जीते। यहां 10 में से नौ सीटें भाजपा ने जीत लीं। यहां की भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत हैं। उत्तर पूर्वी दिल्ली के भाजपा सांसद मनोज तिवारी और दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के क्षेत्रों में 10 में से पांच-पांच सीटों पर जीत मिली। पूर्वी दिल्ली और उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट की 10 सीटों में से आठ-आठ पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। हर्ष मलहोत्रा पूर्वी दिल्ली के भाजपा सांसद हैं और उत्तर पश्चिम दिल्ली के भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया हैं। नई दिल्ली पर सात और चांदनी चौक पर छह विधानसभा सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकलकर मुख्यमंत्री बने केजरीवाल को अपने ही विधानसभा क्षेत्र के 123 बूथों में से 115 पर हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को हराने वाले केजरीवाल को 64.34 फीसदी मत मिले थे। 2020 में यह अंतर कुछ ही कम हुआ और उन्हें 61.10 फीसदी मिले। इस बार के चुनाव में 43 फीसदी मत ही मिले। ऐसे में उनके मत फीसदी में 2015 की तुलना में लगभग 20 फीसदी की कमी आई।

चुनाव में 11 पार्षद व एक मनोनीत पार्षद और तीन पार्षदों के पति बाजी मारने में सफल रहे, वहीं छह पूर्व पार्षद भी विधायक बने। इनमें से कई ने दिल्ली के मंत्री, पूर्व मंत्री, विधायक व पूर्व विधायक को पटकनी दी। इन नवनिर्वाचित विधायकों में भी कई ऐसे नाम शामिल हैं, जिन्होंने दिल्ली के मंत्री, पूर्व मंत्री और विधायक को हराया, जिससे यह चुनाव और भी दिलचस्प हो गया। भाजपा के आठ और आम आदमी पार्टी के तीन पार्षद विधायक बनने में सफल रहे। वहीं भाजपा की दो महिला पार्षदों के पति व आपा की एक महिला पार्षद के पति ने जीत हासिल की, जबकि भाजपा के एक मनोनीत पार्षद भी जीते। विधायक बनने वाले सभी छह पूर्व पार्षद भाजपा के उम्मीदवार हैं। भाजपा पार्षद शिखा राय ने ग्रेटर कैलाश में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज को हराया।

इसके अलावा भाजपा पार्षद गजेंद्र दराल ने मुंडका, रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग, पूनम शर्मा ने वजीरपुर, उमंग बजाज ने राजेंद्र नगर, चंदन चौधरी ने संगम विहार से आपा विधायकों को चित किया। वहीं रविंद्र नेगी ने पटपड़गंज में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल चौधरी का हरा दिया, जबकि पार्षद नीलम पहलवान ने नजफगढ़ और मनोनीत पार्षद राजकुमार भाटिया ने आदर्श नगर में जीत हासिल की। बादली में भाजपा की महिला पार्षद के पति दीपक चौधरी ने आपा के विधायक अजेश यादव के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव को हराया। मादीपुर में भाजपा की महिला पार्षद के पति कैलाश गंगवाल ने राखी बिड़लान को हरा दिया।

विधानसभा चुनाव मे भाजपा के वोट शेयर में पिछले चुनाव की तुलना में करीब सात फीसदी की वृद्धि हुई है। वर्ष 2020 के चुनाव में भाजपा 38.51 फीसदी वोट हासिल कर आठ सीटों पर सिमट गई थी। इस बार इसमें 7.05 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं, आपा के वोट शेयर में बीते विधानसभा चुनावों की तुलना में 10% की गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2020 के चुनाव में आपा को 53.57 फीसदी वोट मिले थे, इस बार पार्टी 43.57 फीसदी वोट हासिल करने में ही कामयाब रही। इससे सीटों की संख्या में 40 की कमी आई है। 62 सीटों से घटकर आपा सिर्फ 22 सीटें जीती। दूसरी तरफ लगातार तीसरे चुनाव में भी कांग्रेस का खाता नहीं खुला है। फिर भी कांग्रेस के लिए थोड़ी राहत की खबर उसके वोट शेयर में हुए इजाफे से है। 2020 के चुनाव में कांग्रेस को 4.26 फीसदी वोट मिले थे। इस बार कांग्रेस को 6.34 फीसदी वोट मिले हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इस बार के चुनाव में फ्लोटिंग वोटरों की बड़ी भूमिका रही है।

# दिल्ली में कांग्रेस तीसरी बार शून्य पर आउट

### 67 सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों की जमानत जब्त

**नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।** दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी का लगातार तीसरी बार भी खाता नहीं खुला है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष समेत तीन उम्मीदवार ही जमानत बचाने में सफल रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों से साफ है कि कांग्रेस के लिए अभी दिल्ली दूर है।

जमानत बचाने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव सफल रहे हैं। उन्होंने बादली विधानसभा सीट पर 41071 वोट (27.22 फीसद) हासिल किया है। वह इस सीट पर तीसरे स्थान पर रहे हैं। इस सीट पर भाजपा उम्मीदवार अहीर दीपक चौधरी ने 61192 वोट पाकर जीत दर्ज की है। दूसरे स्थान पर आम आदमी पार्टी (आपा) उम्मीदवार अजेश यादव रहे हैं। इसके अलावा कस्तूरबा नगर से कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक दत्त ने 27019 वोट (31.98 फीसद) पाकर जमानत बचा ली है। वह इस सीट पर दूसरे स्थान पर रहे हैं। यहां पर भाजपा उम्मीदवार नीरज बैसोया को 37896 वोट मिले हैं। उन्होंने अभिषेक दत्त को 11048 वोट के अंतर से हराया है।

नांगलोई जाट विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार रोहित चौधरी 32028 वोट (20.1 फीसद) पाकर जमानत बचाने वाले तीसरे और अंतिम उम्मीदवार है। वह इस सीट पर तीसरे स्थान पर रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार मनोज कुमार शौकीन ने 75272 वोट हासिल करके विजय प्राप्त की है। चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा हैं। इसके अलावा कुछ सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार चौथे स्थान पर भी रहे हैं।

दिल्ली की सियासत का केंद्र रही नई दिल्ली विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित तीसरे स्थान पर रहे हैं। उन्हें 4568 वोट मिले हैं। उनकी जमानत भी जब्त हो गई है। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने आम आदमी पार्टी (आपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को 4089 वोटों से हराया है। बल्लीमारान सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार हारुन यूसुफ 13059 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर है। वह भी अपनी जमानत नहीं बचा पाए हैं। यहां आपा उम्मीदवार इमरान हुसैन 57004 वोटों से जीते हैं। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार कमल बागड़ी को 29823 वोटों से हराया है।

पटेल नगर विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार कृष्णा तीरथ को 4654 वोट मिले हैं। कृष्णा तीरथ की भी जमानत जब्त हो गई है। इस सीट पर आपा उम्मीदवार प्रवेश रत्न को सबसे ज्यादा 57512 वोट मिले हैं। इस सीट पर भाजपा उम्मीदवार राजकुमार आनंद को 53463 वोट मिले हैं। इन दोनों के बीच जीत का अंतर 4049 वोटों का रहा है। कालकाजी विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार अलका लांबा 4392 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अलका लांबा की भी जमानत जब्त हो गई है। इस सीट पर आपा उम्मीदवार व दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने 52154 वोट पाकर जीत दर्ज की है। दूसरे स्थान पर 48633 वोटों के साथ भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी को संतोष करना पड़ा। आतिशी ने रमेश बिधूड़ी को 3521 वोटों के अंतर से हराया है।

मुस्लिम बहुल मुस्तफाबाद विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार चौथे स्थान पर रहा है। कांग्रेस उम्मीदवार अली मेहदी को 11763 वोट मिले हैं। इस सीट पर भाजपा उम्मीदवार मोहन सिंह बिष्ट 85215 वोटों के साथ विजयी हुए हैं। आपा उम्मीदवार आदिल अहमद खान दूसरे और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्त-ेहादुल मुस्लिमीन उम्मीदवार ताहिर हुसैन तीसरे स्थान पर रहे। ओखला विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार अरीबा खान चौथे स्थान पर रहीं। उन्हें 12739 वोट मिले। इस सीट पर आपा उम्मीदवार अमानतुल्लाह खान 88943 वोट हासिल करके विजयी हुए। भाजपा उम्मीदवार मनीष चौधरी 65304 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के शिफा उर्रहमान खान 39558 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे हैं।

# राजौरी में रहस्यमय बीमारी का रहस्य अब तक उजागर नहीं

**जम्मू, 09 फरवरी (ब्यूरो)।** राजौरी के बडल गांव में रहस्यमयी मौतों को दो महीने से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी अधिकारी त्रासदी का सही कारण निर्धारित करने में असमर्थ हैं। व्यापक जांच के बावजूद, स्थानीय लोग अभी भी जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

याद रहे 7 दिसंबर, 2024 से, कुल 17 लोग, जिनमें 13 बच्चे शामिल हैं, अज्ञात बीमारी से मर चुके हैं।

हालांकि पिछले 20 दिनों में कोई नया मामला सामने नहीं आया है और पहले से भर्ती सभी मरीज ठीक हो गए हैं, लेकिन डर और अनिश्चितता गांव को जकड़े हुए है। स्थानीय निवासियों ने कहा कि सरकार के निवारक उपायों से संकट को रोकने में मदद मिली है, लेकिन वे मौतों के कारण के बारे में स्पष्टता की कमी को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्होंने अधिकारियों से जांच में तेजी लाने का आग्रह किया ताकि उचित सुरक्षा उपाय किए जा सकें और बिना किसी डर के सामान्य जीवन फिर से शुरू हो सके।

जांच की धीमी गति पर निराशा व्यक्त करते हुए, स्थानीय लोगों ने कहा कि इस मुद्दे को स्वास्थ्य आ-पातकाल के रूप में माना जाना चाहिए था और प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाना चाहिए था। वे कहते थे कि अंतर-मंत्रालयी प्रतिनिधिमंडल सहित उच्च स्तरीय टीमों के क्षेत्र का दौरा किए 20 दिन से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी कोई ठोस निष्कर्ष साझा नहीं किया गया है। पुलिस द्वारा गठित एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने कई व्यक्तियों से पूछताछ की है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला है। इस बीच, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने संक्रामक एजेंटों को कारण के रूप में खारिज कर दिया है और विषाक्त पदार्थों की संभावना पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। एम्स दिल्ली और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के विशेषज्ञों ने प्रभावित गांव का दौरा किया है, नमूने एकत्र किए हैं और वर्तमान में संभावित विषाक्त पदार्थों के लिए उनका विश्लेषण कर रहे हैं।

एक वरिष्ठ डाक्टर ने बताया कि जीएमसी राजौरी के सभी मरीज अब ठीक हो गए हैं और उन्हें निगरानी वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया है। डॉक्टर का कहना था कि प्रभावित व्यक्तियों को दिए गए एंटीडोट्स प्रभावी रहे हैं, लेकिन हमारे पास अभी भी मौतों के सटीक कारण के बारे में निर्णायक सबूत नहीं हैं। हम फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) से अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। जांचकर्ताओं ने पहले ही एल्डीकार्ब, कैडमियम और अन्य लवणों जैसे विषाक्त पदार्थों पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि अभी भी लंबित है। जिला प्रशासन स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है और आगे किसी भी तरह की घटना को रोकने के लिए गांव में कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि आगे कोई प्रगति नहीं हुई है और अधिकारी बदहाल के लोगों को घर लौटने की अनुमति देने से पहले सरकार की मंजूरी का इंतज़ार कर रहे हैं। अधिकारी कहते थे कि ठीक हो चुके मरीजों को फिलहाल उनके परिवार के सदस्यों के साथ अस्पताल के निगरानी वार्ड में रखा जा रहा है। हमें जल्द ही प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों से अंतिम रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद सरकार कोई फैसला लेगी।

# एफपीआई ने फरवरी के पहले सप्ताह में बाजार से 7,342 करोड़ निकाले

**दिसंबर, 2024 में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था**

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने चालू महीने के पहले सप्ताह में स्थानीय शेयर बाजारों से 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2024 में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि आगे चलकर बाजार की धारणा वैश्विक वृहद आर्थिक घटनाक्रमों, घरेलू नीतिगत उपायों और मुद्रा के उतार-चढ़ाव से तय होगी। आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने सात फरवरी तक भारतीय शेयरों से 7,342 करोड़ रुपये निकाले हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफपीआई की निकासी का एक प्रमुख कारण वैश्विक व्यापार तनाव था, क्योंकि अमेरिका ने कनाडा, मेक्सिको और चीन जैसे देशों पर शुल्क लगाया है, जिससे व्यापार युद्ध की संभावना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस अनिश्चितता की वजह से वैश्विक निवेशकों ने जोखिम न उठाने का विकल्प चुना है। इसके चलते वे भारत जैसे उभरते बाजारों से निकासी कर रहे हैं। भारतीय रुपया भी कमजोर होकर पहली बार 87 प्रति डॉलर से नीचे आ गया है। कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों का प्रतिफल घटता है और उनके लिए भारतीय संपत्तियां कम आकर्षक रह जाती हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ऋण या बॉन्ड बाजार में शुद्ध लिवाल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बॉन्ड में साधारण सीमा के तहत 1,215 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 277 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उल्लेखनीय है कि एफपीआई ने 2024 में भारतीय शेयरों में सिर्फ 427 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

## न्यूज ब्रीफ

### कोल इंडिया का सीएसआर पर खर्च अप्रैल-जनवरी में 36.5 फीसदी बढ़ा, एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने सीएसआर पर 364 करोड़ रुपये खर्च किए थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पर खर्च 36.5 प्रतिशत बढ़कर 497 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने सीएसआर पर 364 करोड़ रुपये खर्च किए थे। अधिकारी ने बताया कि घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली कंपनी सीआईएल अपने सीएसआर कोष का 70 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य सेवा, पोषण एवं स्वच्छता तथा शिक्षा एवं आजीविका पर खर्च करती है। कंपनी ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) में वह सीएसआर पर सबसे अधिक खर्च करने वाली कंपनी रही है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में ही सीएसआर पर 572 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बयान में कहा गया है कि कंपनी की सीएसआर गतिविधियों से 3.5 करोड़ लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। पिछले दशक के दौरान कोल इंडिया ने सीएसआर गतिविधियों पर 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

# आयात शुल्क कम होने के बाद सोने की तस्करी में आई कमी : सीबीआईसी प्रमुख

**जुलाई में सरकार ने सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था**

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने जुलाई, 2024 में कीमती धातु पर आयात शुल्क कम किया, जिसके बाद से सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। सरकार ने जुलाई, 2024 में सोने पर आयात शुल्क घटाकर छह प्रतिशत किया गया था। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सीमा शुल्क और डीआरआई अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की अवधि में देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 544 करोड़ रुपये मूल्य का 847 किलोग्राम सोना जब्त किया है। जुलाई में सरकार ने सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था। अधिकारी ने कहा कि पिछले साल के बजट में सोने पर शुल्क की दर कम किए जाने के बाद सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है। हालांकि उन्होंने जब्त किए गए सोने की मात्रा या मूल्य का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि अधिकारी किसी भी मार्ग से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात, सीमाओं और देश में आने वाले वाणिज्यिक कार्गो पर नियमित निगरानी रख रहे हैं। तस्करी, सीमा शुल्क या आयात या निर्यात प्रतिबंधों से बचने के लिए राष्ट्रीय सीमाओं के पार माल की गुप्त आवाजाही है। यह आमतौर पर तब होता है जब सीमा शुल्क इतना अधिक होता है कि तस्कर ऐसे उत्पादों को चोरी-छिपे लाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं। सीबीआईसी के तहत राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) भारत में तस्करी-रोधी क्षेत्र में भारतीय सीमा शुल्क की शीर्ष एजेंसी है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, अकेले डीआरआई अधिकारियों ने 1,319 किलोग्राम सोना जब्त किया था। यह 2023-24 में सीमा शुल्क अधिकारियों सहित सीबीआईसी द्वारा जब्त किए गए 4,869.6 किलोग्राम सोने का हिस्सा है। वर्ष के दौरान सीबीआईसी द्वारा 1,922 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। भारत में हवाई मार्ग के माध्यम से सोने की तस्करी एक प्रमुख माध्यम है।

## ग्लोबल एक्सपो में विनफास्ट ने नई कारों को किया पेश

नई दिल्ली। वियतनाम की इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी विनफास्ट ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अपनी नई कारों को पेश किया। कंपनी की नई कारों में विनफास्ट वीएफ 6 और विनफास्ट वीएफ 7 शामिल हैं, जिन्हें 2025 के फेस्टिव सीजन में भारत में लॉन्च किया जा सकता है। इसके अलावा, कंपनी ने पुष्टि की कि 2026 में वह अपनी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार विनफास्ट वीएफ 3 को भारतीय बाजार में उतारेगी। यह कॉम्पैक्ट कार अपने छोटे साइज के बावजूद चार लोगों के बैठने के लिए उपयुक्त होगी। विनफास्ट वीएफ 3 का डिजाइन बॉक्सी स्टाइल में तैयार किया गया है, जिसमें दो दरवाजे दिए गए हैं। इसका लुक एमजी कॉमेट ईवी से मिलता-जुलता है। इसमें हैलोजन हेडलाइट्स, ब्लैक क्लोज्ड-ऑफ ग्रिल और क्रोम बार दिया गया है। कार के आगे और पीछे ब्लैक-आउट सेक्शन, हैलोजन टेल लाइट्स और बॉडी क्लैडिंग दी गई है, जिससे यह ज्यादा स्टाइलिश लगती है। इस इलेक्ट्रिक कार के इंटीरियर में 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और 10-इंच की फ्लोटिंग टचस्क्रीन है, जो ड्राइवर डिस्प्ले का भी काम करती है। इसका ऑल-ब्लैक केबिन थीम स्लीक लुक देता है। कार में चार सीटें हैं, जिनमें पीछे बैठने के लिए आगे की सीट को मोड़ा जा सकता है। इसमें मैनुअल एसी और फ्रंट पावर विंडो जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें एबीएस, ईबीडी, कई एयरबैग्स और रियर पार्किंग सेंसर मौजूद हैं। विनफास्ट वीएफ 3 में 18.64 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 41 पीएस की पावर और 110 एनएम टॉर्क जनरेट करने वाली इलेक्ट्रिक मोटर से लैस है। यह कार एक बार चार्ज होने पर 215 किमी की रेंज देगी। फास्ट चार्जिंग से बैटरी 36 मिनट में 10 से 70 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है।

# सेक्टरों में मजबूत आर्थिक गतिविधि से 800 अरब डॉलर के पार होगा भारत का निर्यात

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)। भारत का निर्यात चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 800 अरब डॉलर को पार कर सकता है। इसका कारण है देश के सभी सेक्टरों में मजबूत आर्थिक गतिविधि का होना। सरकार द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि यूनियन कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर, पीयूष गोयल ने कहा कि निर्यात तेजी से बढ़ रहा है और पिछले चार सालों में इसमें काफी बढ़ोतरी हुई है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने कहा कि हम पहली बार 800 अरब डॉलर से ज्यादा निर्यात के साथ वित्तीय वर्ष समाप्त करेंगे। हालांकि घरेलू स्तर पर उपलब्धता की कमी और उच्च मांग के कारण पेट्रोलियम उत्पाद, कोकिंग कोयला, दालें और खाद्य तेल जैसे कुछ उत्पादों का आयात करना जरूरी हैं। घरेलू खपत बढ़ने के साथ आयात में वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि उन क्षेत्रों में उत्पादन इकाइयां स्थापित करने में कुछ साल लगेंगे। वैश्विक बाजार में कई श्रेणियों में भारत के उत्पादों की मांग बढ़ने के कारण, देश का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 778 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में यह 466 बिलियन डॉलर था, जो कि 67 फीसदी की भारी वृद्धि है।

गोयल के मुताबिक विश्व व्यापारिक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी भी 1.66 फीसदी से बढ़कर 1.81 फीसदी हो गई, जिससे देश रैंकिंग में 20वें से 17वें स्थान पर पहुंच गया। यह उपलब्धि तब हासिल हुई जब सरकार ने निर्यात वृद्धि को बनाए रखने और तेज करने के लिए कई पहल की। देश ने शीर्ष 10 वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं में अपनी रैंक बनाए रखने या सुधारने के साथ कई प्रमुख उत्पाद श्रेणियों के निर्यात में तेज वृद्धि दर्ज की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पर देश के रणनीतिक फोकस के प्रभावशाली परिणाम मिले हैं।

# प्रथम पृष्ठ का शेष...

## आतंकवाद और...

इसके अलावा यूएसएड ने अफगानिस्तान में नहरों, कृषि उपकरणों और उर्वरक पर करोड़ों डॉलर का खर्च किया। बाद में इन सब सुविधाओं का इस्तेमाल तालिबान ने किया और अफीम उगाई। उससे हेरोइन बना कर बेची। यानी, यूएसएड ने अफगानिस्ता को धन देकर ड्रग तस्करी का धंधा बढ़ाया।अमेरिकी दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि यूएसएड ने आतंकी समूहों को खुब पैसे दिए। उन आतंकी समूहों को भी धन दिए जिन्हें अमेरिका ने टेरर ऑर्गनाइजेशन घोषित कर रखा है। इनमें हाफिज सईद का लश्कर-ए-तैयबा तो है ही, इसके अलावा फलाह-ए-पाकिस्तान जैसे संगठन भी हैं जिसे यही आतंकी चैरिटी संगठन के तौर पर चलाते हैं और इनके जरिए मदद प्राप्त करके अपनी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। फलाह-ए-पाकिस्तान का सीधा कनेक्शन आतंकी हाफिज सईद से है। साल 2010 में अमेरिकी विभाग उसे आतंकी संगठन भी घोषित कर चुका है, लेकिन बावजूद इसके यूएसएड इतने समय से उसे फंड देने में लगा था। 2019 में आतंकी संगठन को यूएसएड ने 110,000 डॉलर की मदद दी थी। यूएसएड ने साल 2021-23 से यूएसएड ने हेल्पिंग हैंड फॉर रिलीफ एंड डेवलपमेंट को भी फंडिंग की है। एचएचआरडी एक मिशिगन स्थित पाकिस्तानी संगठन है, जो लश्कर-ए-तैयबा और जमात-ए-इस्लामी से जुड़ा हुआ है।

80 प्रतिशत से अधिक हिंदू आबादी वाले नेपाल में यूएसएड ने नास्तिकता फैलाने के लिए खूब पैसा बहाया। नेपाल में नास्तिकता बढ़ाने के लिए यूएसएड ने पांच लाख डॉलर दिए। नेपाल में ईसाई धर्म को बढ़ाने के भी कुकृत्य बेतहाशा चल रहे हैं। यूएसएड के धन से हिंदू आबादी को नास्तिक बनाने और फिर मिशनरियों के प्रयास से उन्हें ईसाई बनाने का प्रयोग चल रहा था। यूएसएड ने सबसे ज्यादा पैसा दुनिया भर में जेंडर आइडियोलॉजी के नाम पर विकृत सेक्स की मनोवृत्ति आगे बढ़ाने के लिए दिया। इसके तहत कैरिबियन देशों में केवल इस बात के लिए 3 मिलियन डॉलर दिए गए कि कोई अपने आप को विकृतलिंगी के रूप में घोषित करे। यानी वह महिला और पुरुष की पहचान से बाहर निकले, तो उसे अवार्ड मिलेगा। यूएसएड ने इसके अलावा कोलंबिया में ट्रांसजेंडर ओपेरा के लिए 40 लाख डॉलर से अधिक खर्च किया। विकृत सेक्स से संबंधित एडल्ट शो के लिए इक्वाडोर में 65 लाख डॉलर की राशि दी गई। इसी तरह अफ्रीका में फ्रेंच बोलने वाले विकृतलिंगियों को बढ़ाने के लिए 8 करोड़ से ज्यादा खर्च किया गया। ग्वाटेमाला में अपना सेक्स चेंज करवाने के लिए यूएसएड ने 17 करोड़ से अधिक दिए। यहां तक कि पेरू की एक विकृतलिंगी पात्रों वाली कॉमिक के लिए 27 लाख से अधिक दिए गए। सीरिया में अल कायदा के लड़ाकों को खाना देने के लिए खर्च यूएसएड ने किया। अमेरिका में अवैध रूप से घुसने वाले लोगों को 90 करोड़ से अधिक वाउचर दिए, जिससे वह खरीददारी कर सकें। यूएसएड ने ग्वाटेमाला में सेक्स परिवर्तन और विकृतलिंगी एक्टिविज्म के लिए 2 मिलियन डॉलर की मदद की, जमायका में विकृतलिंगियों के कार्यों को सफल कराने के लिए 1.5 मिलियन डॉलर (13,13,61,049) दिए, अमेरिका में ही उद्यमों के जरिए विकृतलिंगी समाज को समानता दिलाने के लिए 2 मिलियन डॉलर दिए और युगांडा में भी इन्हीं काम के लिए 5.5 मिलियन डॉलर दिए गए।

उल्लेखनीय है कि 1960 में अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने पिछड़े और विकासशील देशों की मदद के लिए यूएसएड की शुरुआत की थी। जिसकी स्थापना अंतरराष्ट्रीय विकास और मानवीय सहायता के लिए की गई थी, वह दुनियाभर में आतंकवाद और विकृत सेक्स फैलाने पर धन खर्च कर रहा था। दुनियाभर में यूएसएड के करीब 10,000 कर्मचारी हैं और इसका सालाना बजट करीब 40 अरब डॉलर है। यूएसएड के सभी कर्मचारियों को वापस लौटने और काम बंद करने का निर्देश दे दिया गया है।

## 31 नक्सली...

सुबह से ही रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है। बस्तर आईजी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के बड़े कैडर को घेरकर कार्रवाई शुरू की थी। इसमें डीआरडी, एसटीएफ, कोबरा 2022 और सीआरपीएफ 222 बटालियन की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया था। इस मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए हैं और सभी के शवों को बरामद कर लिया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों के प्रति शोक जताया है। उन्होंने कहा, जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मार्च 2026 तक हमारा प्रदेश नक्सलवाद मुक्त होकर रहेगा। इस दिशा में सुरक्षाबल के जवान निरंतर सफलता हासिल कर लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। देश-प्रदेश में कैंसर रूपी नक्सलवाद का अंत तय है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, जिला बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र के अंतर्गत मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए हैं। दो जवानों की जान चली गई है। दो जवान घायल हो गए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इससे पहले अक्टूबर 2024 को दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले के सीमा पर थुलथुली गांव में 35 नक्सली मारे गए थे। 16 अप्रैल 2024 को हुई मुठभेड़ में भी 33 नक्सली ढेर हुए थे। फरवरी 2025 को बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र के तोड़का जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में आठ नक्सलियों को मार गिराया गया था। मौके से इंसास रायफल, बीजीएल, 12 बोर बंदूक बरामद की गई थी। इस मुठभेड़ में डीआरजी के दो जवान मामूली रूप से घायल हुए थे। इसके पूर्व 21 जनवरी 2025 को गरियांबद जिले में 14 नक्सली मारे गए थे। 16 अप्रैल 2024 को कांकेर में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे। 30 अप्रैल 2024 को भी 9 घंटे तक चली मुठभेड़ में जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया था। बूझमाड़ के टेकामेटा के जंगलों में डीआरजी और एसटीएफ के जवानों का सामना नक्सलियों से हुआ था। मारे गए नक्सलियों में 3 महिला और 7 पुरुष माओवादी शामिल थे। प्राथमिक तौर पर मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों में से 2 की शिनाख्तगी डीवीसीएम जोगन्ना और डीवीसीएम विनय उर्फ अशोक के रूप में हुई थी। इस साल बस्तर रेंज में 141 माओवादी ढेर हो चुके हैं। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी ने बताया कि वर्ष 2024 में अब तक प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई नक्सली संगठन के विरुद्ध चले अभियानों में बस्तर रेंज के तहत कुल 141 नक्सलियों के शव बरामद करने के साथ ही अत्याधुनिक हथियारों में दो एलएमजी, चार एके-47- 04, एक एसएलआर, तीन इंसास, चार 303 राइफल और चार 9एमएम पिस्टल सहित बड़ी संख्या में अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद हुई हैं।

## उपराज्यपाल ने ...

भाजपा ने शनिवार को दिल्ली चुनावों में ऐतिहासिक जनादेश जीता, आपा को बाहर करके 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में वापसी की। भाजपा ने 70 में से 48 सीटें हासिल कर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया, जबकि आपा 22 सीटों पर आ गई। आतिशी तो चुनाव जीत गईं, लेकिन आपा प्रमुख अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कई शीर्ष नेता चुनाव हार गए। भाजपा के प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली सीट पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पराजित किया। दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन होगा, इसे लेकर गृह मंत्री अमित शाह के घर पर बैठक हुई। इसमें जेपी नड्डा, बैजयंत पांडा समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं, इसलिए दिल्ली में मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण प्रधानमंत्री के अमेरिका से लौटने के बाद ही होगा। इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री पद को लेकर तमाम कयास लगते रहेंगे और इसी मुद्दे पर मीडिया भी पतंगबाजी करता रहेगा। प्रवेश वर्मा से लेकर विजय गोयल, मनोज तिवारी, बांसुरी स्वराज के नाम की पतंगें घोषणा होने तक सियासी आसमान में लहराती रहेंगी।

## वायुसेना और...

जनरल द्विवेदी ने कहा कि काश एयर चीफ मार्शल उनसे पहले मिलते, तो वह वायुसेना में शामिल हो जाते। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वह वायुसेना में होते, तो लड़ाकू पायलट बनते।जनरल द्विवेदी ने कहा कि आज से एयर चीफ मार्शल एपी सिंह उनके गुरु हैं, क्योंकि उन्होंने उन्हें कई तरह की भूमिकाएं और गतिविधियां आसमान में करने के लिए प्रेरित किया। जनरल द्विवेदी ने इस उड़ान का आनंद लिया। उन्होंने बताया कि इसमें काफी चुनौतियां थीं। उन्होंने वायुसेना के पायलटों द्वारा उठाए जाने वाली चुनौतियों की सराहना की और कहा कि इसके लिए बेहतरीन तालमेल की जरूरत होती है। एलसीए तेजस भारतीय वायुसेना और नौसेना के लिए एक भारतीय लड़ाकू विमान है, जिसे एडीए (एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी) द्वारा डिजाइन किया गया है और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा निर्मित किया गया है।एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) एक अत्याधुनिक 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जो भारतीय वायुसेना के लिए डिजाइन किया गया है। यह एक मध्यम भार श्रेणी का विमान है, जिसका कुल वजन लगभग 25 टन है और यह मल्टी-रोल (अनेक कार्य करने में सक्षम) ट्विन इंजन वाला है। इसे भारतीय एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी ने विकसित किया है। एएमसीए की खासियत यह है कि यह स्टील्थ तकनीक से लैस है, यानी यह दुश्मन के रडार से कम पकड़ा जाएगा। इसमें कई उन्नत तकनीक हैं, जैसे कि एआई-संचालित इलेक्ट्रॉनिक पायलट, जो पायलट को बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें स्वचालित लक्ष्य पहचान, खराब दृश्यता में नेविगेशन के लिए संयुक्त विजन सिस्टम और मल्टी-सेंसर डेटा फ्यूज़न जैसी उन्नत तकनीक शामिल हैं।

गौरतलब है कि यह विमान न केवल युद्ध के मैदान में प्रभावी रहेगा, बल्कि यह मानवयुक्त और मानवरहित विमानों के साथ मिलकर काम करने के लिए भी तैयार होगा। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय वायुसेना को आधुनिक और सक्षम लड़ाकू विमान प्रदान करना है, जो भविष्य की सैन्य जरूरतों के अनुसार कार्य कर सके।

## मणिपुर के...

कांग्रेस की ओर से अविश्वास प्रस्ताव की धमकी, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के समर्थन वापस लेने और पार्टी के अंदरूनी लोगों के विरोध के चलते उन्हें इस्तीफा देने पर मजबूर होना पड़ा। बता दें कि कॉनराड संगमा की एनपीपी के समर्थन वापस लेने के बाद भी मणिपुर में भाजपा के पास बहुमत था। लेकिन संभावना थी कि फ्लोर टेस्ट की स्थिति में कुछ विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं। ये विधायक पार्टी नेतृत्व में बदलाव की मांग कर रहे थे।

## न्यायिक प्रक्रिया में ...

आपराधिक मामले लंबित थे, जिनमें 892 मामले 2024 में दर्ज किए गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि लोकसभा के मौजूदा 543 सदस्यों में से 251 पर आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 मामले गंभीर अपराधों से जुड़े हैं, जिनकी सजा पांच साल या उससे अधिक हो सकती है। उन्होंने कहा कि विशेष अदालतों में सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों में सुनवाई अन्य सामान्य मामलों के साथ होती है, जिससे देरी होती है। उन्होंने शीर्ष कोर्ट से यह भी अपील की कि मामले तीन साल से अधिक समय से लंबित होने पर उनकी प्रति-दिन सुनवाई की जाए और दो बार सुनवाई में हाजिर न रहने वाले आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे, जिसमें विशेष अदालतों को इन मामलों को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया था।

## वेलजन ग्रुप...

राव के घर गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जब तेजा की मां कॉफी लाने गईं, तो तेजा और राव के बीच सम्पत्ति के बंटवारे को लेकर बहस शुरू हो गई।

पुलिस ने शुरुआती जांच का हवाला देते हुए बताया कि तेजा ने चाकू निकाला और अपने दादा पर हमला कर किया। बचपन से ही उसके प्रति दादा का व्यवहार ठीक नहीं था और वह सम्पत्ति बांटने से इनकार कर रहे थे।। जब पुलिस अधिकारियों से उन खबरों के बारे में पूछा गया कि राव पर कथित तौर पर 70 से अधिक बार चाकू से वार किया गया, तो उन्होंने कहा कि चाकू के कई घाव थे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर सटीक संख्या की पुष्टि की जाएगी। पुलिस ने बताया कि आरोपी हाल ही में मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद अमेरिका से हैदराबाद लौटा था।पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वेलजन की वेबसाइट के अनुसार, 1965 में स्थापित कंपनी को जहाज निर्माण, ऊर्जा, मोबाइल और औद्योगिक क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए पूर्ण समाधान प्रदान करने में विशेषज्ञता हासिल है।

## पिछड़ा वर्ग...

लेकिन मौजूदा सरकार के सर्वेक्षण में राज्य में पिछड़ा वर्ग की आबादी 46 प्रतिशत बताई गई है। इस बीच तेलंगाना के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शनिवार को जाति सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर पिछड़ी जातियों के संगठनों के नेताओं से मुलाकात की।गौरतलब है कि तेलंगाना में किए गए जातीय सर्वेक्षण में राज्य की कुल 3.70 करोड़ की आबादी में पिछड़ी जातियों का प्रतिशत 46.25 है। इनके अलावा अनुसूचित जातियां (17.43 प्रतिशत) अनुसूचित जनजाति (10.45), मुसलमान (10.08) और अन्य जातियां (13.31) हैं। तेलंगाना में कांग्रेस ने जातीय सर्वेक्षण कराने का वादा किया था। उसी वादे के तहत यह जातीय सर्वेक्षण कराया गया है। हाल ही में तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने भी पिछड़ा वर्ग में मुस्लिम वर्ग को शामिल करने पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि इससे राज्य के पिछड़ा वर्ग के हित प्रभावित होंगे।

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 10 फरवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

# पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 140वां स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना जयसवाल सेवा समिति के सहयोग से 140वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर गोशामहल स्थित हिन्दी नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर में एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच की गई। जिसमें किशोर छारिया, गवर्नेंस समिति, शिविर टीम, ऑप्टोमेट्रिस्ट, पी.विजयश्री, लक्ष्मण, भरत, रुहुल, शिविर संयोजक, यादगिरी, भास्कर, सलमान ने अपना सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर 83 रोगियों को चश्मे वितरित किये गये तथा 6 लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाएगा।

शिविर में किम्स सनशाइन अस्प-ताल द्वारा सामान्य जांच डॉ.अखिल सुगंधी, डॉ. मीनल सुगंधी द्वारा की गई। साथ ही ईएनटी, आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप आदि की जांच की गई। अवसर पर डॉ निहारिका (ऑर्थो), डॉ. रेड्डी कुमारी (सामान्य चिकित्सक), निरोशा (नर्सिंग), निर्मल (2डी इको), मोहन (बीएमडी), प्रियंका (नर्सिंग) अलीना थॉमस (नर्सिंग) की सेवा प्रदान की।

इस अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा दो लोगों को सहायता प्रदान की गई। इस मौके पर ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा दांतों की जांच की गई। फिजियोथैरेपी की व्यवस्था, बजाज फिजियोकेयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की गई। कार्यक्रम में शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, तेलंगाना जयसवाल सेवा समिति अध्यक्ष एवं पार्षद राकेश जयसवाल, पार्षद शंकर यादव, पार्षद लाल सिंह, अशोक जयसवाल, संजय जयसवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अग्रवाल सेवा दल के कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, दीपक गुप्ता, मयूर, काजल कुशवाहा, अज्जू भाई, हरिनाथ, बाबू राजा, विजय, नरसिंह, रामू, आशा राजपूत, राम कृष्ण, संदीप जैन, स्वयंसेवक अजय तुलस्यान, सुनैना नरसरिया, अरुणा तुलस्यान, बबीता अग्रवाल, राधेश्याम बियानी, अग्र महिला मंच की अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, समाज सेवी शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती इंजीनियरिंग के सदस्य ने अपना सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। शिविर का करीब 266 लोगों ने लाभ लिया।

शुभ लाभ के सर्वेसर्वा, प्रधान संपादक एवं उद्योगपति श्री गोपाल अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट कर उनका सम्मान करते हुए गुलबर्गा भाजपा नेता रवि।

# अत्तापुर में श्री श्याम निशान यात्रा की तैयारियां जोरों पर

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर (सूरजगढ़ निशान) के तत्वावधान में फाल्गुन की एकादशी के अवसर पर आगामी 10 मार्च, 2025 को आयोजित होने वाली श्री श्याम निशान यात्रा की तैयारी को लेकर रविवार, 09 फरवरी को रामबाग राम मंदिर में मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में श्री श्याम प्रेमी कार्यकर्ताओं को दी गई जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई। निशान यात्रा के संयोजक पवन नालपुरिया ने बताया कि इस बार चमत्कारी सूरजगढ़ श्री श्याम निशान सूरजगढ़ (राजस्थान) से 28 फरवरी को पूजा अर्चना के पश्चात मुरारी लाल शर्मा एवं संदीप शर्मा लेकर आएंगे। जिनका स्वागत मंडल द्वारा रेलवे स्टेशन पर किया जाएगा । इसके अलावा बैठक में श्री श्याम मंदिर समिति काचीगुड़ा के तत्वावधान में आगामी 23 फरवरी को चारमीनार शिव मंदिर से काचीगुड़ा श्याम मंदिर तक आयोजित विशाल श्री श्याम निशान एवं रथ यात्रा में रथ सेवा के लिए वालंटियर के रूप में 40 सदस्य देने का एवं मुस्लिम गंज से पहले मंदिर के पास से गुजरने वाली श्री श्याम निशान रथयात्रा का स्वागत वहां स्वागत मंच लगाकर किया जाएगा। जिसमें श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर निशान यात्रा में मौजूद श्याम प्रेमियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा तथा उनके लिए जलपान की व्यवस्था की जाएगी। इस सेवा की जिम्मेदारी मूलचंद शर्मा, राजेश कुमार साबू, हरि सिंह शेखावत, नरेंद्र जांगिड़, डालूराम, पवन नालपुरिया, सोहनलाल नेहरा, महावीर पटेल, राजेंद्र अग्रवाल ,सुरेश कुमार मोदी, भंवरलाल थोलिया, अशोक शर्मा, लालचंद अग्रवाल ,मान प्रकाश शर्मा, मुरारी लाल शर्मा, संदीप शर्मा, अभिषेक अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, राजेश सराओगी, सुनील कुमार भूत ने लिया है। रथ यात्रा के सम्मान में अन्य व्यवस्था पवन नालपुरिया एवं अशोक शर्मा भरत नगर करेंगे। इसके अलावा बैठक में श्री श्याम निशान यात्रा की तैयारी को लेकर अनेक बिंदुओं पर चर्चा की गई । बैठक का संचालन निशान यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया ने किया।

सांवरिया भक्त मंडल द्वारा आगामी शनिवार दि. 15 फरवरी को बालाजी कन्वेंशन, शमशाबाद में आयोजित होने वाले 15वें श्री श्याम बाबा फाल्गुनी वार्षिक महोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार दि. 09 फरवरी को एक बैठक का आयोजन राम श्याम उर्दू गली में की गई। बैठक में जय कुमार भारतीय, शशि नारायण संघी, राहुल अग्रवाल, मदन लाल अग्रवाल, मोहित कौशिक, सुनील परवाल, रमेश मोदानी, दिनेश पंसारी, आशीष अग्रवाल, दिलीप हरजानी, श्याम जाजू, हितेश हरजानी, सत्यम अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, अविनाश गुप्ता, बजरंग कछवाहा, रितेश सांघी, गौरव संघी, विकास खंडेलवाल एवं तुषार जैन उपस्थित थे।

श्री आईजी गौशाला बालाजी नगर में श्री श्री 1008 श्री गुललाराम महाराज सेव संघ ने मंडल हैदराबाद में पूणा से पधारे सन्त श्री जीतारामम‍हाराज का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर गौशाला परिवार व अन्य गोभक्त उपस्थित रहे।

# जन सेवा संघ उप्पल क्षेत्र की बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जन सेवा संघ उप्पल क्षेत्र के अध्यक्ष सरूप जाट की अध्यक्षता में उप्पल क्षेत्रीय बैठक की बैठक सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे ने बताया कि बैठक में एरिया को मजबूत करना एवं सदस्यता अभियान बढ़ाने पर जोर दिया गया । उक्त बैठक में विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें उप्पल के ओम प्रकाश की समस्या पर विचार विमर्श हुआ। तत्पश्चात यह निर्णय लिया गया कि सूर्यपेट पुलिस से मिलकर बात की जाए और समस्या का समाधान के लिए प्रयास किया जाए ।

उक्त बैठक में जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर पी सिंह उपस्थित हुए और उन्होंने सभी सदस्यों को जन सेवा संघ के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि संस्था को मजबूत करना है जिससे आपकी सुरक्षा हो सके। अगर आप सुरक्षित रहेंगे तभी समाज, देश और लोगों की सेवा कर पाएंगे । उन्होंने उप्पल के सभी सदस्यों को सदस्यता नवीकरण पर जोर दिया।

इस अवसर पर आर पी सिंह, स्वरूप जाट, तुलसाराम राम, संग्राम चौधरी, नारायण राम, चेलाराम, भीखाराम, ओम प्रकाश, राजू, कानाराम, पंकज शर्मा, जितेन्द्र बर्फा, संतोष दास, गौतम, प्रकाश मुंडेल, राम प्रवेश सिंह, काशू कुमार, ओम प्रकाश वैष्णव विजय कुमार आदि उपस्थित हुए ।

जैन भवन रामकोट में शाकद्विपीय मंत्र ब्राह्मण संघ द्वारा वार्षिक कार्यक्रम में राजस्थानी ब्राह्मण सभा एवं विप्र फाउण्डेशन जोन-16 के महासचिव रामदेव नागला का स्मृतिचिह्न प्रदान कर सम्मान करते हुए संघ के पदाधिकारी, सदस्य एवं महिला पदाधिकारी।

सीरवी समाज तेलंगाना बालाजी नगर अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हिरालाल चोयल ने सर्व समाज के पदाधिकारियों का सम्मान किया । इस अवसर पर समस्त कार्यकारणी पदाधिकारी व समाज बन्धु उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा द्वारा सिटी कॉलेज, हाईकोर्ट के पास जरूरतमंदों में अल्पाहार सेवा की गई। इस सेवा में अनिल धरसुवाला, मनोज मित्तल, मनोज गौशालावाले, महेश कानोडिया, नारायण, यश अग्रवाल, उदय, शर्मिला अग्रवाल, हेमा अगवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरेज डेटा कमेटी की 59वीं बैठक सम्पन्न

**हैदराबादा, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की 59वीं बैठक समाज कार्यालय में आयोजित की गई ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कमेटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज में पिछले 18 महीने में अग्रबंधुओं द्वारा जमा करवाए गए उनके बालक एवं बालिकाओं के बायोडेटा में से अभी तक 170 रिश्ते नक्की हुए हैं ।

उन्होंने कहा कि समाज कार्यालय में हर रविवार को प्रातः 11 से 1-30 बजे तक निरंतर हो रही है। इसके अतिरिक्त चेयरमेन एवं कमेटी के अन्य सदस्यों के निवास एवं कार्यालय पर प्रतिदिन अग्रबन्धु इस सेवा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं ।

उक्त बैठक में मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंदलाल अग्रवाल, वाईस चेयरमेन गोविंद अग्रवाल, सतीश कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला, एक्यूपंक्चर के डॉ. बाल किशन सुरेखा एवं अन्य बालक बालिकाओं के अभिभावकगण उपस्थित थे।

# तेलंगाना बजट 2025-26 मार्च में पेश होने की संभावना

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना राज्य का 2025-26 का बजट मार्च में पेश किए जाने की उम्मीद है, जिसमें कांग्रेस सरकार 15 फरवरी के बाद होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों को प्राथमिकता दे रही है। यह फरवरी में बजट पेश करने की हालिया प्रथा से हटकर मार्च में बजट पेश करने की पुरानी परंपरा की ओर लौट रहा है। राज्य के पास अगले वित्तीय वर्ष के लिए 31 मार्च से पहले अपना बजट पेश करने की सुविधा है, और यह अभ्यास पारंपरिक रूप से मार्च के दूसरे या तीसरे सप्ताह में आयोजित किया जाता था।

हालांकि, केंद्रीय बजट के फरवरी की शुरुआत में पेश किए जाने के बाद, तेलंगाना पिछले कुछ वर्षों से अपने कार्यक्रम को उसी के अनुसार व्यवस्थित कर रहा है। समय सीमा नजदीक आने के बावजूद, बजट की तैयारियां मंत्री स्तर पर धीमी गति से आगे बढ़ती दिख रही हैं। दिसंबर से, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने

केवल एक समीक्षा बैठक की है, और उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने अभी तक विभागीय परामर्श नहीं बुलाया है। हालांकि, अधिकारियों ने कथित तौर पर प्रारंभिक बजट का मसौदा तैयार कर लिया है और अंतिम समीक्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

विभागीय परामर्श में देरी का कारण कांग्रेस सरकार की मौजूदा एमएलसी चुनावों और उसके बाद स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना को माना जा रहा है। बढ़ती आलोचना के बीच, मुख्यमंत्री तीनों एमएलसी सीटें और ग्राम पंचायतों, एमपीपी (मंडल प्रजा परिषद) और जेडपीपी (जिला प्रजा परिषद) सहित अधिकांश स्थानीय निकाय चुनाव जीतने के इच्छुक हैं, ताकि पार्टी के भीतर और बाहर भी अपनी ताकत साबित कर सकें, जिससे उन्हें राजनीतिक मुद्दों और नियमित प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया जा सके। वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि तकनीकी कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन आने वाले हफ्तों में मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के साथ आगे की समीक्षा बैठकों के बाद बजट को परिष्कृत किया जाएगा।

उन्होंने कहा, मंत्रिस्तरीय चर्चाओं के बाद 2025-26 के लिए अंतिम बजट अनुमान अभी निर्धारित नहीं किए गए हैं। मार्च के तीसरे सप्ताह में बजट पेश किए जाने की संभावना है। उन्होंने परिव्यय को अंतिम रूप देने से पहले मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वारा मैराथन बजट समीक्षा बैठक आयोजित करने की संभावना से इनकार नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने पिछले साल जुलाई में 2024-25 के लिए 2.91 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अपना पहला पूर्ण बजट पेश किया था, जो पिछली बीआरएस सरकार के 2023-24 के 2.9 लाख करोड़ रुपये के बजट से थोड़ा अधिक था।

जीडिमेटला, सुचित्रा सुभाषनगर स्थित राजस्थानी विश्वकर्मा संघ जांगिड़ सुथार समाज ट्रस्ट हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के सान्निध्य में आयोजित विश्वकर्मा जयंती समारोह में पुजा-अर्चना के पश्चात भजन गायक मदनपुरी बस्तवा महराज ने भजन प्रस्तुत किये। सोमवार दि 10 फरवरी को प्रात: 11.00 बजे पुजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम रहेगा। भजन कार्यक्रम में अध्यक्ष नेमीचन्द जांगिड़ एवं पदाधिकारी व समाज बन्धु उपस्थित थे।

# हरीश राव ने किसानों को बोनस के रूप में 432 करोड़ तुरंत जारी करने की मांग की

**सिद्दीपेट, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने बढ़िया किस्म के चावल पर 500 बोनस देने का वादा पूरा नहीं किया है। रविवार को सिद्दीपेट में पत्रकारों से बातचीत में हरीश राव ने कहा कि 48 दिन पहले धान की खरीद पूरी होने के बाद भी बोनस के 432 करोड़ बकाया हैं। राव ने याद दिलाया कि नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने धान की खरीद के 48 घंटे के भीतर बोनस जारी करने का वादा किया था। पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर सभी किसानों को बिना किसी देरी के उन्होंने कहा कि 8.64 लाख टन बढ़िया किस्म के चावल का बोनस अभी भी बकाया है। किसानों के दफ्तरों के चक्कर लगाने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि महबूबनगर जिले के मुचिनथला के किसानों ने हाल ही में कलेक्टर से मुलाकात कर बोनस जारी करने की मांग की थी। खुले बाजार में भले ही बढ़िया चावल 2,800 से 3,000 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा था, लेकिन किसानों ने बोनस की उम्मीद में इसे सरकारी खरीद केंद्रों पर बेच दिया था। लेकिन कांग्रेस सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया। हरीश राव ने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस वास्तव में सभी फसलों पर बोनस देने का वादा करके सत्ता में आई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्जमाफी को पूरा करने में विफल रही है और साथ ही पहले किए गए कई वादों को भी तोड़ दिया है।

## सिद्दीपेट की महिला की गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से मौत

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सिद्दीपेट की एक युवती जिसे पिछले सप्ताह गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के साथ एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, रविवार को हैदराबाद में उसकी मौत हो गई। महाराष्ट्र में न्यूरोलॉजिकल बीमारी के हाल ही में प्रकोप के बाद से तेलंगाना राज्य में जीबीएस की मौत का शायद यह पहला मामला है, महिला की हालत गंभीर थी और वह कई दिनों से वेंटिलेटर सपोर्ट पर थी। रिपोर्ट के अनुसार, महिला 31 जनवरी से एक निजी अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थी और उसकी हालत गंभीर थी।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई. जगन (चंपापेट), प्रभाकर जी, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, अशोक गुप्ता एस.जे, प्रीतिका अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, डॉ चंद्रकला अग्रवाल,अमित गोयल, रश्मित गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## मीरपेट कुकर हत्याकांड तीन अन्य ने किया आरोपी को सहयोग

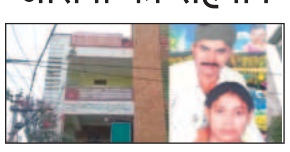

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पूरे देश में हड़कंप मचाने वाले मीरपेट कुकर हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। पुलिस ने संदेह व्यक्त किया है कि हत्या की शिकार वेंकटमाधवी को मारने के लिए तीन अन्य ने आरोपी गुरुमूर्ति को सहयोग किया है। इनमें दो महिलाएं शामिल है।खबर है कि इस समय ये तीनों फरार है। ये तीन कौन है और कहां है इसका पता लगाने के लिए पुलिस आरोपी गुरुमूर्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। यह सूचना है कि तीनों के नाम पुलिस ने एफआईआर में दर्ज किया है।

काचीगुडा स्थित पटेल घनश्याम भवन में प्रह्लाद खत्री के सुपुत्र मनीष संग योगाराम की सुपुत्री कुमकुम का स्वागत समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित खत्री समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता देवीलालजी खत्री, दिनेश गोसर, रिद्धिश जागीरदार, दिर्गेश निसर, समेश मोता एवं अन्य।

राष्ट्रीय मांग गारोडी क्रांति सेना द्वारा दिलीप नाडे को सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत करने पर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं देते हुए समाज के कार्यकर्ता व भाजपा नेता बालाजी हिवरे। इस अवसर पर उत्तम मानकर (राष्ट्रीय अध्यक्ष मांग गारोडी समाज) व नांदेड़, नागपुर, हैदराबाद व दिल्ली के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# हैदराबाद में यातायात को आसान बनाने के लिए 7,032 करोड़ की परियोजना शुरू की

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हैदराबाद शहर में बढ़ते यातायात जाम से निपटने के प्रयास में, तेलंगाना सरकार ने 7,032 करोड़ की लागत वाली हैदराबाद इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रांसपेरेंसी इनोवेटिव (एच-सीटी) परियोजना शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य हैदराबाद में फ्लाईओवर, अंडरपास, रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी) और प्रमुख यातायात बाधाओं पर सड़क विस्तार के साथ सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाना है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने भीड़भाड़ वाले स्थानों की पहचान की है और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने हाल ही में जीएचएमसी आयुक्त इलमबर्थी और नगर निगम के इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और उन्हें भूमि अधिग्रहण और निविदा प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बैठक के बाद, जीएचएमसी आयुक्त इलमबर्थी ने परियोजना के मुख्य अभियंता और नगर नियोजन अधिकारियों के साथ हैदराबाद में नानल नगर, रेथिबौली, खाजागुडा जंक्शन, ट्रिपल आईटी, विप्रो जंक्शन और डीएलएफ जंक्शन सहित कई महत्वपूर्ण यातायात क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इसके बाद जीएचएमसी आयुक्त ने अधिकारियों को निविदा प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने और बिना देरी के काम शुरू करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, हैदराबाद की सड़क विस्तार योजनाओं के हिस्से के रूप में, इलमबर्थी ने सरोजिनी देवी नेत्र अस्पताल से राड सन बंजारा हिल्स रोड नंबर 1 और चिंतल बस्ती होते हुए खैरताबाद का दौरा किया, जहाँ यातायात की भीड़भाड़ एक लगातार समस्या रही है।

जीएचएमसी आयुक्त ने कहा कि एच-सीटी पहल के तहत, 25 परियोजनाएँ फ्लाईओवर, अंडरपास और रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी) के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जबकि 13 कार्य सड़क चौड़ीकरण और विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेंगे। शहर में तेजी से विकास के साथ, हैदराबाद में नए फ्लाईओवर भीड़भाड़ को कम करने और यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जैसे-जैसे ये परियोजनाएँ आगे बढ़ेंगी, हैदराबाद को एक सुनियोजित बुनियादी ढाँचे के नेटवर्क से लाभ मिलने की उम्मीद है।

# घर देर से आने पर शराबी पिता ने पुत्र की हत्या की

**यदाद्री, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** यदाद्री भुवनागिरी जिले के चौटुप्पल कस्बे में शनिवार रात को एक 14 वर्षीय लड़के को उसके पिता ने पीट-पीटकर मार डाला। यह घटना तब हुई जब नौवीं कक्षा का छात्र लड़का स्कूल के एक समारोह में भाग लेने के बाद घर लौटा। उसके पिता ने शनिवार रात देर से घर आने पर उससे पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसके बाद पिता ने कथित तौर पर अपने बेटे की छाती पर वार किया। पुलिस ने कहा कि हालांकि लड़के को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के समय आरोपी कथित तौर पर नशे की हालत में था। लड़के की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है, जो फिलहाल फरार है। आगे की जांच जारी है।

## बालाजी मंदिर के पुजारी रंगराजन पर हमला, पुलिस में शिकायत दर्ज

**रंगारेड्डी जिला, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद मंडल में चिलुकुरू बालाजी मंदिर के मुख्य पुजारी सीएस रंगराजन पर हमले की घटना प्रकाश में आई । स्थानीय पुलिस को शिकायत मिली थी कि रंगराजन पर उस समय कुछ लोगों ने हमला किया जब वह अपने घर पर थे। रंगराजन ने कहा कि हमने हमले के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बाकी विवरण जांच के दौरान सामने आएगी। मैं इसके बारे में आगे बात नहीं करूंगा। उन्होंने हमले के बारे में बताने से इनकार कर दिया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शुक्रवार को चिलुकुरू

बालाजी मंदिर के पास रंगराजन के आवास पर कुछ लोग आए। उन्होंने उनसे राम राज्यम की स्थापना का समर्थन करने को कहा। जब उन्होंने इनकार किया, तो वे बहस करने लगे और उन पर हमला कर दिया। उन्होंने उनके बेटे पर भी हमला किया, जिसने उन्हें रोकने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है।

# केटी रामा राव ने की जाति जनगणना को लेकर कांग्रेस की आलोचना, दोबारा सर्वेक्षण की मांग की

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने रविवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि जाति जनगणना में हेराफेरी करके पिछड़े वर्गों (बीसी) की आबादी में 5.5 प्रतिशत की कमी की गई है। सर्वेक्षण को अवैज्ञानिक और अप्रासंगिक बताते हुए उन्होंने तत्काल पुनः सर्वेक्षण की मांग की और तेलंगाना में पिछड़े वर्गों को धोखा देने के अपने जानबूझकर प्रयास के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से माफी मांगने को कहा। यहां बीआरएस बीसी नेताओं के साथ बैठक के बाद तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए रामा राव ने पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के अपने चुनाव पूर्व वादे से मुकरने के लिए कांग्रेस की निंदा की। कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों के साथ क्रूर मजाक किया है। इसने उनकी जनसंख्या के आंकड़ों में कटौती की है और कल्याण लाभ, राशन कार्ड, आवास आवंटन और सरकारी अनुबंधों की उनकी उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया है, जिससे पूरी जाति जनगणना कागज के टुकड़े में तब्दील हो गई है।

यह एक धोखा है और कोई भी पिछड़ा वर्ग का बच्चा इसे स्वीकार नहीं करेगा, उन्होंने कहा, साथ ही उन्होंने कहा कि सबसे कमजोर एमबीसी और पिछड़ा वर्ग के परिवार अब कल्याणकारी कार्यक्रमों, शिक्षा और नौकरी के अवसरों में अपना उचित हिस्सा खोने के डर में जी रहे हैं। बीआरएस ने विधान परिषद और विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया था, जिसके नेता एस मधुसूदन चारी और तलसानी श्रीनिवास यादव ने वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग करते हुए क्रमशः इस मुद्दे का नेतृत्व किया था। कांग्रेस नेतृत्व पर कटाक्ष करते हुए रामा राव ने पाखंड के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, अपनी विफलताओं के लिए जवाब देने के बजाय, वे पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में किए गए व्यापक घरेलू सर्वेक्षण पर हमला कर रहे हैं, उन्होंने कामारेड्डी में अपने पिछड़ा वर्ग घोषणापत्र, विशेष रूप से 42 प्रतिशत

आरक्षण के वादे का सम्मान करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस पर भी हमला किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को यहां लाया गया और उनसे कहा गया कि वे पिछड़ा वर्ग के लिए 1 लाख करोड़ रुपये आवंटित करेंगे और पिछड़ा वर्ग उप-योजना पेश करेंगे।

उन्होंने दावा किया कि 42 प्रतिशत सरकारी अनुबंध पिछड़े वर्गों को मिलेंगे और पिछड़ी जातियों के लिए 50 करोड़ रुपये के नए निगम बनाने का वादा किया। क्या हुआ? 50 पैसे भी नहीं दिए गए, उन्होंने कहा। रामा राव ने पिछड़ी जातियों को 34 विधानसभा सीटें देने के कांग्रेस के टूटे हुए वादे की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, उन्होंने पिछड़ी जातियों को केवल 19 सीटें दीं, जिनमें से पांच पुराने शहर में थीं। इस बीच, बीआरएस ने ऐसे बड़े-बड़े दावे किए बिना पिछड़ी जातियों को 34 सीटें दीं, छह एमपी टिकटों के अलावा यानी सामान्य श्रेणी की आधी सीटें। उन्होंने जनगणना रिकॉर्ड से 22 लाख पिछड़ी जातियों को हटाने के लिए रेवंत रेड्डी की आलोचना की और इसे सरकारी योजनाओं में उन्हें उनके उचित हिस्से से वंचित करने का एक सोचा-समझा कदम बताया। उन्होंने मांग की, यहां तक कि कांग्रेस के एक एमएलसी ने भी जाति जनगणना को कागज का टुकड़ा कहा। अगर सरकार गंभीर है, तो उन्हें तुरंत फिर से सर्वेक्षण का आदेश देना चाहिए।बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस के धोखे को उजागर करने के लिए राज्यव्यापी अभियान की घोषणा की। सोमवार से पार्टी नेता पूरे राज्य में निर्वाचन क्षेत्र, मंडल और जिला मुख्यालयों पर लोगों को लामबंद करेंगे। उन्होंने कहा, जब तक पिछड़ों को न्याय नहीं मिल जाता, हम चैन से नहीं बैठेंगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस ने अपना अड़ियल रुख जारी रखा, तो बीआरएस स्थानीय निकाय चुनावों में लड़ाई लड़ेगी और सुनिश्चित करेगी कि सत्तारूढ़ पार्टी को उसके विश्वासघात की कीमत चुकानी पड़े। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर राव के साथ अपने अगले कदमों की रूपरेखा तैयार करेगी और आने वाले दिनों में अपने अभियान को तेज करेगी, जब तक कि कांग्रेस पिछड़ों से किए गए अपने वादों को पूरा नहीं कर लेती।

उन्होंने कांग्रेस और भाजपा को पिछड़ों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए संविधान में संशोधन करने की चुनौती दी। उन्होंने तेलंगाना में मुल्की नियमों को खत्म करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पिछले संशोधनों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, अगर मोदी और राहुल गांधी एक साथ बैठ सकते हैं, तो वे अपनी चाय खत्म करने से पहले पिछड़ों के लिए संविधान में आसानी से संशोधन कर सकते हैं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME**
I, Service Soldier CHARANJIT KAUR legally of no. 2507823X Rank L/nk Name-Kulwinder Singh Vill Khanowal, P/O Bhagowal, Teh&Dist Gurdaspur (Punjab) pin code 143511 serving in army 13 Punjab (jind) regt do hereby declare that I have changed my name from CHARANJIT (name as per NOK in records) to CHARANJEET KAUR new name of service records of my son (KULWINDER SINGH) vide affidavit No.IN-PB69947316322338W Dated: 21-01-2025

**CHANGE OF NAME**
I, Service soldier No.2507588K Rank-L/Nk Name-KULDIP SINGH R/o. VPO BhagtaBhaiKa, Teh. Phul, Distt. Bathinda (Punjab), Pin-151206, serving in Army Unit- 13 Punjab (Jind) Regiment, do hereby declare that I have changed my mother's name from Smt. JASVINDER KAUR (Name as per NOK in records) to Smt. JASWINDER KAUR vide Affidavit No. IN-PB99335940374557X, Dated: 21-01-2025

# त्रिकोणीय सीरीज के पहले ही मैच में रचिन रविंद्र चोटिल हुए

**लाहौर, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के पहले ही मैच में खराब फ्लड लाइट के कारण एक खिलाड़ी घायल हो गया। पाकिस्तान के साथ हुए इस मैच में न्यूजीलैंड के रचिन रविन्द्र को लगी इस चोट के बाद पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) निशाने पर है। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के ठीक पहले हुए इस हादसे से पता चलता है कि कि पीसीबी की तैयारियों आईसीसी

**चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले पीसीबी की तैयारियों की पोल खुली**

चैम्पियनशिप के लायक नहीं हैं। उसके मैदान अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं हैं पर इसके बाद भी पीसीबी ने उनके तैयार होने का दावा किया है। कीवी खिलाड़ी को लगी चोट से साफ हो गया कि उसके मैदान अभी तक खेलने लायक नहीं बन पाए हैं। इस हादसे से खिलाड़ियों के मन में डर समा गया है। त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज का पहला मैच पाक और न्यूजीलैंड के बीच गद्दाफी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया, लेकिन इस मैच में कीवी टीम के रविंद्र बुरी तरह से चोटिल हो गए। सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि रचिन को यह चोट खराब फ्लड लाइट्स के कारण लगी, जिसकी वजह से वह कैच को सही तरह से देख नहीं पाए और गेंद उनके आंख के बिल्कुल पास में आकर लगी। गेंद लगते ही खून निकलने लगा और उनका चेहरा लहूलुहान हो गया। इसके बाद फौरन उन्हें मैदान से बाहर लेकर जाया गया।

इस मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने पाक को उसी की धरती पर 78 रनों से हरा दिया। मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम ने ग्लेन फिलिप्स के पहले एकदिवसीय शतक से 50 ओवर में 6 विकेट पर 330 रन बनाये।

## न्यूज ब्रीफ

### एसए 20 में सनराइजर्स के जोर्जी ने लगाया सबसे लंबा छक्का

**वांडरर्स।** सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बल्लेबाज टोनी डी जोर्जी भले ही एसए 20 लीग में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये पर 105 मीटर लंबा छक्का लगाने के लिए उनकी जमकर चर्चा हो रही है। जोर्जी ने 23 गेंद में 26 रन बनाये। 27 साल के जोर्जी के नाम भारत के खिलाफ एक शतक भी है। साल 2023 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। तब उस दूसरे एकदिवसीय में जोर्जी ने 119 रन की मैच विजेता पारी खेली थी। जोर्जी ने दूसरे क्वालीफायर में पार्ल रॉयल्स पर आठ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बल्लेबाज ने तब टूर्नामेंट का अपना पहला अर्धशतक लगाते हुए केवल 49 गेंद में 11 चौके और दो छक्के की सहायता से 78 रन बनाए थे। इस मैच में एमआई केप टाउन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 181 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद सनराइजर्स ईस्टर्न केप की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में डेविड बेडिनगाम पेवेलियन लौट गये। इसके बाद अन्य बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये और टीम तय लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायी।

### पाक प्रधानमंत्री बोले, भारतीय टीम को हराना मुश्किल, हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा

**लाहौर।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा है कि 23 फरवरी को दुबई में होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में भारतीय टीम को हराना आसान नहीं होगा। इसलिए उनकी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शरीफ ने ये बात चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए गद्दाफी स्टेडियम के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। शरीफ ने कहा कि हमारी टीम अच्छी है और उसने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है पर उनके सामने अब वास्तविक चुनौती चैम्पियंस ट्रॉफी ही नहीं दुबई में होने वाले मैच में भारतीय टीम को हराना भी रहेगा। साथ ही कहा कि पाक टीम को इस मुकाबले में पूरे देश का समर्थन मिलेगा। भारतीय टीम आईसीसी टूर्नामेंटों में हमेशा पाक पर हावी रही है हालांकि चैम्पियंस ट्रॉफी में एक बार पाक को भी जीत मिली है। पाकिस्तान ने आईसीसी मुकाबले में अंतिम बार भारतीय टीम को 2021 में दुबई में टी20 विश्व कप के एक मुकाबले में हराया था। पाक टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में गत विजेता के तौर पर उतरेगी। उसने इससे पहले 2017 में इंग्लैंड में आयोजित किए गए टूर्नामेंट में जीत हासिल की थी। शरीफ ने कहा कि यह पाक टीम 29 साल के बाद किसी आईसीसी प्रतियोगिता की मेजबानी कर रही है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि हमारी टीम चैंपियंस ट्रॉफी में भी जीत दर्ज करेगी।

### तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन के चोटिल होने से परेशान न्यूजीलैंड की टीम, अपने रेडियोलॉजिस्ट से रिपोर्ट मिलने का इंतजार

**नई दिल्ली।** न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन का हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में

खेलना संदिग्ध है इससे टीम को वनडे टूर्नामेंट में पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इंटरनेशनल लीग टी20 मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई थी। इस चोट से वे परेशान हैं। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला ग्रुप ए मैच खेलेगा। कोच गैरी स्टीड ने पुष्टि की कि प्रमुख गेंदबाज ने चोट की गंभीरता को जानने के लिए स्कैन कराया गया है। न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ट्राई सीरीज भी खेलनी है, इसमें पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका अन्य दो टीम हैं। पाकिस्तान के खिलाफ ट्राई सीरीज के मैच की शुरुआत से पहले आईसीसी ने स्टीड के हवाले से कहा, ''लॉकी का कल संयुक्त अरब अमीरात में स्कैन हुआ था। हम अपने रेडियोलॉजिस्ट से रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रहे हैं, जो हमें इसकी गंभीरता के बारे में हमें बताएगा। कोच स्टीड ने कहा कि विशेषज्ञों की सलाह के बाद फर्ग्यूसन के संबंध में फैसला होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विलयम ओ'रुर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन और विल यंग शामिल है।

# भारत ने इंग्लैंड को 4 विकेट से दूसरा वनडे हराया

**कटक, 09 फरवरी (एजेंसियां)।**

भारत ने इंग्लैंड को दूसरे वनडे में 4 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी ले ली। कटक के बाराबाती स्टेडियम में रविवार को इंग्लैंड ने बैटिंग चुनी। टीम 49.5 ओवर में 304 रन बनाकर सिमट गई। भारत ने 44.3 ओवर में 6 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

भारत से कप्तान रोहित शर्मा ने 32वां वनडे शतक लगाया, उन्होंने 119 रन बनाए। शुभमन गिल ने 60 रन बनाए। रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। इंग्लैंड से जो रूट ने 69, बेन डकेट ने 65 रन बनाए। जैमी ओवर्टन को 2 विकेट मिले। तीसरा वनडे 12 फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा।

भारत ने लंबे समय से फॉर्म से जूझ रहे कप्तान रोहित शर्मा के तूफानी शतक की मदद से 45वें ओवर में ही जीत हासिल कर ली। 33 गेंद रहते भारत को इस मैच में जीत

**सीरीज में 2-0 की बढ़त कप्तान रोहित की संेचुरी जडेजा को 3 विकेट**

मिली।

बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 35 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे भारत ने बीच के ओवरों में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। बैटिंग पावरप्ले में इंग्लैंड ने 75 रन बना लिए थे। बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच पर जडेजा ने आक्रामक बेन डकेट (65 रन) और क्रीज पर जम चुके जो रूट (69 रन) को आउट किया जिससे इंग्लैंड मजबूत शुरुआत को बड़े स्कोर तक नहीं बढ़ा सका।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने डकेट, रूट और कप्तान जोस बटलर (34 रन) के योगदान से अच्छी नींव रखी। इंग्लैंड का स्कोर 35 ओवर में तीन विकेट पर 200

रन था जिससे लग रहा था कि टीम 330 से अधिक रन बनाने में सफल रहेगी। लेकिन जडेजा की अनुशासित गेंदबाजी ने उनकी रन गति पर लगाम कसी। लियाम लिविंगस्टोन ने 32 गेंद में दो चौके और दो छक्के से 41 रन और आदिल राशिद ने पांच गेंद में 14 रन नहीं बनाए होते तो स्कोर यहां तक नहीं पहुंचता।

भारत को रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने तूफानी शुरुआत दी। पावरप्ले में ही रोहित ने 30 गेंदों पर फिफ्टी ठोक दी। भारत ने पहले 10 ओवर में 77 रन बनाए। गिल ने भी जल्दी ही अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। 60 रनों की पारी खेलने के बाद जिमी ओवर्टन की गेंद पर गिल आउट हुए। उन्होंने 100 गेंदों पर रोहित के साथ 136 रन जोड़े। विराट कोहली का बल्ला नहीं चला और वह सिर्फ 5 रन बना पाए।

रोहित शर्मा ने छक्का लगातार 26वें ओवर में अपने वनडे करियर की 32वीं सेंचुरी पूरी की। वह 90 गेंद पर 119 रन बनाकर आउट हुए। उनके विकेट के समय भारत का स्कोर 30 ओवर में 3 विकेट पर 220 रन था। श्रेयस अय्यर और अक्षर ने टीम को 250 के पार पहुंचाया। 44 रनों की पारी खेलकर अय्यर रन आउट हुए। केएल राहुल (10) और हार्दिक पंड्या (10) ज्यादा समय तक नहीं टिक पाए। अक्षर (44) ने जडेजा के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

# ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में 9 विकेट से हराया, सीरीज 2-0 से जीती

**गाले, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने गाले में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में श्रीलंका की टीम को 9 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पारी और 242 रन के बड़े अंतर से हराया था।

पैट कमिंस की अनुपस्थिति में श्रीलंका दौरे पर स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया की टीम को यह सफलता मिली है। टीम 2011 के बाद पहली बार श्रीलंका में टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रही है। आखिरी बार 2011 में माइकल क्लार्क की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका दौरे पर जीत मिली थी।

गाले में खेले गए दूसरे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। टीम ने पहली पारी में 257 रन बनाए। इस दौरान टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 85 रन बनाए और दिनेश चांडीमल ने 163 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। इनके अलावा दिमुथ करुणारत्ने ने 36, रमेश मेंडिस ने 28, पथुम निसांका 11 और कामिंडू मेंडिस ने 13 रन का योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क, मैथ्यू कुहनेमैन और नाथन लियोन ने क्रमश: 3-3 विकेट लिए। ट्रेविस हेड को एक विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 414 रन का स्कोर बनाया। टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने 15 चौके और 2 छक्कों की मदद से 188 गेंदों में 156 रन और कप्तान स्टीव स्मिथ ने 10 चौके और 1 छक्के की मदद से 254 गेंदों में 131 रनों की पारी खेली। इनके अलावा उस्मान ख्वाजा ने 36 रन और ब्यू वेबस्टर ने 31 रन बनाए। पहली पारी के लिहाज ने ऑस्ट्रेलिया ने 157 रनों की बढ़त हासिल की।

श्रीलंका के लिए प्रभात जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। निशान पीरिस ने 3 और रमेश मेंडिस ने 2 विकेट हासिल किए। इसके बाद श्रीलंका की दूसरी पारी 231 रन पर सिमट गई। इससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 75 रनों का लक्ष्य मिला। दूसरी पारी में श्रीलंका के लिए एंजेलो मैथ्यूज ने सबसे बड़ी पारी खेलकर 76 रन बनाए। कुसल मेंडिस ने 50 रन की पारी खेली। इन दो बल्लेबाजों के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज ज्यादा कुछ नहीं कर सका।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमैन 4, नाथन लियोन 4 और ब्यू वेबस्टर ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेहनाम टीम ने एक विकेट के नुकसान पर 75 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए उस्मान ख्वाजा ने नाबाद रहते हुए 27 और मार्नस लाबुशेन ने 26 रन की पारी खेली। ट्रेविस हेड ने 20 रन बनाए।

श्रीलंका के लिए एकमात्र विकेट प्रभात जयसूर्या ने लिया। अब ऑस्ट्रेलिया टीम को श्रीलंका में 2 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है।

### पूर्व कोच साईराज बहुतुले आईपीएल 2025 से पहले आरआर में होंगे शामिल

**नई दिल्ली।** भारत के पूर्व कोच आईपीएल 2025 से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में शामिल होने को तैयार हो गए हैं। भारत के पूर्व स्टैंड-इन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले जल्द ही फ्रेंचाइजी में शामिल होंगे। बहुतुले टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ के स्थाई सदस्य नहीं थे। उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में श्रीलंका की यात्रा भी की। वह हाल ही में अपने पद से हट गए थे, लेकिन अब आईपीएल में वापसी कर रहे हैं। साईराज बहुतुले ने कहा कि वह फ्रेंचाइजी के साथ अपनी भागीदारी को अंतिम रूप देने के करीब हैं। अभी भी कुछ काम किया जाना बाकी है, लेकिन वह रॉयल्स के साथ फिर से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह राहुल के साथ फिर से जुड़ने के लिए रोमांचित हैं। बता दें साईराज ने 1997 से 2003 के बीच 2 टेस्ट और 8 वनडे मैच खेले। टीम इंडिया के साथ अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद राहुल द्रविड़ ने आरआर में मुख्य कोच के रूप में वापसी की। वह पहले 2011 से 2013 तक आरआर के साथ जुड़े थे। द्रविड़ ने 3 साल तक राजस्थान टीम के लिए खेला। उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद आरआर के कोच का पद संभाला और उनका कार्यकाल दो साल का रहा। द्रविड़ को 2017 में आईपीएल टीमों की कोचिंग छोड़नी पड़ी क्योंकि वह बीसीसीआई के साथ काम कर रहे थे। आरआर ने 2018 में आईपीएल में वापसी की। नवंबर 2021 से जून 2024 तक टीम इंडिया के साथ एक सफल कार्यकाल के अंत के बाद द्रविड़ ने आरआर में लौटने का फैसला किया। उनके संरक्षण में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप जीता और 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचा।

# श्रेयस की टीम में जगह पक्कीन होने से हैरान रिकी पोंटिंग

**नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

**हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग ने भी भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के टीम इंडिया में शामिल नहीं होने पर हैरानी जताई है। अय्यर ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप में 11 मैचों में 530 रन बनाए और भारत को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बावजूद बीसीसीआई ने उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया। लेकिन अय्यर ने आईपीएल 2024 में अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को चैंपियन बनाकर करारा जवाब दिया।**

वह सीमित ओवरों के ही नहीं, बल्कि टेस्ट फॉर्मेट में भी शानदार बल्लेबाज हैं। इसके बावजूद उन्हें टीम से अंदर-बाहर किया जाता रहा है। अय्यर ने नागपुर में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 36 गेंदों पर 59 रन बनाकर अपनी काबिलियत का एक और उदाहरण पेश किया। वहीं, घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है।

विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए दो शतक जड़कर उन्होंने साबित किया कि वह किसी भी स्थिति में रन बना सकते हैं। रिकी पोंटिंग भी अय्यर की अनदेखी से हैरान हैं।

पोंटिंग ने कहा, मैं हैरान हूं कि वह पिछले कुछ सालों से भारतीय टीम से अंदर-बाहर हो रहे हैं। उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप में मध्यक्रम में बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और मुझे लगा था कि उन्होंने अपनी जगह पक्की कर ली है।

लेकिन फिर उन्हें चोट लग गई और वह टीम से बाहर हो गए। आईपीएल 2024 में श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा है, जो उनके कौशल और महत्व को दर्शाता है।

# लाल रूमाल को सौभाग्य का प्रतीक मानते रहे हैं कई खिलाड़ी

**नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।**

बीते दिनों हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सिर पर लाल रूमाल बांधकर बल्लेबाजी की और ताबड़तोड़ चौके-छक्कों की बरसात कर दी। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं।

हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में सिर्फ बल्ले से ही नहीं, बल्कि गेंद से भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारत की जीत में उनका अहम योगदान रहा। दिलचस्प बात यह रही कि अभिषेक शर्मा से पहले भी कई दिग्गज खिलाड़ी लाल रूमाल को अपने सौभाग्य का प्रतीक मानते रहे हैं। वीरेंद्र सहवाग, सौरव गांगुली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ भी लाल रूमाल का उपयोग कर चुके हैं। लाल किताब के अनुसार, सिर पर टोपी पहनना, पगड़ी बांधना या लाल रूमाल रखना सौभाग्य को बढ़ाता है। ज्योतिष के अनुसार, लाल रंग ऊर्जा, जोश और

आत्मविश्वास का प्रतीक होता है।

यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मक शक्ति को आकर्षित करता है। विशेष रूप से मेष राशि वालों के लिए लाल रंग अत्यधिक शुभ माना जाता है, क्योंकि इसका स्वामी ग्रह मंगल होता है। अभिषेक शर्मा का जन्म 4 सितंबर 2000 को हुआ था और उनकी राशि मेष है। ज्योतिष के अनुसार, मेष राशि के जातकों के लिए मंगल ग्रह का मजबूत होना सफलता दिलाने में मदद करता है। सिर पर लाल रूमाल बांधने से मंगल ग्रह को बल मिलता है, जिससे व्यक्ति का साहस, आत्मविश्वास और ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि क्रिकेट के मैदान में लाल रूमाल कई खिलाड़ियों के लिए भाग्यशाली साबित हुआ है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को भी लाल रूमाल बेहद प्रिय था। 2008 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में सहवाग ने 319 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी, और उस दौरान उनके पास लाल रूमाल था। इसे क्रिकेट प्रेमी एक संयोग मान सकते हैं, लेकिन ज्योतिष और लाल किताब में इसे शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया कि लाल रूमाल सिर्फ एक टोटका नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और ऊर्जा का प्रतीक भी हो सकता है।

### टेस्ट क्रिकेट से ज्यादा कठिन टी20 प्रारूप में खेलना, हर गेंद पर रन बनाना होता : रयान रिकेल्टन

**नई दिल्ली ।** जहां कई लोग टेस्ट क्रिकेट को किसी भी खिलाड़ियों के लिए अंतिम चुनौती मानते हैं, वहीं, दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन का कहना है कि टी20 प्रारूप उससे ज्यादा कठिन है। पाकिस्तान के खिलाफ अपने धमाकेदार प्रदर्शन से रिकेल्टन साल 2016 के बाद दक्षिण अफ्रीका के पहले दोहरे टेस्ट शतकवीर बने है। हालांकि, शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने संकेत दिया है कि ये रन बनाना एसए20 में फाइनलिस्ट एमआई केप टाउन के लिए 7 पारियों में बनाए 303 रनों की तुलना में काफी आसान था। रिकेल्टन ने कहा कि मैं बड़ा होकर एक टेस्ट खिलाड़ी बनना चाहता था और मैंने सोचा था कि टी20 में, आप बस कुछ ही कर सकते हैं, लेकिन टी20 क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। रिकेल्टन ने बताया कि टी20 में लगातार दबाव में खेलने की चुनौती इस टेस्ट की तुलना में कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण बनाती है, जहां कोई अपना समय लगा सकता है और कम तीव्रता के साथ अपना काम कर सकता है। टेस्ट क्रिकेट में, आप अपना समय बिता सकते हैं और कम तीव्रता के साथ अपना काम कर सकते हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

# प्रधानमंत्री मोदी का एजेंडा एक पार्टी एक व्यक्ति है : रेवंत रेड्डी

**तिरुवनंतपुरम, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित एक राष्ट्र एक चुनाव सिद्धांत का विरोध करना लोगों की जिम्मेदारी है, क्योंकि यह व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाएगा।

यहां मातृभूमि इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ लेटर्स (एमबीआईएफएल) में बोलते हुए उन्होंने कहा एक पार्टी, एक व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का असली एजेंडा है, न कि एक पार्टी एक चुनाव। केंद्र धीरे-धीरे राज्यों के अधिकारों पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य चुनाव स्थानीय मुद्दों के बारे में अधिक हैं, जिन्हें कई राज्यों में क्षेत्रीय दल संभाल रहे हैं। उन्होंने आग्रह किया कि सभी राज्यों को नए कदम का विरोध करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि नई परिचालन जन-गणना के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन करने का कदम केंद्र द्वारा दक्षिण भारतीय राज्यों को दरकिनार करने का एक और कदम है।

उन्होंने कहा, इसका विरोध किया जाना चाहिए, क्योंकि यह लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाएगा। परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए दक्षिण भारतीय राज्यों को क्यों दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार राज्यों की उन शक्तियों को वापस लेने की कोशिश कर रही है, जो राज्यों में विश्वविद्यालयों के लिए बजटीय आवंटन प्रदान करती हैं। वे सब कुछ केंद्र के नियंत्रण में लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 'बुद्धिजीवियों' को इसका विरोध करना चाहिए। दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर रेड्डी ने कहा कि लोग स्थिति और विपक्ष के बीच बंटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली में सत्ता में बैठी आपा और भाजपा के बीच था और केजरीवाल विरोधी वर्ग ने उन उम्मीदवारों को वोट दिया, जिनके जीतने की संभावना अधिक थी।

## रेवंत रेड्डी ने बाबा आमटे को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रसिद्ध समाज सुधारक मुरलीधर देवदास आमटे, जिन्हें बाबा आमटे के नाम से जाना जाता है, को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मानवतावादी विरासत का सम्मान करते हुए, मुख्यमंत्री ने आनंदवन आश्रम में कुष्ठ रोगियों की सेवा में बाबा आमटे के अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए आमटे के समर्पण और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। रेवंत रेड्डी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी के साथ बाबा आमटे के घनिष्ठ संबंधों को भी याद किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आमटे जीवन भर गांधीवादी सिद्धांतों के प्रति समर्पित रहे और वंचितों के कल्याण के लिए प्रयास करते रहे। समाज के लिए बाबा आमटे का योगदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा, मुख्यमंत्री ने लोगों से करुणा और सेवा के उनके मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया।

# तेलंगाना में रियल एस्टेट संकट के लिए रेवंत रेड्डी जिम्मेदार : हरीश राव

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने वित्तीय संकट से जुड़ी आत्महत्याओं की एक श्रृंखला का हवाला देते हुए तेलंगाना में रियल एस्टेट क्षेत्र की बिगड़ती स्थिति के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को दोषी ठहराया।

उन्होंने कोम्पल्ली रियल एस्टेट व्यवसायी वेणुगोपाल रेड्डी और आदिभटला के नरसिम्हा गौड़ की हाल ही में हुई मौतों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह संकट तेजी से फैल रहा है, जिससे परिवार तबाह हो रहे हैं। रियल एस्टेट व्यवसायियों की आत्महत्याओं पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर हैदराबाद के विकास को रोकने का आरोप लगाया और कहा कि इसका खराब शासन शहर की रियल एस्टेट प्रगति में एक बड़ी बाधा है।

उन्होंने कई सर्वेक्षण एजेंसियों की चेतावनियों को नजरअंदाज करने के लिए प्रशासन की आलोचना की, जिन्होंने पिछले डेढ़ साल में इस क्षेत्र में मंदी का संकेत दिया है। हाइड्रा विध्वंस, मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट, फार्मा सिटी रद्दीकरण और हैदराबाद मेट्रो लाइन परिवर्तन जैसी परियोजनाओं पर नीतिगत गलतियों को दोषी ठहराते हुए उन्होंने कहा कि इन फैसलों ने निवेशकों और व्यवसायों को सीधे प्रभावित किया है।

उन्होंने सुझाव दिया कि रियल एस्टेट में अनुभव रखने वाले रेवंत रेड्डी को संकट को स्वीकार करना चाहिए और तेलंगाना की दशक भर की प्रगति को उलटने से पहले सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। हरीश राव ने नरसिंह गौड़ के शोक संतप्त परिवार के लिए तत्काल वित्तीय सहायता की भी मांग की, और आगे की त्रासदियों को रोकने के लिए सरकारी हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

# भूमि विवाद के बीच हाइड्रा ने अब्दुल्लापुरमेट में फार्महाउस और बाड़ को गिराया

**रंगारेड्डी, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

हाइड्रा अधिकारियों ने रविवार को रंगारेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट मंडल में स्थित कोहिद गांव में तोड़फोड़ की कार्रवाई की। सड़कों को बाधित करने वाले और नियमों का उल्लंघन करने वाले अवैध निर्माणों की शिकायतों के जवाब में यह कार्रवाई की गई।

यह तोड़फोड़ सर्वे नंबर 951 और 952 में की गई, जहां राधे धाम लेआउट प्लॉट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के निवासियों और सदस्यों ने रिपोर्ट दी थी कि समीर रेड्डी बाल रेड्डी ने उनके प्लॉट पर अतिक्रमण कर लिया है, अनधिकृत बाउंड्री वॉल बनाकर आंतरिक सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है। इसके कारण हाइड्रा अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज की गई, जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई की गई।

सर्वेक्षण संख्या 951 और 952 के लिए भूमि अभिलेखों की समीक्षा करने पर, यह पुष्टि हुई कि 1986 में, भूमि मालिकों के. रामुलु, पेद्दय्या और एसय्या ने ग्राम पंचायत के माध्यम से कानूनी रूप से भूखंडों का आवंटन किया था। हालांकि, समीर रेड्डी बॉल रेड्डी ने कथित तौर पर भूमि पर नियंत्रण कर लिया, एक फार्महाउस बनाया और कई भूखंडों पर कब्जा कर लिया, जिससे लेआउट के भीतर आंतरिक सड़कें अवरुद्ध हो गईं।

हाइड्रा अधिकारियों ने दोनों पक्षों को नोटिस जारी कर संबंधित दस्तावेज पेश करने का निर्देश दिया। 8 फरवरी को दोनों पक्ष दस्तावेज सत्यापन के लिए राजस्व और नगर निगम अधिकारियों के समक्ष उपस्थित हुए। तुर्कयांगल नगर पालिका अधिकारियों ने पुष्टि की कि फार्महाउस, शेड, कंपाउंड वॉल या बाड़ लगाने के निर्माण के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई थी।

प्लॉट ओनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने समीर रेड्डी बाल रेड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने निवासियों को प्लॉट बेचने के बाद ज़मीन का मालिकाना हक बनाने के लिए रिकॉर्ड में हेराफेरी की। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने लेआउट में प्लॉट बेचने के बाद ज़मीन खरीदी, इस प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन किया।

दोनों पक्षों और नगर निगम अधिकारियों के साथ जांच के बाद, हाइड्रा कमिश्नर ने समीर रेड्डी बाल रेड्डी द्वारा बनाए गए फार्महाउस, सुरक्षा बाड़ और अवरोधों को ध्वस्त करने के आदेश जारी किए। रविवार को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

यह कार्रवाई कानूनी नियमों को लागू करने और सार्वजनिक उपयोगिताओं में बाधा डालने वाले तथा वैध संपत्ति मालिकों के अधिकारों का उल्लंघन करने वाले अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए हाइड्रा के चल रहे प्रयास का हिस्सा है।

## आरामगढ़ फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार ऑटो पलटा

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

नवनिर्मित आरामगढ़ फ्लाईओवर पर चल रहा एक ऑटो-रिक्शा रविवार, 9 फरवरी को तेज गति के कारण नियंत्रण खो बैठा और डिवाइडर से टकराकर पलट गया। घटना को देखते ही राहगीर मौके पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

इससे पहले, हैदराबाद में शब-ए-मेराज के दिन आरामगढ़ फ्लाईओवर पर हुए एक दुखद हादसे में तीन किशोरों की जान चली गई थी। यह घातक दुर्घटना सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि को हुई, जो नवनिर्मित फ्लाईओवर पर हुई पहली दुर्घटना थी।पीड़ितों की पहचान 14 वर्षीय माज़, 16 वर्षीय इमरान और 14 वर्षीय अहमद के रूप में हुई, जो हैदराबाद के पुराने शहर के निवासी थे।

## ट्रक से टकराने के बाद एक की मौत

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

शनिवार रात हैदराबाद के मलकपेट क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, चंचलगुडा निवासी पीड़ित मो. इस्माइल मोटरसाइकिल से जा रहा था, तभी मलकपेट रोड पर उसकी गाड़ी पीछे से आ रही एक ट्रक से टकरा गई। उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को शवगृह में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

## एमडीएमए बेचने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार, एक लाख की ड्रग्स जब्त

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना के निषेध एवं आबकारी विभाग ने रविवार 9 फरवरी को मूसारामबाग में एमडीएमए ड्रग्स की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से 9.2 ग्राम एमडीएमए जब्त किया, जिसकी कीमत 1 लाख रुपये है। हैदराबाद निवासी आरोपी सैयद अब्दुल रहमान दूसरे राज्यों से शहर में ड्रग लाकर ग्राहकों को ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमा रहा था। सूचना मिलने पर स्टेट टास्क फोर्स-बी की टीम ने अब्दुल रहमान को पकड़ लिया और उसके पास से ड्रग के साथ-साथ एक एक्टिवा और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया। अब्दुल रहमान के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसके ग्राहकों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

## काटेदान में प्लास्टिक कंपनी में लगी आग

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

काटेदान औद्योगिक क्षेत्र में रविवार 9 फरवरी को एक प्लास्टिक कंपनी में भीषण आग लग गई। सूचना मिलने पर, आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियाँ मौके पर पहुँची। लगने का सही कारण और नुकसान की सीमा का पता लगाना अभी बाकी है। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। 4 फरवरी को, हैदराबाद के चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र में एनएफसी फेज-1 में एक रासायनिक कंपनी में भीषण आग लग गई।

समाचार एजेंसी से बात करते हुए, मेडचल-मलकजगिरी जिला अग्निशमन अधिकारी (डीएफओ) वी श्रीनिवास ने कहा कि आग एक निजी पेट्रोकेमिकल फैक्ट्री में लगी और एक रिएक्टर ढह गया और विभिन्न रसायन जल गए। सूचना मिलने पर हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यू-एसएसबी) से पानी के टैंकर भी आग बुझाने के प्रयासों में मदद करने के लिए केमिकल फैक्ट्री पहुंचे। 2 फरवरी को हैदराबाद के उप्पल भगयथ में शिल्परमम के पास मर्फी कम्फर्ट प्राइवेट लिमिटेड रिटेल कंपनी में आग लग गई। आग ने कथित तौर पर गद्दे, तकिए और अन्य कपास और फोम-आधारित सामग्री को नष्ट कर दिया।

## सिकंदराबाद में गांजा तस्करी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

**हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)**

आबकारी एवं निषेध विभाग की विशेष कार्य बल टीम ने रविवार को सिकंदराबाद में गांजा तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उनके पास से 10 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार किए गए टी. शंकर और सी. अनिल, दोनों ड्राइवर प्रवीण वर्मा के साथ, जो फरार है, ने आंध्र प्रदेश के अरुकु घाटी से गांजा खरीदा था और शहर में तस्करी की थी। सूचना पर एसटीएफ टीम ने उन्हें बोवेनपल्ली में पकड़ लिया। अधिकारियों ने कहा, प्रवीण ने कार किराए पर ली थी और आंध्र प्रदेश गया था, जहां उसने गांजा खरीदा। वह शहर आया और कार अनिल और शंकर को सौंप दी, और उनसे सिकंदराबाद में किसी स्थान पर गांजा ले जाने के लिए कहा। अधिकारियों ने कहा कि गिरोह ने सॉफ्टवेयर पेशेवरों को गांजा बेचने और मोटी रकम कमाने की योजना बनाई थी। फरार प्रवीण वर्मा को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

# कडियम ने 'आपा' की हार के लिए बीआरएस को जिम्मेदार ठहराया

## उपचुनाव का सामना करने को तैयार

**हनुमाकोंडा, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

कांग्रेस नेता एवं विधायक कडियम श्रीहरि ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए आम आदमी पार्टी (आपा) की हार में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की महत्वपूर्ण भूमिका बताया है।

श्रीहरि ने रविवार को हनुमाकोंडा में मीडिया से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि 'आम आदमी पार्टी' को शराब घोटाला और बीआरएस के साथ हाथ मिलाने से हार मिली। उन्होंने कहा कि अगर 'आपा' अकेले चुनाव लड़ने की बजाय कांग्रेस से हाथ मिलाती तो अच्छा प्रदर्शन करती।उन्होंने विधायकों की अयोग्यता याचिका के मुद्दे पर कहा कि मामला फिलहाल उच्चतम न्यायालय में है और 10 फरवरी को फैसला आने की उम्मीद है। श्रीहरि ने जोर देकर कहा कि वह न्यायालय के फैसले का पालन करेंगे । उन्होंने संवाददाताओं से कहा, अगर उपचुनाव होते हैं, तो मैं भागूंगा नहीं। मैं लड़ाई जारी रखूंगा।

तेलंगाना विधानसभा सचिव ने पिछले सप्ताह भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की याचिकाओं पर 10 विधायकों को नोटिस जारी किया था, जिसमें दलबदलुओं को अयोग्य ठहराने की मांग की गई थी।

यह तब हुआ जब सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना विधानसभा से अयोग्य ठहराने की याचिकाओं पर निर्णय के लिए उचित अवधि निर्धारित करने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट बीआरएस विधायक पी. कौशिक रेड्डी की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें तीन विधायकों वेंकट राव तेलम, कडियम श्रीहरि और दानम नागेंद्र को अयोग्य ठहराने की मांग की गई है। इस याचिका पर अगली सुनवाई 10 फरवरी को होनी है। सुप्रीम कोर्ट बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव की एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई करेगा, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सात अन्य विधायकों को अयोग्य ठहराने के मामले में देरी पर सवाल उठाया गया है। श्रीहरि ने कहा कि बीआरएस को दलबदल के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.